



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 16] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 21, 1979/वैशाख 1, 1901  
No. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 21, 1979/VAISAKHA 1, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)  
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांख्यिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities  
(other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1979

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 20th March, 1979

का० शा० 1250.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 205-हेर (प्र० गा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कांबले नीलकंठ हुलाजी, मु० पो० तोंडचिरा, ता० उदगीर महाराष्ट्र लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा नद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रेषित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यापारिक नहीं है;

अतः, अथ, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री कांबले नीलकंठ हुलाजी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए हम आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरद्वित घोषित करता है।

[पं० महा०-वि०म०/205/78(120)]

S.O. 1250.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kamble Nilkanth Hulaji, At & P.O. Tondchira, Udgir taluk, Maharashtra a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 205-Her (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kamble Nilkanth Hulaji to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/205/78(120)]

का०शा० 1251.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 208-परगावा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार

श्री धगे वसन्तराव साहेबराव, मु०पो० चिंचपुर डगे, ता० भूम, महाराष्ट्र लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए, कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री धगे वसन्तराव साहेबराव को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० महा०-वि०सं०/208/78 (121)]

**S.O. 1251.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dhage Vasantrao Sahebrao, At & P.O. Chinchpur Dhage, Bhoom taluk, (Maharashtra) a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 208-Paranda constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dhage Vasantrao Sahebrao to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/208/78(121)]

**क्र०आ० 1252.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 137-नागपुर पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती सुनंदा आत्मराम उर्फ आसाराम पडोले, मार्फत श्री गुणवन्त कामबी, गोपालनगर, नागपुर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रही हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्रीमती सुनंदा आत्मराम उर्फ आसाराम पडोले को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० महा० वि०सं०/137/78 (122)]

**S.O. 1252.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Sunanda Atmaram Alias Asaram Padole, C/o Shri Gunwant Kamdi, Gopalnagar, Nagpur, a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 137-Nagpur West constituency has failed to lodge an account of her election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that she has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrimati Sunanda Atmaram Alias Asaram Padole to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/137/78(122)]

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1979

**क्र०आ० 1253.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 82-नुजविद निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कोली वाराप्रसाद राव, कोयूर तालुक नुजविद, जिला कृष्णा (आन्ध्र प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री कोली वाराप्रसाद राव को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० आ०प्र०-वि०सं०/82/78 (21)]

New Delhi, the 21st March, 1979

**S.O. 1253.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kolli Varaprasada Rao, Koyyuru, Taluk Nuzvid, District Krishna, (Andhra Pradesh), a contesting candidate for General Election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly held in February, 1978 from 82-Nuzvid constituency, has failed to lodge the account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kolli Varaprasada Rao to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/82/78(21)]

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1979

**क्र०आ० 1254.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 90-वीरुपण्डी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री आर० वीरुपानानन, पुत्र रामासामी गेंडेर, गनापोषी पालायाम, पो० मारावंगलाथूपती, जिला सलेम (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं

दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री आर० वीरुपन्नान को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेग की तारीख को तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० त०न०-वि०स०/७०/७७ (16)]

New Delhi, the 22nd March, 1979

**S.O. 1254.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri R. Virupannan, S/o Ramasami Gounder, Ganapathy Palayam, Maramangalathupatty Post, Salem-13 (Tamil Nadu), a contesting candidate for election to the Tamil Nadu Legislative Assembly from 90-Veerapandi constituency held in June, 1977, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri R. Virupannan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/90/77(16)]

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1979

**क्र०आ० 1255.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 69-वृधचलम विधान सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री के० कंठराजन, गांव 48-इलुमिचई, पो० यू० मंगलम, ताल्लुक वृधचलम, जिला दक्षिण अर्कोट (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति में अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री के० कंठराजन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेग की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० त०न० वि०स०/69/77(17)]

New Delhi, the 23rd March, 1979

**SO. 1255.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri K. Kantharajan of 48 Flumichai village, U. Mangalam Post, Vridhachalam Taluk, South Arcot District. (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu legislative assembly held in June, 1977 from 69-Vridhachalam assembly constituency, has failed to lodge an account of his

election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri K. Kantharajan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/69/77(17)]

**क्र०आ० 1256.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 69-वृधचलम सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सी० थम्बुस्वामी, गंगईकोण्डन, ईस्ट स्ट्रीट नेवेली, ताल्लुक वृधचलम, जिला दक्षिण अर्कोट, (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति में अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सी० थम्बुस्वामी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेग की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० त०न०-वि०स०/69/77(18)]

**S.O. 1256.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri C. Thambuswamy of Gangaikondan East Street, Neyveli, Vridhachalam Taluk, South Arcot District. (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu legislative assembly held in June 1977 from 69-Vridhachalam assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri C. Thambuswamy to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/69/77(18)]

नई दिल्ली, 28 मार्च 1979

**क्र०आ० 1257.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि करवरी 1978 में हुए आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए उन्मैकाली सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती हुसैन बेगम पत्नी श्री अब्दुल रहमान खां, कासीबाग

पोस्ट, तालुक पलासा, जिला श्रीकाकुलम (आन्ध्र प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रही है।

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रस्तुत करना नहीं किया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्रीमती हुसैन बेगम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. आन्ध्र-वि.सं. 3/78 (23)]

New Delhi, the 26th March, 1979

**S.O. 1257.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Hussana Begam W/o. Shri Abdul Rahman Khan, Kasibugga Post, Palasa Taluk, Srikakulam District (Andhra Pradesh), a contesting candidate for general election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly held in February, 1978 from 3-Tekkali assembly constituency has failed to lodge the account of her election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that she has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrimati Hussana Begam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/3/78(23)]

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1979

**क्र.सं. 1258.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए माधवारण निर्वाचन के लिए 176-वेडारान्यम सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाली उम्मीदवार श्री जी० वेंकटचालम, 65, वेस्ट स्ट्रीट, वेडारान्यम, जिला थंजावुर (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रस्तुत करना नहीं किया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री जी० वेंकटचालम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. तं.नं.वि.सं. 176/77 (22)]

आदेश से,

जी० नागसुब्रमण्यन, सचिव

New Delhi, the 30th March, 1979

**S.O. 1258.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri G. Venkatachalam, 65, West Street, Vedaranyam, District Thanjavur (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu legislative assembly held

in June, 1977, from 176-Vedaranyam assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri G. Venkatachalam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/176/77(22)]

By order,

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

## वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1979

### आव-कर

**क्र.सं. 1259.**—केन्द्रीय सरकार, आव-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "अर्पणा ट्रस्ट, कर्नाल" के निर्धारण वर्ष 1975-78 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 2732/क्र.सं. 197/212/77 क्र.सं. (ए०-1)]

जे० पी० शर्मा, निदेशक

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 22nd February, 1979

### (INCOME-TAX)

**S.O. 1259.**—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies 'Arpana Trust, Karnal' for the purpose of the said Section for and from the assessment year 1975-76.

[No. 2732/F. No. 197/212/77-IT(AI)]

J. P. SHARMA, Director

(आर्थिक कार्य विभाग)

(वैकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1979

**क्र.सं. 1260.**—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 8 की उपधारा (1) के खंड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री छेवी लाल माफत विवेकानन्द केन्द्र, विवेकानन्दपुरम, कल्याकुमारी (तमिलनाडु) को एतद्वारा 2 अप्रैल, 1979 से भारतीय रिजर्व बैंक के केन्द्रीय बोर्ड में निवेशक के रूप में नामित करती है।

[संख्या एक० 7/2/78-बी० प्रो०-1 (1)]

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 2nd April, 1979

**S.O. 1260.**—In exercise of the powers conferred by Clause (c) of Sub-section (1) of Section 8 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Government

hereby nominates Shri Chhedil Lal, C/o Vivekananda Kendra, Vivekanandapuram, Kanyagumari (Tamil Nadu) to be the Director of the Central Board of the Reserve Bank of India, with effect from 2nd April, 1979.

[No. F. 7/2/78-BO. I(1)]

का० आ० 1261.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 8 की उपधारा (1) के खंड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा सेंटर फार डेवलपमेंट स्टडीज, त्रिवेन्द्रम ( केरल ) के फेलो डॉ० के० एन० राज को डॉ० ए० एम० खुसरो के स्थान पर 2 अप्रैल, 1979 से भारतीय रिजर्व बैंक के केन्द्रीय बोर्ड में निदेशक के रूप में नामित करती है।

[संख्या एक० 7/2/78-बी० ओ०-1 (2)]

S.O. 1261.—In exercise of the powers conferred by Clause (c) of Sub-section (1) of Section 8 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Government hereby nominates Dr. K. N. Raj, Fellow of the Centre for Development Studies, Trivandrum (Kerala) to be the Director of the Central Board of the Reserve Bank of India, with effect from 2nd April, 1979 vice Dr. A. M. Khuro.

[No. F. 7/2/78-BO. I(2)]

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1979

का० आ० 1262.—भारतीय स्टेट बैंक (अनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 (1959 का 38) की धारा 26 की उपधारा 2 (क) के साथ पठित धारा 25 की उप धारा (1) के खण्ड (ग ख) के अनुसरण में और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग ( बैंकिंग प्रभाग ) की 31 मार्च, 1978 की अधिमूचना संख्या एक० 8/15/78-बी० ओ० 1 (4) में प्रशस्त: संशोधन करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, महात्मागान्धी रोड, बंगलूर की पब्लिक यूटिलिटी बिल्डिंग ब्रांच के प्रबन्धक ( अधिकारी ग्रेड-1 ) श्री के० एन० नरसिंह मूर्ति को श्री टी० एस० शंकरन के स्थान पर स्टेट बैंक ऑफ मैसूर के उन कर्मचारियों में से जो कि कामगार नहीं हैं, अप्रैल, 1979 के चौथे दिन से आरम्भ होने वाली और अप्रैल, 1982 के तीसरे दिन को समाप्त होने वाली 3 वर्ष की अवधि के लिए स्टेट बैंक ऑफ मैसूर के एक निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एक० 8/3/79-बी० ओ० 1]

च० बा० मीरचन्दानी, अवर सचिव

New Delhi, the 4th April, 1979

S.O. 1262.—In pursuance of clause (cb) of Sub-section (1) of Section 25 read with Sub-section (2A) of Section 26 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959) and in partial modification of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) No. F. 8/15/78-BO. I(4), dated the 31st March 1978, the Central Government hereby appoints Shri K. N. Narasimha Murthy, Manager (Officer Grade D), Public Utility Building Branch of the State Bank of Mysore, Mahatma Gandhi Road, Bangalore, from among the employees of the State Bank of Mysore as are not workmen, as a director of the State Bank of Mysore for a period of three years commencing on the 4th day of April, 1979 and ending with the 3rd day of April, 1982 vice Shri T. S. Sankaran.

[No. F. 8/3/79-BO. I]

C. W. MIRCHANDANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1979

का० आ० 1263.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखंड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा श्री पी० एफ० गट्टा को, 1 मई, 1979 से आरम्भ होकर 30 अप्रैल, 1982 को समाप्त होने वाली और अवधि के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया के प्रबंध निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[सं० एक० 9/1/79-बी० ओ० I(1)]

New Delhi, the 3rd April, 1979

S.O. 1263.—In pursuance of Sub-section (a) of Clause 3 read with Sub-clause (1) of Clause 8, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby re-appoints Shri P. F. Gutta as the Managing Director of the Central Bank of India for a further period commencing on 1st May, 1979 and ending with 30th April, 1982.

[No. F. 9/1/79-B.O. I(1)]

का० आ० 1264.—राष्ट्रीयकृत बैंक ( प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध ) स्कीम, 1970 के खंड 7 के साथ पठित खण्ड 5 के उपखंड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात्, एतद्वारा श्री पी० एफ० गट्टा को जिन्हें 1 मई, 1979 से सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया के प्रबंध निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया के निदेशक बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एक० 9/1/79-बी० ओ० 1 (2)]

S.O. 1264.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 5, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri P. F. Gutta, who has been re-appointed as Managing Director of the Central Bank of India with effect from 1st May, 1979 to be the Chairman of the Board of Directors of the Central Bank of India with effect from the same date.

[No. F. 9/1/79-B.O. I(2)]

का० आ० 1265.—राष्ट्रीयकृत बैंक ( प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध ) स्कीम, 1970 के खण्ड 8 के उप खण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखंड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात्, एतद्वारा श्री भार० सी० शाह को, 1 मई, 1979 से आरंभ होकर 30 अप्रैल, 1982 को समाप्त होने वाली और अवधि के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[सं० एक० 9/1/79-बी० ओ०-1(3)]

S.O. 1265.—In pursuance of sub-clause (a) of clause (3), read with sub-clause (1) of clause 8, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India hereby reappoints Shri R. C. Shah as the Managing Director of the Bank of Baroda for a further period commencing on 1st May, 1979 and ending with 30th April, 1982.

[No. F. 9/1/79-B.O. I(3)]

का० आ० 1266.—राष्ट्रीयकृत बैंक ( प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध ) स्कीम, 1970 के खंड 7 के साथ पठित खण्ड 5 के उपखंड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा श्री भार० सी० शाह को, जिन्हें 1 मई, 1979 से बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से बैंक ऑफ बड़ौदा के निदेशक बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एक० 9/1/79-बी० ओ० 1(4)]

बलदेव सिंह, सचिव

S.O. 1266.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 3, read with clause 7 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of

India, hereby appoints Shri R. C. Shah, who has been re-appointed as Managing Director of the Bank of Baroda with effect from 1st May, 1979 to be the Chairman of the Board of Directors of the Bank of Baroda with effect from the same date.

[No. F. 9/1/79-B.O. 1(4)]  
BALDEV SINGH, Jt. Secy

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1979

का० आ० 1267.—राज्य वित्तीय निगम अधिनियम, 1951 (1951 का 63) की धारा 25 की उपधारा (1) के खंड (ब) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, तमिलनाडु इण्डस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन तथा इण्डस्ट्रियल कार्बनइन्ड्रेशन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, दोनों की ती, हम खण्ड के प्रयोजनों के लिए अधिसूचित करती है।

[सं० का० 11-23/78-आई० एफ० 2]  
डी० सी० पटनायक, निवेशक

New Delhi, the 3rd April, 1979

S.O. 1267.—In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the State Financial Corporations Act, 1951 (63 of 1951), the Central Government hereby notifies each of the Financial Corporations, the Tamil Nadu Industrial Investment Corporation and the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited for the purposes of this clause.

[F. No. 11-23/78-IF. III]  
B. C. PATNAIK, Director

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1979

का० आ० 1268.—भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3 (ii) में प्रकाशित, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग ( बैंकिंग प्रभाग ) की 13 नवम्बर, 1978 की, सिटी कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, बम्बई के बारे में प्रकाशित अधिसूचना संख्या 8-9/78-ए० सी० के हिन्दी रूपान्तर में निम्नलिखित की शामिल/प्रतिस्थापित कर पड़ा जाये :-

- (1) शब्द "प्रवृत्त" को "हाग" तथा "शक्तियों" के बीच शामिल किया जाये।
- (2) शब्द "की तारीख" को "प्रकाशित होने" तथा "1 मार्च, 1981 तक" के बीच शामिल किया जाये।
- (3) शब्द "बालकोट" के स्थान पर "बागलकोट" प्रतिस्थापित माना जाये।

[संख्या 8-9/78-ए० सी०]  
माधव वैद्य, अवर सचिव

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1979

का० आ० 1269.—भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3(ii) में प्रकाशित, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग ( बैंकिंग प्रभाग ) की दिनांक 13 नवम्बर, 1978 की अधिसूचना संख्या 8-1/78-ए० सी० में जहाँ कहीं भी "कोटागिरी" शब्द आया है वहाँ "कोटागिरी" शब्द प्रतिस्थापित कर दिया जाये।

[संख्या 8-1/78-ए० सी०]  
यशवन्त राज, अवर सचिव

## ERRATA

New Delhi, the 7th April, 1979

S.O. 1269.—In the notification No. 8-1/78-CA, dated the 13th November 1978, of the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) published in Part II-Section 3(ii) of the Gazette of India, for the word, "Kata-giri", wherever it appears the word "Kotagiri" may be substituted.

[No. 8-1/78-AC]

YASHWANT RAJ, Under Secy.

## उत्पाद-शुल्क के समाहर्ता का कार्यालय

(राजस्व और बैंकिंग विभाग)

हैदराबाद, 1 फरवरी, 1979

का० आ० 1270.—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 9 में निहित अधिकारों के अनुसरण में, जिसे भारत सरकार की दिनांक 18-7-1975 की अधिसूचना सं० 79/सीमाशुल्क के साथ पढ़ा जाये में चर्लपल्ली औद्योगिक क्षेत्र, हैदराबाद-500762 ग्राम्य प्रदेश को भांडागार घोषित करता है।

[न० 1/सीमाशुल्क/79, सी० सं० VIII/40/3/79-सीमा (टी०)]  
एच० आर० सिएम, समाहर्ता

Office of the Collector of Central Excise

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

Hyderabad, the 1st February, 1979

S.O. 1270.—In exercise of the powers vested to me under Section 9, of the Customs Act, 1962 read with the Government of India Notification No. 79/Customs dated 18-7-1975, I declare that Charlapalli Industrial Area, Hyderabad-500762, of Andhra Pradesh shall be a warehousing station.

[No. 1/Cus/79 C. No. VIII/40/3/79/Cus. (T)]  
H. R. SYIEM, Collector.

## सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

बंगलौर, 30 मार्च, 1979

सीमा-शुल्क

का० आ० 1271.—सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 9 द्वारा प्रवृत्त तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय की तारीख 18 जुलाई, 1975 की अधिसूचना संख्या-79/सीमाशुल्क का० सं० 473/2/75-सीमाशुल्क-VII द्वारा प्रयोजित शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, आर० एन० शुक्ला समाहर्ता सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बंगलौर कर्नाटक समाहर्तालय, एतद्वारा कर्नाटक राज्य के मैसूर जिले के "बेलवडि ग्राम" को "भांडागार-केन्द्र" घोषित करता हूँ।

[अधिसूचना संख्या 1/79-सी० सं० VIII/40/3/79 सीमा-शुल्क]  
आर० एन० शुक्ला समाहर्ता

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CUSTOMS AND  
CENTRAL EXCISE

Bangalore, the 30th March, 1979

CUSTOMS

S.O. 1271.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with Notification No. 79/Customs/F. No. 473/2/75 Cus. VII dated 18-7-75 of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue). I, R. N. Shukla, Collector of Central Excise and Customs, Bangalore, Karnataka Collectorate hereby declare "Belavadi Village" in Mysore District in the State of Karnataka to be a warehousing station.

[Notification No. 1/79-C. No. VIII/40/3/79-Cus.]  
R. N. SHUKLA, Collector.

## वाणिज्य, नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 अप्रैल, 1979

## सूचिका

क्रा०आ० 1272—भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं० क्रा०आ० 2135 तारीख 22 जुलाई, 1978 को भारत के राजपत्र, भाग-II खंड-3, उप-खंड (ii) तारीख 22 जुलाई, 1978 में उपाखण्ड I के स्तम्भ पृष्ठ सं० 2019 में,—

के लिए	पठनीय
101 से० मी० और अधिक (4"-6")	10.1 "से० मी० और अधिक (4"-6")
76 से० मी०—100 से० मी० (3"-4")	7.6 से० मी० से 100 से० मी० (3"-4")
50 से० मी०—75 से० मी० (2"-3")	5.0 से० मी० से 7.52 से० मी० (2"-3")
50 से० मी० से कम (2")	5.0 से० मी० से कम (2")

[सं० 6(30)/76-नि०वि० और नि०ड०]  
सी०बी० कुक्रेती, संयुक्त निदेशक

## MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 14th April, 1979

## CORRIGENDUM

S. O. 1272—In the order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2135 dated 22nd July, 1978, published in the Gazette of India, Part II—Section 3 Sub-Section (ii) dated the 22nd July, 1978 in the first column of Annexure I at Page 2020.—

For	Read
101 cm. and above (4"—6")	10.1 cm. and above (4"—6")
76 cm.—100 cm. (3"—4")	7.6 cm. to 10.0 cm. (3"—4")
50 cm.—75 cm. (2"—3")	5.0 cm. to 7.5 cm. (2"—3")
Below 50 cm. (2")	Below 5.0 cm. (2")

[No. 6(30)/76-EI&EP]  
C. B. KUKRETI, Jt. Director

## मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1979

## आदेश

क्रा०आ० 1273.—सर्वश्री मस्चिनन फैब्रिक पॉलिग्राफ (इण्डिया) लि०, बम्बई को भारतीय परियोजना और उपस्कर निगम (पी०ई०एन०), नई दिल्ली के माध्यम से प्रोटोटाइप के रूप में ग्राफोप्रेसों के लिए (बिजली की मोटर के बिना) 54000 रु० का एक रिहाई आदेश संख्या 0016776/भार/65/एच,

(नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता विभाग)

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1979-03-30

क्रा०आ० 1274.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम, 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन 88 लाइसेंसों के अग्रे दिए गए हैं, लाइसेंसधारियों को मानक सम्बन्धी मुहर लगाने का अधिकार देते हुए जून, 1976 से स्वीकृत किए गए हैं:

## अनुसूची

क्र० लाइसेंस सं० (सी एम/एल) सं०	वेधता की अवधि		लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्संबंधी भारतीय मानक पदनाम
	से	तक		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. सी एम/एल-5265 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	स्टील रोलिंग मिल्स प्रा० लि०, 47, हाइड रोड, कलकत्ता-700027	ठंडे काम के लिए ओजार और आई इस्पात—IS: 3749-1966
2. सी एम/एल-5266 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स प्रा० लि०, इंडस्ट्रियल एरिया, पाटनबेक, मेडक जिला (भारत प्रदेश)	कंक्रीट प्रबलन के लिए ठंडे मरोड़े इस्पात के सिरिये—IS: 1786-1966

दिनांक 8-12-77 प्रदान किया गया था। अब पार्टी ने अनुमति रिहाई आदेश जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल रिहाई आदेश सरणीबद्ध अभिकरण (पी०ई०सी०) द्वारा खो गया/अस्थानस्थ हो गया है। अपने अनुरोध के समर्थन में आवेदक ने सरणीबद्ध अभिकरण (पी०ई०सी०) के मूल पत्र के साथ एक शपथ-पत्र और यह बताते हुए वाचिस किया है कि उक्त रिहाई आदेश उनसे अस्थानस्थ हो गया है। आवेदक ने रिहाई आदेश खोने/अस्थानस्थ होने से पहले रिहाई आदेश का प्रांशिक रूप से उपयोग किया है और प्रांशों प्रेशों में से एक प्रेश की सरणीबद्ध अभिकरण (पी०ई०सी०) से रिहा करा लिया है। अवशेष मूल्य जिसके लिए अनुमति रिहाई आदेश की आवश्यकता है वह 33,000 रुपए हैं।

तबनुसार मैं संतुष्ट हूँ कि मूल रिहाई आदेश खो गया/अस्थानस्थ हो गया है। इसलिए, यथा संशोधित आयात (निर्यात) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की उप-धारा 9 (सीसी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर सर्वश्री मस्चिनन फैब्रिक पॉलिग्राफ (इण्डिया) लि०, बम्बई को जारी किए गए रिहाई आदेश संख्या 0016776/भार/65/एच, दिनांक 8-12-77 को एवद्वारा रद्द किया जाता है।

[संख्या 724/77/8-सीजी-3]

भार०सी०एस० मेनन, उप-मुख्य नियंत्रक

## MINISTRY OF COMMERCE CIVIL SUPPLIES &amp; COOPERATION

Office of the Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 6th April, 1979

## ORDER

S.O. 1273.—M/s. Maschinen Fabrik Polylgraph (India) Ltd., Bombay were granted a Release Order No. 0016776/K/65/H dated 8-12-1977 on Projects & Equipment Corporation of India (PEC) New Delhi for release of two Grafo Presses (without electric Motor) as Prototype valued, at Rs. 54,000/-. The party has now applied for issue of duplicate release order on the ground that the original Release Order has been lost/misplaced by the canalising agency (PEC). In support of their request the applicant has filed an affidavit and a letter in original from the canalising agency (P.E.C.) stating that the said release order has been misplaced at their end. The applicant has partly utilised the Release Order and have got one of the Grafo Press released from the canalising agency (PEC) before the said release order was lost/misplaced. The balance value for which the duplicate release order is required is Rs. 33,000/-.

I am accordingly satisfied that the original release order has been lost/misplaced. Therefore in exercise of the powers conferred under Sub-Clause (cc) of the Import Trade Control Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended, the said release order No. 0016776/R/65/H dated 8-12-1977 issued to M/s. Maschinen fabrik Polygraph (India) Ltd., Bombay is hereby cancelled.

[N. CG. III/724/77/8/477]

R. C. S. MENON, Dy. Chief Controller.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
3. सी एम/एल-5287 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	वि एलुमिनियम इंडस्ट्रीज लि०, नं० 1, सिरेमिक फॅक्ट्री रोड, कुंडडा (केरल)	सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए मृदु इस्पात के तार— IS : 280-1972	
4. सी एम/एल-5288 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	गोविन्द राम संस एंड कं०, 40/1ए, रोड, बामनगाछी हावड़ा (कार्यालय : 132, काटन स्ट्रीट, कलकत्ता-700007)	उर्वरक भरने के परतवार पटसन के बोरे IS : 7406-1976	
5. सी एम/एल-5269 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	श्यामला उद्योग, 3, काशीपुर रोड, कलकत्ता-700002 (कार्यालय : 4, खर्गागां स्ट्रीट, 4 बी मंजिल, कलकत्ता-700001)	उर्वरक भरने के परतवार पटसन के बोरे— IS : 7406-1976	
6. सी एम/एल-5270 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	राउरकेला प्रूफिंग कारपोरेशन (प्रा०) लि०, बंगाल बूट मिल्स कं० लि० का महाता 493, जी०टी० रोड, शिवपुर हावड़ा (कार्यालय : 132, काटन स्ट्रीट, कलकत्ता-700007)	उर्वरक भरने के परतवार पटसन के बोरे— IS : 7406-1976	
7. सी एम/एल-5271 1976-06-04	1976-06-16	1977-06-15	मो० पी० ओबेराय एण्ड कं०, जगाधरी रोड, यमुना नगर जिला प्रमोवाला	प्लाईवुड की चाय की पेटियों के पट्टियाँ— IS : 10 (भाग 3)—1974	
8. सी एम/एल-5272 1976-06-04	1976-06-16	1977-06-15	सिबीकेम लि०, सिबी, जिला वर्धा (महाराष्ट्र) (कार्यालय : "मीलगिरी" धारकर बिल्डिंग रामवासपेठ, नागपुर-440010)	जी बी टी पायसनीय साम्र— IS : 633-1956	
9. सी एम/एल-5273 1976-06-04	1976-06-01	1977-05-31	विद्युत मेटालिक्स लि०, पो० ग्रा० वागले इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-भागुरा रोड, ठाणे-400604	सेफ्टी रेजर ब्लेड— IS : 7371-1975	
10. सी एम/एल-5274 1976-06-07	1976-06-16	1977-05-31	बंगलीर बायर रांड मिल, महादेव पुरा, डाकघर, ब्यान्हाइटफील्ड रोड, बंगलीर-560048	गढ़ाई के लिए कार्बन इस्पात की छड़ें, 50 मिमी व्यास तक— IS : 1875-1971	
11. सी एम/एल-5275 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	हिन्दको लाइटिंग इंडस्ट्रीज लि०, हिन्द लाइट हाउस, सुभाष नगर, जोगेश्वरी, (पूर्व) बम्बई-400060	80/125 वाट उष्णदाब पारा भाप लेम्प 250 वा, 50ई, कटलांग सं० एक एच 1916 (एल); ग्रुप II बी, के नियंत्रण गिअर के लिए ज्वालासह् ओल— IS : 2148-1968	
12. सी एम/एल-5276 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	वेस्ट टिन कैस मैनुफैक्चरिंग कं०, एकक एफ-3, एसिस्टेड प्रा०, इंडस्ट्रियल इस्टेट, धनन्तपुर (प्रान्ध प्रदेश)	18 लिटर बीकोर टिन— IS : 916-1966	
13. सी एम/एल-5277 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	कृषि रसायन, राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 5, डाकघर रानीताल, जिला बालासोर (उड़ीसा)	एन्डोसल्फेन पायसनीय साम्र— IS : 4323-1967	
14. सी एम/एल-5278 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	खरीवाला स्टील एंड इंजीनियरिंग कं० लि०, सेक्टर 24, प्लॉट नं० 136, फरीदाबाद (हरियाणा)	मशीनी पेच उत्पादन के लिए बायर रांड के मृदु इस्पात के इंग्ट— IS : 2255-1969	
15. सी एम/एल-5279 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	वि अनरल इलेक्ट्रिक कं० ग्रांफ इंडिया लि०, ए०ई०आई० बर्से, 1 तारतल्ला रोड, कलकत्ता-700024 (कार्यालय : 8 बिलरंजन एवेन्यू, कलकत्ता-700072)	ट्रिक्वेल केज प्रेरण मोटर, फेम 225 एम समूह 1 और समूह 2 बी, के लिए मपटसह् आवरण— IS : 2148-1968	



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
16. सी एम/एल-5280 1976-06-08	1976-06-16	1977-06-15	वि इंडियन केबल कं० लि०, डाकघर गोलमुरी, जमशेदपुर-831003 (कार्यालय: 9 हेयर स्ट्रीट, कलकत्ता-700001)	कोयले की खानों में प्रयोग के 250 बो और 650 बो ग्रेड के रबड़ रोधित लकड़दार अनुगामी केबल— IS: 691-1966	
17. सी एम/एल-5281 1976-06-08	1976-06-16	1977-06-15	इंडियन केबल कं० लि०, डाकघर गोलमुरी, जमशेदपुर-831003 (कार्यालय: 9 हेयर स्ट्रीट, कलकत्ता-700001)	पत्थर और धातु अयस्क खानों के लिए अर्ध से 650 बो और बालकों के बीच 3.3 किबो और 6.6 किबो ग्रेड के, लकड़दार अनुगामी केबल— IS: 1026-1966	
18. सी एम/एल-5282 1976-06-08	1976-04-01	1977-03-31	आरिम मेटल इंडस्ट्रीज लि०, 22, कानवेंट रोड, कलकत्ता-700014	इलेक्ट्रोप्लेटिंग के लिए कार्बन प्रकार के निकल के इलेक्ट्रोड— IS: 1958-1967	
19. सी एम/एल-5283 1976-06-08	1976-06-16	1977-06-15	एमको जनरल प्लास्टिक इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, बन्धगुडा, बोलपुर, जिला बीरभूम (पं० बं०) (कार्यालय 44ए, रफी अहमद किवर्डी रोड, कलकत्ता-700014)	उच्च घनत्व पोलोइथाइलीन पाइप : 1. 90 मि०मी० ओ/बी तक बाहरी व्यास और 4 किग्राम/सिमी <sup>2</sup> वाब क्षमता वाले 2. 160 मि ओ/बी तक बाहरी व्यास और 6 किग्राम/सिमी <sup>2</sup> वाब क्षमता वाले— IS: 4484; 1972	
20. सी एम/एल-5284 1976-06-08	1976-06-01	1977-05-31	मद्रास इलेक्ट्रोकेल कंडक्टर्स लि०, 37, अरकाट रोड, मद्रास-600026	शिरोपरि पावर प्रेषण के लिये सबन बिचे लड़दार एलुमिनियम और इस्पात कोर के एलुमिनियम चालक— IS: 398; 1961	
21. सी एम/एल-5285 1976-06-11	1976-06-01	1977-05-31	सेंसेटिव इंडस्ट्रीज, मावडी प्लाट, निकट जयंत के०जी० स्कूल, राजकोट-360004	एक सिलेण्डर, चार स्ट्रोक, जल शोत उच्च बीजल इंजन, निम्नलिखित रेटिंग वाले	
				किवा चक्कर प्र० मार्फा मि०	
				5.88 (8 हापा) 850 "सत्यजित" IS: 1601-1960	
22. सी एम/एल-5286 1976-06-11	1976-06-16	1977-06-15	भोग्स, 26 बी एल एफ इंडस्ट्रियन इस्टेट नं० 1, फरीदाबाद (हरियाणा)	रबड़ के तले और ऐंड़ी वाले, टाइप 1 के सुरक्षा बूट— IS: 1989-1973	
23. सी एम/एल-5287 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	सेप्टी सेल्स एंड सर्विसेज, 3 बांसटोला घाट रोड, रामकृष्णपुर, हावड़ा (कार्यालय: 4 राम सेट रोड, कलकत्ता-700006)	एक विस्फोट के लिए बोहरी कोर वाले पी बी सी के विस्फोटन केबल— IS: 5950 1971	
24. सी एम/एल-5288 1976-06-14	1976-06-01	1977-05-31	बंगलौर वायर रॉड मिल, महादेव पुरा, डाकघर ग्लाइटफील्ड रोड, बंगलौर-560048	सामान्य इंजीनियरी कार्य के लिए मशीनी पुर्जे बनाने की कार्बन इस्पात की काली छड़ें— IS: 2073-1970	
25. सी एम/एल-5289 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	उपाध्यायवाहन सैन्सुफैक्टर्स प्रा० लि०, पी०-280, बनारस रोड, हावड़ा-711105	जलकल के लिए स्प्रिंग दाब, साइज 350 से 600 मिमी, श्रेणी I— IS: 2906-1969	
26. सी एम/एल-5290 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	डबरीवाला स्टील एंड इंजीनियरी कं० लि० सेक्टर 24, प्लाट नं० 136, फरीदाबाद (हरियाणा)	संरचना इस्पात के रूप में बेस्सन के लिए कार्बन इस्पात के बले विलेट इंगट- ( मानक किस्म ) :— IS: 6914-1975	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
27. सी एम/एल-5291 1976-06-14	1976-06-16	1977-05-15			संरचना इस्पात के रूप में बेल्लन के लिए कार्बन इस्पात के डबले बिसेट इंगट ( साधारण किस्म ) IS : 6915-1975
28. सी एम/एल-5292 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	टेक्समो इंडस्ट्रीज गणनाम्बिके मिल्स डाक- घर कोयम्बटूर-641029		खेती में उपयोग के लिए अणुकेंद्री पम्पों की तीन फ्रेजी प्रेरण मोटरें, 7.5 किवा (10 हापा) तक क्षमता और श्रेणी “ई” रोशन वाली IS : 7538-1975
29. सी एम/एल-5293 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	ईस्टर्न ट्रेडर्स, बी-48, नारायणा इंडस्ट्रि- यल एरिया, फेज 2, नई दिल्ली-110028		फुटबॉल और बॉलीबॉल:— IS : 417-1974
30. सी एम/एल-5294 1976-06-14	1976-06-01	1977-05-31	बंगलौर बायर रॉड, मिल, महादेव पुरा डाकघर, ब्लाइटकीरुड रोड, बंगलौर- 560048		मोटर गाड़ी के निरन्वन के लिये शंखाकार और कूंडलाकार और परतदार कमामियों के लिए इस्पात:— IS : 3431-1963
31. सी एम/एल-5295 1976-06-14	1976-06-15	1977-06-16	प्रताप स्टील रोडिंग मिल्स प्रा० लि०, इंडस्ट्रियल एरिया, पाटनचेरु, मेडक जिला ( प्रा० प्र० )		संरचना इस्पात (मानक किस्म) — IS : 226-1975
32. सी एम/एल-5296 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	नेशनल प्लास्टिक्स इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, तिनसुखिया, असम		लकड़ी के समतल दरवाजों के पल्ले ( ठोस और खोखले कोर के ) IS : 2191 (भाग 1)-1973 और IS : 2202 (भाग 1)-1973
33. सी एम/एल-5297 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	कुमार धायरन एंड स्टील ( प्रा० ) लि०, जू रोड, गोहाटी-781005 (असम) (कार्यालय : ऐबेरेस्ट हाउस, 15 बी मंजिल 46/ सी बीरंगी रोड, कलकत्ता-700016)		कंक्रीट प्रबलन के लिए टेंडे मरोड़े इस्पात के सरिये:— IS : 1786-1966
34. सी एम/एल-5298 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	बाम्बे कंक्रीटर्स एंड इलेक्ट्रिकल्स लि०, प्लॉट नं० 175/4, धोडासर गांव, निकट जसोदानगर निकट बटवा इंड- स्ट्रियल एस्टेट, महमदाबाद-380008		शिरोपरि पावर प्रेषण के लिये सक्त खिंचे लड़दार एलुमिनियम और इस्पात कोर के एलुमिनियम बालक — IS : 398-1961
35. सी एम/एल-5299 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	मांडव उद्योग, गांव गुटकर, डाकघर मंडी ( हि० प्र० ) ]		कंक्रीट के पाइप, श्रेणी एन पी <sub>8</sub> साइज 900 मिमी, और श्रेणी एनपी <sub>8</sub> साइज 80 से 900 मिमी — IS : 458-1971
36. सी एम/एल-5300 1976-06-15	1976-06-16	1977-06-15	काटिबॉल प्रा० लि०, कैटोर्डी, मारगांव, गोवा, (कार्यालय : बीगुले हाउस, मोर्मुगांव बंदरगाह, गोवा)		कलम और पेंसिल के लिये कार्बन कागज, टाइप “ए” फूसकॉप— IS : 3450-1966
37. सी एम/एल-5301 1976-06-15	1976-06-16	1977-06-15	प्रीमियर फटिलाइजर्स लि०, चिवम्बरम रोड, कुड्डलोर ओ० टी०		बी० एच० सी० धूलन पाउडर — IS : 561-1972
38. सी एम/एल-5302 1976-06-15	1976-06-16	1977-06-15	स्टार स्टील प्रा० लि० सम्मुख मक्कर- पुरा रेलवे स्टेशन, मनेजा डाकघर, बड़ीपरा,		गड़ी बस्तुओं के लिए कार्बन इस्पात की छड़ें:— IS : 1875-1971
39. सी एम/एल-5303]] 1976-06-15	1976-06-16	1977-06-16	कोरोमंडल इन्डग प्रॉडक्स (प्रा०) लि०, 28, एस्पुतोपू, फस्टे स्ट्रीट, कलावी- पेट, मद्रास-600019 ( कार्यालय : 12 पुलिस कमिश्नर्स ऑफिस रोड, मद्रास-600008)		बी० एच० सी० जल विसर्जनीय पाउडर— IS : 562-1972

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
40. सी एम/एल-5304 1976-06-21	1976-06-16	1977-06-15	कार्टिबॉन प्रा० लि०, फौटोर्बा, मारगांव, गोवा (कार्यालय : चौगुले हाउस, मोर्गुगांव बंदरगाह, गोवा)	टाइपराइटर्स के लिये कार्बन कागज, टाइप 3 फुलसपीड :— IS : 1551-1959	
41. सी एम/एल-5305 1976-06-21	1976-06-16	1977-06-15	प्रोरियंट स्टील एंड इंडस्ट्रीज लि०, गांव चाटरा, राजमार्ग-204 पास, 31 किमी पर (कलकत्ता से), सेराम-पुर, जिला हुगली (कार्यालय: 2 ब्रैडॉन रोड, कलकत्ता-700001)	संरचना इस्पात के रूप में वेल्डिंग के लिए कार्बन इस्पात के ठले बिलेट इंगट (मानक किस्म) IS : 6914-1975	
42. सी एम/एल-5306 1976-06-21	1976-06-16	1977-06-15	..	संरचना इस्पात के रूप में वेल्डिंग के लिए कार्बन इस्पात के ठले बिलेट इंगट (साधारण किस्म) :— IS 6915-1975	
43. सी एम/एल-5307 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	बंगलौर वायर रॉड मिल, महादेव पुरा डाकघर, ब्लाइटफील्ड रोड, बंगलौर-560048	50 मिमी तक व्यास के कार्बन और कार्बन मैंगनीज सुकृत्य इस्पात की छड़ें, रसायनिक रचना के आधार पर पूर्ति के लिए :— IS. 4431-1967	
44. सी एम/एल-5308 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	बींगरा पेट्स ( इंडिया ) 14/86 मधुरा रोड करीदाबाद ( हरयाणा )	मूँछा डिस्टेंपर, रंग इच्छानुसार :— IS : 427-1965	
45. सी एम/एल-5309 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	सीराष्ट्र केमिकल्स, बिड़ला सागर, पोर-बन्दर	सोडियम वाईकार्बोनेट (रिफाईंड ग्रेड) :— IS : 2124-1974	
46. सी एम/एल-5310 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	..	सोडा ऐश, तकनीकी ग्रेड (घनीभूत, हलका) :— IS : 251-1972	
47. सी एम/एल-5311 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	बंगलौर वायर रॉड मिल, महादेव पुरा डाकघर, ब्लाइटफील्ड रोड बंगलौर-560048	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) :— IS : 1977-1975	
48. सी एम/एल-5312 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	वि इंडियन आयरन एंड स्टील कं० लि०, कुलटी डाकघर, कुलटी जिला बर्दवान (कार्यालय : इस्को हाउस, 50 बीरंगी रोड, कलकत्ता-700071)	पानी, गैस और मल व्ययन के लिये अप-केन्द्री छले लोहे के उच्चदाब पाइप, 750 मिमी तक साइज, श्रेणी एल० ए०, और बी :— IS : 1536-1967	
49. सी एम/एल-5313 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	..	पानी, गैस और मल व्ययन के उच्चदाब पाइपों के लिये ठले लोहे के फिटिंग 750 मिमी तक साइज :— IS : 1538-1969	
50. सी एम/एल-5314 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	कुवि केमिन प्रा० लि०, मरक्की, जय-नगर दक्षिण, बंगलौर-560041	बी० एच० सी० जल विमर्जनीय पाउडर :— IS : 562-1972	
51. सी एम/एल-5315 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	हनुमान बैग एंड कंटेनर्स लि०, 28/3 भद्रपाल गाडन रोड, कलकत्ता (कार्यालय : 8 लियोस रेंज, कलकत्ता-700001)	उर्बरक भरने के परतवार पटसन के बोरे :— IS : 7406-1974	
52. सी एम/एल-5316 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	इस्का केबल्स प्रा० लि०, "इस्का इस्टेट" इस्का एवेन्यू सेमबककम, मद्रास-600044 (कार्यालय : 28 लाइयर जगन्नाथन स्ट्रीट, गिन्दी, मद्रास-600032)	शिरोपरि पावर प्रेषण के लिए सक्षत बिजे लड़दार एलुमिनियम और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक :— IS : 398-1961	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
53. सी एम/एल-5317 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	लखमन वायर इंडस्ट्रीज लि०, बीबा बाट, पटना-11	गाल्वनीकृत टेक तार (लक), केबल ग्रेड 2:—  IS: 2141-1968	
54. सी एम/एल-3518 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	एमको जनरल प्लास्टिक इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, बन्धगुड़ा, बोलपुर, जिला बीर- भूम (प० ब०) (कार्यालय: 44 ए, रफी ग्रहमय किशोर् रोड, कलकत्ता-700014)	भरप घनत्व पीलीइथाइलीन पाइप 20 मिमी व्यास तक, 6 कि०मी/सिमी 2 बाय रेटिंग :— IS : 3076-1968	
55. सी एम/एल-5319 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	चन्द्रा इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन (इंडिया), गरदनीबाग, पटना-1 (कार्यालय: न्यू मार्केट पटना-1)	एक सिलेंडर, चार स्ट्रोक जलशील, बीजल इंजन, निम्नलिखित रेटिंग वाले किवा बक्कर/सि टाइप 3.67(5 ह्वापा) 1500 सीबी IS : 1601-1960	
56. सीएम/एल-5320 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	वैपारिक मिनीमिकल कं० (प्रा०) लि०, 44/ए/2, बनारस रोड, हावड़ा-711101 (कार्यालय: 19/10 रामकृष्ण मंदिर पथ, उत्तर बंतरा, हावड़ा-711101)	सुलाइ रसायनिक अग्नि शमक, सोडा-ग्राम प्रकार के— IS : 934-1972	
57. सीएम/एल-5321 1976-06-28	1977-07-01	1977-06-30	इंस्टीट्यूट पेटीसाइड्स, किशोर राइस मिल्स, जगन्नाथ पुर, जिला (गंजाम) (उड़ीसा) (कार्यालय: स्टेशन रोड, बीरमपुर, जिला गंजाम। उड़ीसा)	बीडीटी 25% पायसनीय सांद्र— IS : 633-1956	
58. सीएम/एल-5322 1978-06-28	1976-07-01	1977-06-30	कृषि रसायन, राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 5, झाकधर रामीताल, जिला बालासोर (उड़ीसा)	बीडीटी 25% पायसनीय सांद्र— IS : 633-1956	
59. सीएम/एल-5323 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	कृषि रसायन राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 5, झाकधर रामीताल, जिला बालासोर (उड़ीसा)	मैलाथियोन पायसनीय सांद्र— IS : 2567-1973	
60. सीएम/एल-5324 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	कृषि रसायन (बिहार) लार्जर इंडस्ट्रियल इस्टेट, बेला झाकधर झार० के० आश्रम मुजफ्फरपुर (बिहार)	मैलाथियोन 50% पायसनीय सांद्र— IS : 2567-1973	
61. सीएम/एल-5325 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	ड्रोसिया केमिकल वर्क्स, महाराज घाट, झाकधर पटना शहर (पटना)	रोगाणुनाशी तरल ग्रेड 3, काला, सामान्य श्रेणी "ए"— IS : 1061-1975	
62. सीएम/एल-5326 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	सुजालिन कैमो इंडस्ट्रीज, गणेश नगर, बिचबाड़, पुणे-411033	एन्कीन पायसनीय सांद्र— IS : 1310-1974	
63. सीएम/एल-5327 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	सिन्धार बीडी उद्योग लि०, संगमनेर और प्रकोला तालुकों के गांवों और संगम- नेर शहर के बीडी उत्पादन केन्द्र (कार्यालय: सूता महल, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई)	बीडी— IS : 1925-1974	
64. सीएम/एल-5328 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	सिन्धार बीडी उद्योग लि०, ग्रहमवनगर शहर में बीडी उत्पादन केन्द्र (कार्यालय: सूता महल, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई)	बीडी— IS : 1925-1974	
65. सीएम/एल-5329 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	सिन्धार बीडी उद्योग लि०, शोलापुर शहर के बीडी उत्पादन केन्द्र (कार्यालय: सूता महल, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई)	बीडी— IS : 1925-1974	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
66. सीएम/एल 5330 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	बकौदा मिनेरल्स प्राइवेट लिमिटेड राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 8, नरोडा, अहमदाबाद (गुजरात)	बी एस सी धूलन पाउडर 50% और 10 % IS : 561—1972	
67. सीएम/एल 5331 1976-06-30	1976-05-16	1977-05-15	मकाली इंजीनियरी वर्क्स, 123/5, नेताजी सुभाष रोड, हावड़ा-711101 (कार्यालय : 126/2, नेताजी सुभाष रोड, हावड़ा-711101)	जलमय में उपयोग के लिए ठलवां लोहे के दोहरे फलैंज वाले स्लूम वाल्व, श्रेणी II साइज 1200 मिमी तक— IS : 2906—1969	
68. सीएम/एल-5332 1976-06-30	1976-07-01	1977-06-30	फातन सर्जिकल इंसिंग मैन्यूफैक्चरिंग कं०, 66, सिधपुरा इंडस्ट्रियल इस्टेट, मस-रानी लेन, कुरला, बम्बई-700070	हथकरघों के सूती ध्रुवशोषी गोज— IS : 758—1975	

[सं० सीएमडी/13 : 11]

## MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION

(Department of Civil-Supplies and Co-operation)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 1979-03-30

S.O. 1274.—in pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that sixtyeight licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of June, 1976 authorising the licensees to use the standard mark :

## SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L-)	Period of Validity		Name & Address of the Licensee	Article/Process covered by the licence and relevant IS : Designation
		From	To		
1	2	3	4	5	6
1.	CM/L-5265 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	Steel Rolling Mills of Hindustan Pvt. Ltd., 47, Hide Road, Calcutta-700027	Tools and die steels for cold works— IS : 3749—1966
2.	CM/L-5266 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	Partap Steel Rolling Mills Pvt. Ltd., Industrial, Area, Patancheru, Medak Distt. (A.P.)	Cold twisted deformed steel bars and concrete reinforcement— IS : 1786—1966
3.	CM/L-5267 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	The Aluminium Industries Ltd., No. 1, Ceramic Factory Road, Kundara (Kerala)	Mild steel wire for general engineering purposes— IS : 280—1972
4.	CM/L-5268 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	Govind Rom Sons & Co., 40/1A, Roada Bamangachi, Howrah (Office : 132 Cotton Street, Calcutta-700007)	Laminated jute bags for packing fertilizers— IS : 7406—1976
5.	CM/L-5269 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	Shyamla Udyog, 3, Cossipore Road, Calcutta-700002 (Office : 4, Synagogue Street, 5th Floor, Calcutta-700001)	Laminated jute bags for packing fertilizers— IS : 7406—1976
6.	CM/L-5270 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	Rourkela Proofing Corpn. (P) Ltd., Premises of Bengal Jute Mills Co. Ltd., 493 G.T. Road Shibpur, Howrah (Office : 132 Cotton Street, Calcutta—700007)	Laminated Jute bags for packing fertilizers— IS : 7406—1976
7.	CM/L-5271 1976-06-04	1976-06-16	1977-06-15	O.P. Oberoi & Co., Jagadhri Road, Yamuna Nagar, Distt Ambala.	Plywood tea-chest battens— IS : 10 (Part III)—1974
8.	CM/L-5272 1976-06-04	1976-06-16	1977-06-15	Sindi Chem Ltd., Sindi Dist, Wardha (M.S.) (Office : 'Neelgiri' Dharashar Building, Ramdaspeth, Nagpur—440010).	D.D.T. emulsifiable concentrates— IS : 633—1956

1	2	3	4	5	6
9. CM/L-5273 1976-06-04	1976-06-01	1977-05-31	Vidyut Metallies Ltd., P.O. Wagle Industrial Estate, Bombay Agra Road, Thana—400604	Safety razor blades— IS : 7371—1975	
10. CM/L-5274 1976-06-07	1976-06-16	1977-05-31	Bangalore Wire Rod Mills, Mahadevapura P.O., Whitefield Road, Bangalore 560048	Carbon steel bars for forgings size upto 50 mm dia— IS : 1875—1971	
11. CM/L-5275 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	Hindco Lighting Industries Ltd., Hind Light House, Subhas Nagar, Jogeshwari (East) Bombay-400060.	Flameproof enclosures for controlgear box for 80/125 watts high pressure mercury vapour lamp, 250 volts, 50 Hz; Cat No. FH 1916(L); Group II B— IS : 2148—1968	
12. CM/L-5276 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	Best Tin Cans Mfg. Co., Unit : F-3, Assisted Private Industrial Estate, Anantpur (A.P.)	18 litre square tins— IS : 916—1966	
13. CM/L-5277 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	Krishi Rasayan, National Highway No. 5, P.O. Ranital, Distt. Balasore (Orissa)	Endosulfan EC— IS : 4323—1967	
14. CM/L-5278 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	Dabriwala Steel & Engg. Co. Ltd., Sector 24, Plot No. 136, Faridabad (Haryana)	Mild steel ingots for wire rods for the manufacture of machine screws— IS : 2255—1969	
15. CM/L-5279 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	The General Electric Co. of India Ltd., A.E.I. Works, 1 Taratalla Road, Calcutta 700024 (Office : 6 Chittaranjan Avenue, Calcutta-700072)	Flameproof enclosures for squirrel cage induction motors in frame 225 M Group I and Group II B— IS : 2148—1968	
16. CM/L-5280 1976-06-08	1976-06-16	1977-06-15	The Indian Cable Co. Ltd., P.O. Golmuri, Jamshedpur 831003 (Office : 9, Hare Street, Calcutta-700001)	Rubber insulated flexible trailing cables for use in coal mines ; 250 V and 660 V to earth grades ; IS : 691—1966	
17. CM/L-5281 1976-06-08	1976-06-16	1977-06-15	Indian Cables Co. Ltd., P.O. Golmuri, Jamshedpur-831003 (Office : 9 Hare Street, Calcutta-700001)	Flexible trailing cables for use in quarries and metalliferous mines Grade : 650 volts to earth and 3.3 kV & 6.6 kV between conductors— IS : 1026—1966	
18. CM/L-5282 1976-06-08	1976-04-01	1977-03-31	Arim Metal Industries Ltd, 22, Convent Road, Calcutta-700014	Nickel anode for electroplating, carbon Type— IS : 1938—1967	
19. CM/L-5283 1976-06-08	1976-06-16	1977-06-15	Emco General Plastic Industries Pvt. Ltd., Bandhgura, Bolpur, Distt Birbhum (W.B.) (Office : 44A, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700014)	High density polyethylene pipe ; (i) Upto and including 90 mm O/D 4 kgf/cm <sup>2</sup> pressure rating (ii) Upto and including 160 mm O/D 6 kgf/cm <sup>2</sup> pressure rating— IS : 4984—1972	
20. CM/L-5284 1976-06-08	1976-06-01	1977-05-31	Madras Electrical Conductors Ltd, 37, Arcot Road, Madras-600026	Hard-drawn stranded aluminium and steel cord aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS : 398—1961	
21. CM/L-5285 1976-06-11	1976-06-01	1977-05-31	Sensetive Industries, Mavdi Plot, Near Jayant K.G. School, Rajkot-360004	Vertical diesel engine, single cylinder, four stroke, water cooled of the following rating : kW                      R.P.M.                      Brand 5.88 (8 HP)                      850                      'SATYAJEET' IS : 1601—1960	
22. CM/L-5286 1976-06-11	1976-06-16	1977-06-15	Bhogals, 26, DLF Industrial Estate No. 1, Faridabad (Haryana)	Safety boots with rubber sole and heel, Type 1— IS : 1989—1973	

1	2	3	4	5	6
23. CM/L-5287 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Safety Sales & Services, 3 Banstola Ghat Road, Ramkrishtopur, Howrah (Office : 4 Ram Sett Road, Calcutta-700006)	Shot firing cables twin core (PVC) for single shot firing— IS : 5950—1971	
24. CM/L-5288 1976-06-14	1976-06-01	1977-05-31	Bangalore Wire Rod Mills, Mahadeva-pura Post, Whitefield Road, Bangalore-560048	Carbon steel black bars for production of machined parts for general engineering purposes— IS : 2073—1970	
25. CM/L-5289 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Upadhya Valves Mfrs. Pvt. Ltd, P-280, Banaras Road, Howrah-711105	Sluice valves for water works purposes sizes 350 mm to 600 mm Class I— IS : 2906—1969	
26. CM/L-5290 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Dabriwala Steel & Engg. Co. Ltd., Sector 24, Plot No. 136, Faridabad (Har-yana)	Carbon steel cast billet ingot for rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6914—1973	
27. CM/L-5291 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	-do-	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915—1973	
28. CM/L-5292 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Texmo Industries, Ganambikai Mills Post, Coimbatore-641029	Three-phase squirrel cage induction motors for centrifugal pumps for agricultural application upto and including 7.5 kW (10 HP) with class 'E' insulation— IS : 7538—1975	
29. CM/L-5293 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Eastern Traders, B-48, Naraina Industrial Area, Phase II, New Delhi-110028	Footballs & volleyballs— IS : 417—1974	
30. CM/L-5294 1976-06-14	1976-06-01	1977-05-31	Bangalore Wire Rod Mills, Mahadeva-pura Post, Whitefield Road, Bangalore-580048	Steel for volute helical and, laminated springs for automotive suspension— IS : 3431—1963	
31. CM/L-5295 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Partap Steel Rolling Mills Pvt. Ltd., Industrial Area, Patancheru, Distt. Medak (A.P.)	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975	
32. CM/L-5296 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	National Plywood Industries, Pvt. Ltd., Tinsukia, Assam	Wooden flush door shutters (solid & hollow core type)— IS : 2191 (Pt I)—1973 & IS : 2202 (Pt I)—1973	
33. CM/L-5297 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Kumar Iron & Steel (P) Ltd, Zoo Road, Gauhati-781005 (Assam) (Office : Everest House, 15th Floor, 46/C, Chowringhee Road, Calcutta-700016)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1966	
34. CM/L-5298 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Bombay Conductors & Electricals Ltd., Plot No. 175/4, Village Ghodasar, Near Josodanagar, Near Vatva Industrial Estate, Ahmedabad-380008	Hard-drawn stranded aluminium and steel cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS : 398—1961	
35. CM/L-5299 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Mandav Udyog, Village Gutkar, P.O. Mandi (H.P.)	Concrete pipes, class NP <sub>3</sub> size 900 mm, class NP <sub>2</sub> sizes 80 to 900 mm— IS : 458—1971	
36. CM/L-5300 1976-06-15	1976-06-16	1977-06-15	Cartlyon Pvt. Ltd., Fatorda, Margao, Goa (Office : Chowgule House, Mormugao Harbour, Goa)	Carbon paper for pen and pencil Type : 'A' fullscape— IS : 3450—1966	
37. CM/L-5301 1976-06-15	1976-06-16	1977-06-15	Premier Fertilizers Ltd., Chidambaram Road, Cuddalore O.T.	BHC DP— IS : 561—1972	
38. CM/L-5302 1976-06-15	1976-06-16	1977-06-15	Star Steel Pvt. Ltd., Opp Makkarpura Railway Station, Maneja P.O. Baroda	Carbon steel bars for forgings— IS : 1875—1971	

1	2	3	4	5	6
39. CM/L-5303 1976-06-15	1976-06-16	1977-06-15	Coromandel Indag Products (P) Ltd., 28, Elupathopu 1st Street, Kaladipet, Madras-600019 (Office : 12 Police Commissioners Office Road, Madras- 600008).	BHC WDP— IS : 562—1972	
40. CM/L-5304 1976-06-21	1976-06-16	1977-06-15	Cartybon Pvt Ltd., Fatorda, Margao, Goa (Office : Chowgule House, Mormugao Harbour, Goa).	Carbon paper typewriters, type III, full scape— IS : 1551—1959	
41. CM/L-5305 1976-06-21	1976-06-16	1977-06-15	Orient Steel and Industries Ltd., Village Chatra, 31 Km. Point (from Cal- cutta) of N.H. 264 Pass, Serampore, Distt Hooghly (Office : 2 Brabourne Road, Calcutta-700001).	Carbon steel cast billet ingot for rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6914—1973	
42. CM/L-5306 1976-06-21	1976-06-16	1977-06-15	-do-	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915—1973	
43. CM/L-5307 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	Bangalore Wire Rod Mills, Mahadeva- pura Post, Whitefield, Road, Bangalore—560048	Carbon and carbon manganese free Cutting steel bars upto 50 mm dia for condition of delivery on the basis of chemical composition only— IS : 4431—1967	
44. CM/L-5308 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	Dhingra Paints (India) 14/6, Mathura Road, Faridabad (Harayna).	Distemper, dry colour as required— IS : 427—1965	
45. CM/L-5309 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	Saurashtra Chemicals, Birlasagar, Por- bandar.	Sodium bicarbonate (refined grade)— IS : 2124—1974	
46. CM/L-5310 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	-do-	Soda ash technical grade (dense, light)— IS : 251—1972	
47. CM/L-5311 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	Bangalore Wire Rod Mill, Mahadeva- pura Post, Whitefield Road, Bangalore—560048.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975	
48. CM/L-5312 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	The Indian Iron & Steel Co Ltd., Kulti P. O. Kulti Distt. Burdwan, (Office : IISCO House, 50 Chowringhee Road, Calcutta-700071)	Centrifugally cast (spun) iron pressure pipes for water gas & sewage of sizes upto and including 750 mm, class LA, A & B— IS : 1536—1967	
49. CM/L-5313 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	-do-	Cast iron fittings for pressure pipes for water gas and sewage of sizes upto and including 750mm— IS : 1538—1969	
50. CM/L-5314 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Krishlichemlin Pvt Ltd., Sarakki, Jaya- nagar South, Bangalore—560041	BHC WDP— IS : 562—1972	
51. CM/L-5315 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Hanuman Bags & Containers Ltd., 28/3, Agarwala Garden Road, Cal- cutta (Office : 8 Lyons Range, Calcutta-700001)	Laminated jute bags for packing fertilizers— IS : 7406—1974	
52. CM/L-5316 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Inca Cables Pvt Ltd., 'Inca Estate' Inca Avenue, Sembakkam, Madras- 600044 (Office : 28 Lawyer Jagannath- an Street, Guindy, Madras-600032)	Hard-drawn stranded aluminium and steel cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS : 398—1961	
53. CM/L-5317 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Lachhman Wire Industries Ltd., Digha Ghat, Patna-11	Galvanized stay strand Grade 2 only— IS : 2141—1968	
54. CM/L-5318 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Emco General Plastic Industries Pvt. Ltd., Bandhgura, Bolpur, Distt. Birbhum (W.B.) (Office : 44A, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta- 700016)	Low density polythelene pipes upto and including 20 mm dia, 6kgf/cm <sup>2</sup> pressure rating— IS : 3076—1968	



1	2	3	4	5	6
55. CM/L-5319 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Chandra Industrial Corporation (India), Gardanibagh, Patna-1 (Office : New Market, Patna-1)	Diesel engines, water cooled single cylinder, four stroke compression ignition type of the following rating : KW R.P.M. Type 3.67 (5 HP) 1500 CV1 IS : 1601—1960	
56. CM/L-5320 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Beplarc Mechanical Co. (P) Ltd., 44/A/2, Benaras Road, Howrah- 711101 (Office : 19/10, Ramkrishna Mandir, Peth, North Bantra, How- rah-711101).	Portable chemical fire extenguisher, soda acid type— IS : 934—1972	
57. CM/L-5321 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	East Coast Pesticides, Kishore Rice Mills, Jagannathpur, Distt Ganjam, Orissa (Office : Station Road, Biram- pur, Distt Ganjam (Orissa).	DDT 25% EC— IS : 633—1956	
58. CM/L-5322 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Krishi Rasayan, National Highway No. 5, P.O. Ranital, Distt. Balasore (Orissa)	DDT 25% EC— IS : 633—1956	
59. CM/L-5323 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Krishi Rasayan, National Highway No. 5, P.O. Ranital, Distt. Balasore (Orissa)	Malathion EC— IS : 2567—1973	
60. CM/L-5324 1976-06-28	1976-07-01	1976-07-30	Krishi Rasayan (Bihar) Larger Indus- trial Estate, Bela P.O., R.K. Ashram, Muzaffarpur (Bihar)	Malathion 50% EC— IS : 2567—1973	
61. CM/L-5325 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Drolia Chemical Works, Maharaj Ghat, P.O. Patna City, (Patna)	Disinfectant fluid Grade III Black Type Normal Class 'A' IS : 1061—1975	
62. CM/L-5326 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Sujanil Chemo Industries, Ganesh Nagar, Chinchwad, Poona-411033	Endrin EC— IS : 1310—1974	
63. CM/L-5327 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Sinnar Bidi Udyog Ltd., Bidi Making Centres at Villages in Sangamner & Akola Talukas & Sangamner City (Office : Soona Mahal Netaji Subhas Road, Bombay).	Bidis— IS : 1925—1974	
64. CM/L-5328 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Sinnar Bidi Udyog Ltd., Bidi Making Centres in Ahmednagar City, (Office : Soona Mahal, Netaji Subhas Road, Bombay).	Bidis— IS : 1925—1974	
65. CM/L-5329 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Sinnar Bidi Udyog Ltd., Bidi Making Centre at Sholapur City, (Office : Soona Mahal, Netaji Subhas Road, Bombay).	Bidis— IS : 1925—1974	
66. CM/L-5330 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Baroda Minerals Grinding Industries, National Highway No. 8, Naroda, Ahmedabad (Gujarat).	BHC OP 5% & 10%— IS : 561—1972	
67. CM/L-5331 1976-06-30	1976-05-16	1977-05-15	Makali Engg. Works, 123/5, Netaji Subhas Road, Howrah-711101 (Office : 126/2, Netaji Subhas Road, Howrah-711101)	Cast iron double flange sluice valve for water works purposes class II upto and including 1200 mm sizes— IS : 2906—1969	
68. CM/L-5332 1976-06-30	1976-07-01	1977-06-30	Crown Surgical Dressing Mfg Co., 66, Sidhpura Industrial Estate, Masrani Lane, Kurla, Bombay-400070	Handloom cotton gauge absorbent— IS : 758—1975	

नई दिल्ली, 1979-04-03

आ.क्रा० 1275.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सीएम/एल-6818 जिसके ध्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं। 1978-10-15 से रद्द कर दिया गया है क्योंकि फर्म अपना लाइसेंस वालू नहीं रख सकी।

## अनुसूची

क्रम सं०	लाइसेंस सं० और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	सीएम/एल-6818 1978-02-28	दि डलहौसी जूट कं० लि० चांपदानी डाकघर, हुगली जिला (कार्यालय) चार्टर्ड बैंक बिल्डिंग कलकत्ता- 700001 में है)	कांच के रेशे के आधार वाले बिट्यूमेनी नमदे टाइप 2, ग्रेड 1	IS : 7193—1974 कांच के रेशे के आधार वाले कोयलतर पिच बिट्यूमेनी नमदों की विशिष्टि

[सं० सीएमडी/55 : 6818]

ए० पी० बनर्जी, उपसहाय निदेशक  
(घाई एम घाई)

New Delhi, 1979-04-03

S.O. 1275.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-6818 particulars which are given below has been cancelled with effect from 1978-10-15 as the firm could not operate the Licence.

Sl. No.	Licence No. and Date	Name & Address of the Licensee	Article/Process Governed by the Licensees cancelled	Relevant Indian Standard
1	2	3	4	5
1.	CM/L-6818 1978-02-28	The Dalhousie Jute Co. Ltd., Champdany, P.O. Hooghly District (Office : Chartered Bank Building, Calcutta-700001)	Glass fibre base bitumen felt Type 2, Grade 1	IS : 7193—1974, Specification for glass fibre base coal tar pitch and bitumen felts.

[No. CMD/55 : 6818]

A.P. BANERJI, Deputy Director General, ISI.

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1979

क्रा०आ० 1276.—केन्द्रीय सरकार अधिसूचिता (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन अहमदाबाद काटन मर्चेंट्स एसोसिएशन, अहमदाबाद द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, उक्त एसोसिएशन को सई की अधिसूचिताओं के बारे में 16 अप्रैल, 1979 से 15 अप्रैल, 1982 (जिसमें ये दोनों दिन भी सम्मिलित हैं) नीति बर्ष की अनिश्चित कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगी जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जायें।

[सं० 12(3) घाई०टी०/79]

के० एस० मैथ्यू, उप सचिव

New Delhi, the 4th April, 1979

S.O. 1276.—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Ahmedabad Cotton Merchant's Association, Ahmedabad, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby

grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of three years from the 16th April, 1979 to the 15th April, 1982 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions, as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[No. 12(3)-IT/79]

K. S. MATHEW, Dy. Secy.

## पेट्रोलियम स्थापन और ऊर्ध्वक संशोधन

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1979

क्रा०आ० 1277.—भारत सरकार के अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहाँ संलग्न अनुसूची में प्रदर्शित किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज गार्डप्लाइन (प्रयोजन के भूमि अधिग्रहण अधिकारी) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के अकलेखर तेल क्षेत्र में उक्त परिशिष्ट भूमि में केशान स्पल सं० डबका-1 से डबका-जीसीएस तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपर्युक्त नियम के खण्ड 7 के उप खण्ड (1) की धारा (1) में निश्चित कार्य दिनांक 17-6-78 से समाप्त कर दिया गया है।

अतः अब पेट्रोलियम पाइप लाइन के नियम (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) नियम, 1963 के अन्तर्गत मक्षम अधिकारी एतद् द्वारा उक्त निधि का कार्य समाप्त की निधि अधिसूचित करते हैं।

## अनुसूची

उबका-1 से उबका जीसीएम तक पाइप लाइन कार्य की समाप्ति

मंत्रालय का नाम	गाँव	का०आ०सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक	गवासद	315	27-1-79	17-6-78

[12016/23/79-प्रो-1]

**MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS & FERTILIZER**  
(Deptt. of Petroleum)

New Delhi, the 2nd April, 1979

**S.O. 1277.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. Dabka-1 to Dabka-Gcs in Ankleshwar oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 17-6-78.

Now, therefore, under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

## SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. Dabka-1 to Dabka-Gcs

Name of Ministry	Villages	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	Gavasad	315	27-1-79	17-6-78

[No. 12016/23/79. Prod-I]

**का०आ० 1278.**—भारत सरकार के अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहाँ संलग्न अनुसूची में प्रकाशित किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के अंकलेश्वर तेल क्षेत्र में उक्त परिशिष्ट भूमि में बेघान स्थल सं० उबका-5 से जी०सी०एम० तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के अधिकार हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपयुक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (1) में निर्दिष्ट कार्य दिनांक 19-6-78 से समाप्त कर दिया गया है।

अतः अब पेट्रोलियम पाइप लाइन के नियम (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) नियम, 1963 के अन्तर्गत मक्षम अधिकारी एतद् द्वारा उक्त निधि का कार्य समाप्त की निधि अधिसूचित करने हैं।

## अनुसूची

उबका-5 से जी०सी०एम० तक पाइप लाइन कार्य समाप्ति

मंत्रालय का नाम	गाँव	का०आ०सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक	गवासद	390	3-2-79	19-6-78

[12016/23/79-प्रो-II]

**S.O. 1278.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. Dabka-5 to Gcs in Ankleshwar oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 19-6-78.

Now, therefore, under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of use in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

## SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. Dabka-5 to Gcs.

Name of Ministry	Villages	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	Gavasad	390	3-2-79	19-6-78

[No. 12016/23/79-Prod.-II]

**का०आ० 1279.**—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 3365 तारीख 5-11-78 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अवनता आशय घोषित कर दिया था।

और यतः मक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तब और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी संयंत्रों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

सानन्द-48 से डब्ल्यू.एन. आई० सानन्द-15 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : महेसाना	तालुका : कलोल	क्षेत्रफल		
गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एअरई	सेन्टीयर	
सानन्द	204/1	0	12	15	
	कार्ट ट्रैक	0	01	00	
	202	0	01	00	
	203	0	14	85	
जेठलाज	288/1	0	09	00	
	291/1	0	02	70	
	291/2	0	01	00	
	293/4	0	05	85	
	294/2	0	08	75	
	298	0	02	55	
	299	0	05	55	
	307/1	0	01	00	
	300	0	01	00	
	309/3ए	0	04	50	
	309/1 बी	0	07	20	
	306	0	07	35	
	311	0	07	05	
	314/2	0	15	45	
	315	0	27	15	
	354/1	0	11	70	
	354/2	0	12	15	
नासमेद	89/1	0	01	00	
	कार्ट ट्रैक	0	01	05	
	88/पांकी	0	27	00	

[सं० 12016/1/78-प्रो० 1]

**S.O. 1279.**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. No. 3365 dated 5th November, 1978 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government was on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from Sanawad—48 to Whi Sanand-15

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kalol

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
Sanawad	204/1	0	12	15
	Cart track	0	01	00
	202	0	01	00
	203	0	14	85
Jeithalaj	288/1	0	09	00
	291/1	0	02	70
	291/2	0	01	00
	293/4	0	05	85
	294/2	0	08	75
	298	0	02	55
	299	0	05	55
	307/1	0	01	00
	300	0	01	00
	309/3A	0	04	50
	309/1B	0	07	20
	306	0	07	35
	311	0	07	05
	314/2	0	15	45
	315	0	27	15
	354/1	0	11	70
	354/2	0	12	15
Nasmed	89/1	0	01	00
	Cart track	0	01	05
	88/Paiki	0	27	00

[No. 12016/1/78-Prod. II]

का० आ० 1280.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ० सं० 3367 तारीख 5-11-78 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः महत्त्व प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

## अनुसूची

कूप नं० के०ओ०डी० 3 से के०-154 तक पाइपलाइन बिछाने के लिए।

राज्य: गुजरात	जिला: मेहसाणा	तालुका: कड़ी		
गांव	ब्लाक नं०	हेक्टेयर एघारई	सेन्टीयर	
उक्षाण	627	0	15	75
	626	0	15	60
	625/3	0	15	15
	रेलवे भूमि	0	03	75
	625/1	0	02	00
	कार्ट ट्रैक	0	01	00
	622	0	06	00
	मड़क	0	05	85
	383	0	07	80
	384	0	08	85
ओला	396	0	16	95
	397	0	03	23
	399	0	01	43
	401	0	01	00
	402	0	07	20
	395	0	09	30
	कार्ट ट्रैक	0	00	45
	437	0	04	20

[सं० 12016/1/78-प्रो० II]

**S.O. 1280.**—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 3367 dated 5th November, 1978 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline from D.S. KOD-3 to K-154

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kalol

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Centiare
Chhatral	627	0	15	75
	626	0	15	60
	625/3	0	15	75
	Railway land	0	03	75
	625/1	0	02	00
	Cart track	0	01	00
	622	0	06	00
	Road	0	05	85
	383	0	07	80
	384	0	08	85
OLA	396	0	16	95
	397	0	03	23
	399	0	01	43
	401	0	01	00
	402	0	07	20
	395	0	09	30
	Cart track	0	00	45
	437	0	04	20

[No. 12016/1/78-Prod.-II]

का० भा० 1281.—भारत सरकार के अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहाँ संलग्न अनुसूची में प्रदर्शित किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के कसोल तेल क्षेत्र में उक्त परिशिष्ट भूमि में वेधान स्थल सं० के०डी०ई०-22 से जी०जी०एस०-III तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के अधिकार है।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपयुक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (1) में निर्दिष्ट कार्य दिनांक 22-12-75 से समाप्त कर दिया गया है।

अतः, अब, पेट्रोलियम पाइपलाइन के नियम (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) नियम, 1963 के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी एतद्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्त की तिथि अधिसूचित करते हैं।

## अनुसूची

के०डी०ई०-22 से जी०जी०एस०-III तक पाइपलाइन कार्य समाप्ती

मंत्रालय का नाम	गांव	का०भा० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
पेट्रोलियम, रसायन एवं उर्वरक	छत्राल बड़ास्वामी अम्बापुर	317	27-1-79	22-12-75

[सं० 12016/6/79-प्रो०]

**S.O. 1281.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. KDE-22 to G.G.S. III in Kalol oil field in Gujarat State

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 22-12-75.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

#### SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. KDE-22 to G.G.S. III

Name of Ministry	Villages	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	Chhatral Vadavswami Ambavapura	317	27-1-1979	22-12-75

[No. 12016/16/79-Prod.]

कां०आ० 1282.—भारत सरकार के अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में प्रदर्शित किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम, 1962 के खंड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के नवागाम तेल क्षेत्र में उक्त परिशिष्ट भूमि में वेधान स्थल सं० 90 से जी०जी०एस०—III तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के अधिकार हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपयुक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (1) में निविष्ट कार्य दिनांक 15-3-1978 से समाप्त कर दिया गया है।

अतः अब पेट्रोलियम पाइपलाइन के नियम (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) नियम, 1963 के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी एतद्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्त की तिथि अधिसूचित करते हैं :

#### अनुसूची

90 से जी०जी०एस०—III तक पाइपलाइन कार्य समाप्ति

मंत्रालय का नाम	गांव	कां०आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक	पानसोली	389	3-2-79	15-3-78

[सं० 12016/24/79-प्र०]

S.O. 1282.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. 90 to G.G.S. III in Nawagam oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 15-3-1978.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

#### SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. 90 to G.G.S III

Name of Ministry	Villages	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	Pansoli	389	3-2-1979	15-3-1978

[No. 12016/24/79-Prod.]

कां०आ० 1283.—भारत सरकार के अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में प्रदर्शित किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के मेहसाना तेल क्षेत्र में उक्त परिशिष्ट भूमि में वेधान स्थल सं० एन०के०एक्स० मे स्टीम पोइन्ट एम०के०ए० होड से डब्ल्यू०एच०आई० कड़ी-25 तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के अधिकार हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपयुक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (1) में निविष्ट कार्य दिनांक 25-2-78 से समाप्त कर दिया गया है।

अतः अब पेट्रोलियम पाइपलाइन के नियम (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) नियम, 1963 के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी एतद्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्त की तिथि अधिसूचित करते हैं।

#### अनुसूची

एन०के०एक्स० से स्टीम पोइन्ट से एन०के०ए० जेड से डब्ल्यू०एच०आई० कड़ी-25 तक पाइपलाइन कार्य समाप्ति

मंत्रालय का नाम	गांव	कां०आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक	भटारीया मेलावी	316	27-1-79	25-2-78

[सं० 12016/25/79-प्र०]

S.O. 1283.—Whereas by the notification of Government of India as shown in schedule appended hereto and issued under sub-section(1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in lands) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. NKX to Steam Point at RON NKAZ to WHI Kadi-25 in Mehsana oil fields in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 25-2-78.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

## SCHEDULE

TERMINATION OF OPERATION OF PIPELINE FROM  
D.S. NKX to Steam Point at NKAZ to WHZ Kadi 25

Name of Ministry	Villages	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India,	Date of termination of operation.
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	Bhataria Telavi	316	27-1-79	25-2-78

[No. 12015/25/79 Prod.]

क्र०आ० 1284.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० धोलका-12 से इन्डियन एण्ड एनर्जी धोलका-1 के पास तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एन्ड्रुप्राइड अधिसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एन्ड्रुप्राइड घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप नक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा 9 का इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिवृत्तः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

धोलका-12 से इन्डियन एनर्जी धोलका-1 तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : खेड़ा	तालुका : मानर		
गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	ए.आर.ई.	सेन्टीयर
रसिकपुरा	61	0	07	20
	63	0	10	05
	89/2	0	17	40
	92/3	0	03	75
	92/2	0	08	25
	90	0	01	95
	91	0	15	90
	757/2	0	09	00
	757/1/वी	0	09	83
	757/1/पी	0	02	25
	758/3	0	11	70
	758/2	0	02	25

[सं० 12016/26/79-प्रो.]

एस०एम० आई० नदीम, अधीक्षक सचिव

S.O. 1284.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Dholka-12 to Whi at Dholka-1 in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division Makarpura Road, Vadodra-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

## SCHEDULE

PIPELINE FROM DHOLKA—12 TO WHI AT DHOLKA-1  
STATE : DISTRICT : KAIRA TALUKA : MATAR  
GUJARAT

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centi-are
RASIKPURA	61	0	07	20
	63	0	10	05
	89/2	0	17	40
	92/3	0	03	75
	92/2	0	08	25
	90	0	01	95
	91	0	15	90
RADHU	757/2	0	09	00
	757/1/P	0	09	83
	757/1/P	0	02	25
	758/3	0	11	70
	758/2	0	02	25

[No. 12016/26/79-Prod.]

S.M.Y. NADEEM. Under Secy.

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1979

क्र०आ० 1285.—यतः भारत सरकार के भूमिपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 31 जनवरी, 1963 की अधिसूचना सं० 16-36/61-एम 1 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निदेश दिया है कि भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए कोरनेल यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, यु०एस०ए० द्वारा प्रदत्त "एम०डी०" चिकित्सा अर्हता मान्य चिकित्सा अर्हता होगी:

और यतः डॉ० एफ० सी० एग्लेस्टोन जिनके पास उक्त अर्हता है वैश्विक, अनुसंधान और धर्मार्थ कार्य के प्रयोजनों के लिए फिलहाल क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज तथा ब्राउन मेमोरियल अस्पताल, बुधियाना, पंजाब के साथ सम्बद्ध है:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के परन्तुक के भाग (ग) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एन्ड्रुप्राइड—

(1) प्राप्ति 31 दिसम्बर, 1980 अवधाय

- (2) उस अवधि की जब तक डॉ० एफ० सी० एग्लेस्टोन उक्त क्रिश्चियन मेडिकल कालेज तथा ब्राउन मेमोरियल अस्पताल, लुधियाना, पंजाब से सम्बद्ध रहते हैं, जो भी कम हो वह अवधि विनिश्चित करती है, जिसमें पूर्वोक्त डॉ० मेडिकल प्रैक्टिस कर सकेंगे।

[संख्या बी० 11016/7/78-एम०ई०(पी)]

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

### ORDER

New Delhi, the 9th April, 1979

**S.O. 1285.**—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 16-36/61-MI, dated the 31st January, 1963 the Central Government has directed that the Medical qualification, "M.D." awarded by the Cornell University, New York, U.S.A., shall be recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) ;

And whereas Dr. F. C. Eggeston, who possesses the said qualification is for the time being attached to the Christian Medical College and Brown Memorial Hospital Ludhiana, Punjab for the purposes of teaching research and Charitable work ;

Now, therefore, in pursuance of clause(c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies —

- (i) a further period upto 31st December, 1980; or
- (ii) the period during which Dr. F. C. Eggeston is attached to the said Christian Medical College and Brown Memorial Hospital Ludhiana, Punjab,

whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V-11016/7/78-M.E. (Policy)]

**का०आ० 1286.**—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 30 दिसम्बर, 1960 की अधिसूचना सं० 17-59/59-एस-1 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निदेश दिया है कि भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए एम० डी० (चिकागो), अमेरिका की चिकित्सा ग्रहता मान्य चिकित्सा ग्रहता होगी;

और यतः डा० एडवर्ड बी० कावेल जिनके पास उक्त ग्रहता है शैक्षिक और अनुसंधान कार्य के प्रयोजनों के लिए फिलहाल क्रिश्चियन मेडिकल कालेज और ब्राउन मेमोरियल अस्पताल, लुधियाना, पंजाब के साथ सम्बद्ध हैं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के परपुरुष के भाग (ग) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा—

- (1) 30 सितम्बर, 1980 तक की अवधि, अथवा
- (2) उस अवधि की जब तक डॉ० एडवर्ड बी० कावेल उक्त क्रिश्चियन मेडिकल कालेज और ब्राउन मेमोरियल अस्पताल, लुधियाना (पंजाब) के साथ सम्बद्ध रहते हैं, जो भी कम हो वह अवधि विनिश्चित करती है, जिसमें पूर्वोक्त डॉ० मेडिकल प्रैक्टिस कर सकेंगे।

[संख्या बी० 11016/7/79-एम०ई०(पी)]

धार० बी० श्रीनिवासन, उप-सचिव

**S.O. 1286.**—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 17-59/59-MI, dated the 30th December, 1960, the Central Government has directed that the Medical qualification, M.D. (Chicago), United States of America shall be recognised medical qualification for the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) ;

And whereas Dr. Edward B. Crowel who possesses the said qualification is for the time being attached to the Christian Medical College and Brown Memorial Hospital, Ludhiana Punjab for the purposes of teaching and research.

Now, therefore, in pursuance of clause(c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies —

- (a) a period upto 30th September, 1980, or
- (b) the period during which Dr. Edward B. Crowel is attached to the said Christian Medical College and Brown Memorial Hospital, Ludhiana, Punjab,

whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V-11016/7/79-M.E. (Policy)]

R. V. SRINIVASAN, Dy. Secy.

## परमाणु ऊर्जा विभाग

आदेश

बम्बई, 9 मार्च, 1979

**का०आ० 1287.**—परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 (1962 का 33) के द्वारा प्रदान शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 16 के अन्तर्गत रेडियोमैक्रिय पदार्थों के आयात के लिए प्रयुक्त संगठनों की अनुमति प्रदान करने के बारे में उसे प्राप्त शक्तियों का प्रयोग भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के विकिरण सुरक्षण प्रभाग के प्रधान भी, अपने आपको इस बारे में संतुष्ट कर लेने के पश्चात् कर सकेंगे कि प्रयुक्त संगठनों में विकिरण-जनित खतरों से बचाव की सुविधायें विद्यमान हैं, रेडियोमैक्रिय पदार्थों का हस्तान्तरण करने में सक्षम प्रशिक्षित कर्मचारी उपलब्ध हैं और ये पदार्थ भारत में उपलब्ध नहीं हैं।

[सं० 1/9(4)/78-सं० एन०य०]

एस० स्वामीनाथन, अवसर सचिव

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

### ORDER

Bombay, the 9th March, 1979

**S.O. 1287.**—In exercise of the powers conferred by section 27 of the Atomic Energy Act, 1962 (33 of 1962), the Central Government hereby directs that the powers conferred on it by section 16 of the said Act, relating to grant of permission to various user organisations for import of radioactive substances, shall be exercised also by the Head, Division of Radiological Protection, Bhabha Atomic Research Centre, Department of Atomic Energy, Government of India, after satisfying himself that facilities are available with the user organisations for protection against radiation hazards, that competent staff trained in handling radioactive substances is available with the user organisations and also that these substances are not indigenously available.

[No. 1/9(4)/78-O&M]

S. SWAMINATHAN, Under Secy.

## घुल्लि विकास प्राधिकरण

(साधारण प्रशासन विभाग (सम्बन्ध))

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1979

**का०आ० 1288.**—दिल्ली डेवलपमेंट ऐक्ट 1957 (1957 की सं० 61) की धारा 52 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए घुल्लि विकास प्राधिकरण एतद्वारा निदेश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 13 के अन्तर्गत प्रयोग की जाने वाली



शक्तियों का प्रयोग योजना के प्रभारी सदस्य के परामर्श से उपाध्यक्ष द्वारा भी किया जा सकता है।

[सं० एफ० 1(1)/79-समन्वय/सम्बन्ध-161-1978]

### DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

(Gen. Admn. Deptt. Coord)

New Delhi, the 3rd February, 1979

S.O. 1288.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (i) of Section 52 of the Delhi Development Act, 1957 (No. 61 of 1957), the Delhi Development Authority hereby directs that the powers exercisable by it under section 13 of the said Act may also be exercised by its Vice-Chairman in consultation with Member in-charge of Planning.

[No. F. 1(1)/79-Coord./Res. 161-1978]

क्रा० आ० 1289.—दिल्ली डेवलपमेंट एक्ट, 1957 (1957 की संख्या 61) की धारा 57 की उपधारा (1) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तिथि से दिल्ली विकास प्राधिकरण दिल्ली डेवलपमेंट प्रचारिणी (इस्यू एण्ड मैनेजमेंट आफ बांड्स) रेगुलेशन्स, 1970 को रद्द करता है।

रद्द करने के आदेश के प्रकाशित होने से पहले उक्त रेगुलेशन्स के अन्तर्गत की कोई कार्रवाई या बात उपरोक्त रद्द किये जाने की क्रिया से प्रभावित नहीं होगी।

[सं० एफ० 1(1)/79-समन्वय/सम्बन्ध-193-1978]

S.O. 1289.—In exercise of its powers under sub-section (1) of Section 57 of the Delhi Development Act, 1957 (No. 61 of 1957), the Delhi Development Authority as from the date of publication of this notification, repeals the Delhi Development Authority (issue and Management of Bonds) Regulations, 1970.

The said repeal shall, however, not affect anything done or any action taken under the said Regulations before the date of such repeal.

[No. F. 1(1)/79-Coord./Res. 193-1978]

### सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1979

क्रा० आ० 1290.—केन्द्रीय सरकार दिल्ली मुख्य योजना/क्षेत्र सं० डी०-17, 18, 19, 20 एफ 2 व 3 में मिश्रित क्षेत्रीय विकास चित्र में निम्नलिखित संशोधन करने का विचार कर रही है, एतद्-द्वारा जिसे सार्वजनिक सूचना हेतु प्रकाशित किया जाता है। इस संशोधन के सम्बन्ध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति या सुझाव देना हो तो वे अपने आपत्ति या सुझाव इस सूचना के 30 दिन के भीतर सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, 5वीं मंजिल, विकास मीनार, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली के पास लिखित रूप में भेज दें। जो व्यक्ति अपनी आपत्ति या सुझाव दें, वे अपना नाम एवं पूरा पता लिखें।

### संशोधन

"डिफेंस कालोनी फार्ड ओवर के नीचे स्थित क्षेत्र संख्या डी०-17, 18, 19, 20 एफ 2 व 3 के मिश्रित क्षेत्रीय विकास चित्र में आने वाले डिफेंस कालोनी के मामले के लगभग 1.92 हे० (4.75 एकड़) क्षेत्रफल के उस भूखंड जिसके पश्चिम में सार्वजनिक एवं सर्व-सार्वजनिक सुविधा का क्षेत्र पूर्व में लाजपत-नगर तथा जंगपुरा एक्स० है, के भूमि उपयोग को "परिवर्तन" से "व्यवसायिक" (स्थानीय विपणन केन्द्र) में परिवर्तित किये जाने का विचार है।"

2. अनियार को छोड़कर और गमी कार्यशील दिनों में दि० वि० प्रा० के कार्यालय, 10वीं मंजिल, विकास मीनार, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली, में उक्त प्रवृत्ति के दौरान प्रस्तावित संशोधन का मानचित्र निरीक्षण हेतु उपलब्ध होगा।

[सं० एफ० 20(4)/79 एम० पी०]

गिरिश चन्द्र श्रीवास्तव, सचिव

New Delhi, the 21st April, 1979

### PUBLIC NOTICE

S.O. 1290.—The following modification, which the Central Government proposes to make to the Master Plan for Delhi/Composite Zonal Development Plan of D-17, 18, 19, 20, F-2 & 3, is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send his objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, 5th Floor, Vikas Minar, Indraprastha Estate, New Delhi, within a period of thirty days from the date of this notice. The person making the objection or suggestions should also give his name and address.

### MODIFICATION

"The land use of an area measuring about 1.92 Hects. (4.75 Acres) located under the Defence Colony Flyover facing Defence Colony and falling in the composite Zonal Development Plan of Zone D-17, 18, 19, 20, F-2 and 3, and Public & Semi Public Facility area towards West, Lajpat Nagar and Jangpura Extension towards East, is proposed to be changed from 'Circulation to 'Commercial' (Local Shopping Centre)."

2. The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Authority, 10th Floor, Vikas Minar, Indraprastha Estate, New Delhi on all working days except Saturdays, within the period referred to above.

[No. F. 20(4)/79-MP]

G. C. SRIVASTAVA, Secy.

### संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1979

क्रा० आ० 1291.—जबकि त्रिपुर, झोलु, चिरपु और अलग अलगनगर टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था के स्थानीय क्षेत्र में बरली किये जाने की बाबत जित लोगों पर इस परिवर्तन का प्रभाव पड़ने की सम्भावना है एक सर्वसाधारण सूचना उन सबकी जानकारी के लिए जैसा कि भारतीय तार नियमावली, 1951 के नियम 434(III)(बीबी) में अपेक्षित है त्रिपुर, झोलु, चिरपु और अलग अलगनगर में चासू समाचार पत्रों में निकाला गया था और उनसे कहा गया था कि इस बारे में यदि उन्हें कोई आपत्ति हो या उनके कोई सुझाव हों तो वे इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर भेजने का कष्ट करें।

उक्त सूचना सर्वसाधारण की जानकारी के लिए मलयालम दैनिक "मलयालम मनोरमा" में तारीख 15-7-1976 को मलयालम दैनिक 'एक्सप्रेस त्रिपुर' में 15-7-1976, मलयालम दैनिक मधुरभूमि में 17-7-1976 और अंग्रेजी दैनिक 'इण्डियन एक्सप्रेस', में 15-7-1976 को प्रकाशित कराई गई थी।

उक्त सूचना के उत्तर में जन-साधारण से मिली आपत्तियों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया गया है।

इसलिए अब उक्त नियमावली के नियम 434(III)(बीबी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सहायित्वक, डाक-तार ने घोषित

किया है कि तारीख 16-4-79 से त्रिचुर, ओल्लूर, चिरपु और अलग अल्यानगर का स्थानीय संशोधन क्षेत्र इस प्रकार होगा :—

1. त्रिचुर टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था :—त्रिचुर एक्सचेंज के स्थानीय इलाके में वह क्षेत्र आयेगा जो त्रिचुर नगरपालिका सेवा क्षेत्र के अन्तर्गत आता है, बशर्ते कि त्रिचुर नगरपालिका सीमा से बाहर स्थित टेलीफोन उपभोक्ता, जिन्हें त्रिचुर टेलीफोन व्यवस्था द्वारा सेवा मिलती है तब तक स्थानीय शुल्क दर अदा करते रहेंगे जब तक कि वे इस व्यवस्था के किसी एक्सचेंज के 5 किलोमीटर के भीतर स्थित हों और उससे जुड़े रहेंगे।

नोट : कमीमंगलम के घान क्षेत्रों सहित पश्चिम से पूर्व तक विस्तृत सीमा, दक्षिण में चेराची कनाल तक और त्रिचुर इरान जलाकुड़ा सड़क और नैलीकुलम, प्रचुर सड़क को एन०एच० 47 तक काटते हुए होल्लूर गांव की सीमा तक।

2. ओल्लूर टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था :—ओल्लूर के स्थानीय इलाके में वह इलाका आयेगा जो ओल्लूर टेलीफोन एक्सचेंज से 5 किलोमीटर की अरीय दूरी के भीतर पड़ता हो बशर्ते कि यह सीमा उत्तर में पश्चिम से पूर्व तक चेराची कनाल सीमित और पश्चिम से पूर्व तक बैलीकुलम-प्रचुर रोड तथा ओल्लूर गांव की सीमा, उत्तर पश्चिम में त्रिचुर एक्सचेंज से 5 किलोमीटर चिय्याराम गांव की सीमा, पश्चिम में एवनिसरी गांव की सीमा, दक्षिण पश्चिम में इडकउन्नी गांव की सीमा, दक्षिण में त्रिचुर गांव की सीमा और दक्षिण पूर्व में त्रिचुर गांव को काटती हुई 5 किलोमीटर आर०डी० सीमा।

3. चिरपु टेलीफोन व्यवस्था :—चिरपु टेलीफोन व्यवस्था के स्थानीय इलाके के अन्तर्गत वह इलाका आयेगा जो चिरपु टेलीफोन एक्सचेंज से 5 किलोमीटर की अरीय दूरी के भीतर पड़ता हो बशर्ते कि आगे उत्तर पूर्व में एवनिसरी और इडकउन्नी ग्रामों, पूर्व में रेलवे लाइन और दक्षिण में करुवनूर और कयमाकी नदियों तक इसकी सीमा प्रतिबन्धित होगी।

4. अलगअल्यानगर टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली :—अलग अल्यानगर प्रणाली के स्थानीय इलाके में वह इलाका आयेगा जो अलग अल्यानगर टेलीफोन एक्सचेंज से 5 किलोमीटर की अरीय दूरी के भीतर पड़ता हो बशर्ते कि आगे त्रिचुर ग्राम की सीमा और उत्तर और उत्तर-पूर्व में ओल्लूर टेलीफोन एक्सचेंज से 5 किलोमीटर अरीय दूरी, पश्चिम में रेलवे लाइन, पूर्व में अम्बालूर ग्रामों में सुरक्षित वनों को छोड़कर अम्बालूर काल्लूर ग्रामों तक इसकी सीमा प्रतिबन्धित होगी।

[3-6/74-मी०एच०की०]

## DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 6th April, 1979

**S.O. 1291.**—Whereas a public notice for revising the local area of Trichur, Ollur, Cherpu and Alagappanagar Telephone Exchange Systems was published as required by rule 434(III) (bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Trichur, Ollur, Cherpu and Alagappanagar, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers,

And whereas the said notice was made available to the public on 15-7-1976 in Malayalam Daily "Malayala Manorma" on 14-7-1976 in Malayalam Daily "Express Trichur" on 15-7-1976 in Malayalam Daily Mathrubhoomi and on 15-7-1976 in English Daily "Indian Express".

And whereas objections and suggestions received from the public on the said notice have been considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434(III) (bb) of the said Rules, the Director General Posts and Telegraphs hereby declares that with effect from 16-4-79 the revised local area of Trichur, Ollur, Cherpu and Alagappanagar shall be as under ;

1. Trichur Telephone Exchange System.—The local area of Trichur shall cover an area falling under the jurisdiction of Trichur Municipality provided further that the telephone subscribers located outside Trichur Municipal limit but who are served from Trichur Telephone System will continue to pay local tariffs as long as they are located within 5 KMs of any Exchange of this system and remain connected to it.

Note :—The boundary in the south will be limited to Cheerachi Canal extending from West to East along Kanimangalam paddy fields and cutting trichur Trinjalakuda Road and NH 47 up to Nellikunnam Puthur Road & the village boundary of Ollur.

2. Ollur Telephone Exchange System.—The local area of Ollur shall cover an area falling within 5 KMs radial distance from Ollur Telephone Exchange provided that this limit shall be restricted to Cheerachi Canal in the North extending from West to East upto Nellikunnam-Puthur Road and village boundary of Ollur and 5 KM of Trichur Exchange to Chiyaram village boundary in north west, Avamisery village boundary in the West, Edakunni village boundary in the South West, Trikkur village boundary in the South and the 5 KM R.D. boundary cutting Trikkur Village in the South East.

3. Cherpu Telephone Exchange System.—The local area of Cherpu shall cover an area falling within 5 KMs radial distance from Cherpu Telephone Exchange provided further that this limit shall be restricted to village boundaries of Avamisery and Edakunni Villages in the North East, Railway line in the East and Karuvanur and Kurumali rivers in the south.

4. Alagappanagar Telephone Exchange System.—The local area of Alagappanagar shall cover an area falling within 5 KMs radial distance from the Alagappanagar Telephone Exchange provided further that this limit shall be restricted to the village boundary of Trikkur and 5 KM RD of Ollur Telephone Exchange in the North and North-East, Railway line in the West, boundary of Amballur Kallur villages in the East but excluding the reserve forests falling in Amballur villages.

[No. 3-6/74-PHB]

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1979

का०शा० 1292.—इम्फाल टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था के स्थानीय क्षेत्र में बदली किये जाने की बाबत जिन लोगों पर इस परिवर्तन का प्रभाव पड़ने की सम्भावना एक सर्वसाधारण सूचना उन सबकी जानकारी के लिए जैसा कि भारतीय तार नियमावली, 1951 के नियम 434 (III) (बीबी) में अपेक्षित है इम्फाल में चालू समाचार-पत्रों में निकाला गया था और उनसे कहा गया था कि इस बारे में यदि उन्हें आपत्ति हो या उनके कोई सुझाव हों, तो वे इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर भेजने का कष्ट करें।

उक्त सूचना सर्वसाधारण की जानकारी के लिए 20-8-1978 को दैनिक प्रजातन्त्र में प्रकाशित कराई गई थी।

उक्त सूचना के उत्तर में जनसाधारण से कोई आपत्तियाँ और सुझाव प्राप्त नहीं हुए।

उक्त सूचना के उत्तर में जनसाधारण से मिली आपत्तियों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया गया है।

इसलिए अब उक्त नियमावली के नियम 434(III) (बीबी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सशुनिदेशक, डाक-तार ने घोषित किया है कि तारीख 16-6-1979 से इम्फाल का स्थानीय संशोधन क्षेत्र इस प्रकार होगा :—

इम्फाल टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था :—इम्फाल का स्थानीय क्षेत्र वही होगा जो कि इम्फाल नगरपालिका के अन्तर्गत पड़ता है, किन्तु टेलीफोन प्रयोगकर्ता जो कि इम्फाल नगरपालिका की सीमा के बाहर स्थित हैं किन्तु जिन्हें इम्फाल टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली से सेवा प्रदान होती है वे इस व्यवस्था के किसी भी टेलीफोन एक्सचेंज

से जब तक 4 किलोमीटर दूरी के भीतर स्थित रहेंगे और इस व्यवस्था से जुड़े रहेंगे जब तक स्थानीय शुल्क दर से प्रदायगी करेंगे।

[सं० 3-16/76-पी०एच०बी०]

एम० बी० राममूर्ति, निदेशक फोन(ई०)

New Delhi, the 7th April, 1979

**S.O. 1292.**—Whereas a public notice for revising the local area of Imphal Telephone Exchange System was published as required by rule 434(III) (bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Imphal, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers;

And whereas the said notice was made available to the public on 20-8-78 in the Daily Newspapers PRAJATANTRA.

And whereas no objections and suggestions have been received from the public on the said notice;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434(III)(bb) of the said Rules, the Director General Posts and Telegraphs hereby declared that with effect from 16-4-79, the revised local area of Imphal shall be as under; Imphal Telephone Exchange System.

The local area of Imphal shall cover an area falling under the jurisdiction of Imphal Municipality provided that the telephone subscribers located outside Imphal Municipal limit but who are served from Imphal Telephone Exchange System shall continue to pay local tariffs as long as they are located within 5 KMs of any Exchange of this System and remain connected to it.

[No. 3-16/76-PHB]

M. B. RAMAMURTHY, Director of Phones(E)

### श्रम मंत्रालय

#### आवज्ञा

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1979

**क्र० आ० 1293.**—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायय अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में स्टेट बैंक आफ इंडिया, भाद्रा, अहमदाबाद के प्रबन्धनन्त्र में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वीक्षण समझौता है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पंठासीत अधिकारी श्री आर० सी० इसरानी होंगे, जिनका मुख्यालय अहमदाबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

#### अनुसूची

“क्या स्टेट बैंक आफ इंडिया, एल०एच०ओ०, भाद्रा, अहमदाबाद के प्रबन्धनन्त्र की फराण एव संदेशवाहक, श्री रमेश जी बारोट की सेवाओं को 5 मार्च, 1977 से समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुलोष का ह्वदार है?”

[संख्या एल-12012/82/78-बी2ए]

एस० के० मुखर्जी, भवर सचिव

### MINISTRY OF LABOUR ORDER

New Delhi, the 7th March, 1979

**S.O. 1293.**—Whereas the Central Government is of opinion

that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of the State Bank of India, Bhadra, Ahmedabad and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes and Industrial Tribunal of which Shri R. C. Israni shall be the Presiding Officer with headquarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

### SCHEDULE

“Whether the action of the management of State Bank of India, L. H. O., Bhadra, Ahmedabad in terminating the services of Shri Ramesh G. Barot, Farrash-cum-Messenger with effect from 5th March, 1977 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

[No. L-12012/82/78-D.IIA]

S. K. MUKERJEE, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1979

**क्र० आ० 1294.**—केन्द्रीय सरकार, श्रमजोंको पत्रकार और अन्य समाचार-पत्र कर्मचारी (सेवा की शर्तों) और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1955 (1955 का 45) की धारा 20 की उपधारा (2) के खंड (घ) द्वारा दत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रत्यक्षः—

1. संक्षिप्त नाम.—इन नियमों का नाम श्रमजोंकी पत्रकार और अन्य समाचार-पत्र कर्मचारी अधिकरण नियम, 1979 है।

2. पक्षकारों को बुलाना.—श्रमजोंकी पत्रकार और अन्य समाचार-पत्र कर्मचारी (सेवा की शर्तों) और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1955 (1955 का 45) की यथास्थिति धारा 13क के अधीन या धारा 13घ के अधीन गठित अधिकरण, नियम 3 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, समाचार-पत्र स्थापन के नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले पक्षकारों और ऐसे समाचार-पत्र के यथास्थिति श्रमजोंकी पत्रकारों या पत्रकार-इनर समाचार-पत्र कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले पक्षकारों को समय समय पर ऐसी तारीख को, ऐसे समय और स्थान पर, जो उनके द्वारा नियुक्त किए जाएं, बुलाएगा।

3. सूचना.—पक्षकारों को बुलाने के लिए अधिकरण द्वारा नियत तारीख से कम से कम दस दिन पूर्व, बैठक की तारीख, उसका समय और स्थान बनाने वाली सूचना, साथ में बैठक में मंचानित की जाने वाली कार्य-सूची नियम 2 में निर्दिष्ट दोनों पक्षकारों को इस निमित्त अधिकरण द्वारा प्राधिकरण अधिकारी द्वारा रजिस्ट्रीकृत डाक से भेजी जाएगी।

4. अधिकरण के समक्ष कार्यवाहियां.—अधिकरण के समक्ष कार्यवाहियां साधारणतया जनता के लिए खुली होंगी।

परन्तु अधिकरण किसी प्रक्रम पर यह निवेश कर सकेगा कि किसी साक्षी को परीक्षण या अधिकरण की कार्यवाहियों का संचालन बन्द करके में किया जाएगा।

5. साक्षियों को समन करना और दस्तावेजों पेश करना.—(1) अधिकरण किसी जांच के दौरान किसी व्यक्ति को साक्षी के रूप में पेश होने के लिए, समन कर सकेगा। ऐसे समनों में साक्षी से यह अपेक्षा की जा सकेगी कि वह समन में विनिर्दिष्ट तारीख को अधिकरण के समक्ष पेश हो और ऐसी कोई बहियां, कागजात या अन्य दस्तावेजों पेश करें जो जांच से किसी भी रीति से संबंधित हैं तथा उसके कब्जे या नियंत्रण में हैं।

2. उपनियम (1) के अधीन समन, यथास्थिति, किसी व्यक्ति, या संगठन या नियोजकों या श्रमजीवी पत्रकारों को या नैर-पत्रकार समाचार-पत्र कर्मचारियों के व्यवसाय संघ, या अन्य कर्मचारों को, जैसा अधिवक्ता ठीक समझे, सम्बोधित किए जा सकेंगे।

3. इन नियम के अधीन समन की नामील निम्नलिखित रीति से की जा सकेगी, अर्थात् :—

(क) किसी व्यक्ति की वषा में, उसे परिधान करके या रजिस्ट्रिकृत डाक द्वारा उसके पास भेजकर ; और

(ख) उपनियम (2) में निर्दिष्ट, यथास्थिति, किसी संगठन या व्यवसाय संघ की वषा में, गवर्नर/प्रीसिडेंट, सचिव या व्यवसाय संघ के सचिव या अन्य प्रधान अधिकारियों को परिधान करके या रजिस्ट्रिकृत डाक द्वारा उसके पास भेजकर।

6. मार्फी व्यव. — ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को, जिसे समन किया जाता है और जो अधिवक्ता के समक्ष पेश होता है, अधिवक्ता द्वारा ऐसी राशि का संदाय किया जाएगा, जो अधिवक्ता को, इन प्रकार समन किए गए व्यक्ति द्वारा, ऐसे स्थान को जहाँ पेश होने की उम्मीद प्रेषित की गई है, जाने और वहाँ से वापस लौटने के लिए उपाय किए गए यात्रा और अन्य व्यय को चुकाने के लिए पर्याप्त प्रतीत होता है।

[सं० बी०-24032/2/79-उत्सू०बी०]

अशोक नारायण, उप सचिव

New Delhi, the 4th April, 1979

**S.O. 1294.**—In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (2) of section 20 of the Working Journalists and Other Newspaper Employees (Conditions of Service) and Miscellaneous Provisions Act, 1955 (45 of 1955), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title.—These rules may be called the Working Journalists and Other Newspaper Employees Tribunal Rules, 1979.

2. Calling of parties.—A Tribunal constituted under section 13AA or, as the case may be, under section 13DD, of the Working Journalists and Other Newspaper Employees (Conditions of Service) and Miscellaneous Provisions Act, 1955 (45 of 1955), shall subject to the provisions of rule 3, call at such date, time and place, as may be appointed by it, from time to time, the parties representing employers in a newspaper establishment and the parties representing the working journalists, or, as the case may be, the non-journalist newspaper employees in such newspaper establishment.

3. Notice.—Not less than ten days before the date fixed by the Tribunal for calling the parties, a notice containing the date, time and place of the meeting, together with a list of business to be conducted at the meeting, shall be sent to both the parties referred to in rule 2 by registered post by an officer authorised by the Tribunal in this behalf.

4. Proceedings before the Tribunal.—The proceedings before the Tribunal shall ordinarily be open to the public :

Provided that the Tribunal may, at any stage, direct that any witness shall be examined, or its proceedings shall be held, in camera.

5. Summoning of witnesses and production of documents.—(1) The Tribunal may summon any person to appear as a witness in the course of any inquiry. Such summons may require the witness to appear before it on a date specified therein and to produce any books, papers or other documents and information in his possession or under his control relating in any manner to the inquiry.

(2) A summons under sub-rule (1) may be addressed to an individual or an organisation of employers or a trade union of working journalists or, as the case may be, of non-journalist

newspaper employees, or other workmen as the Tribunal may think fit.

(3) A summons under this rule may be served—

(a) in the case of an individual, by being delivered or sent to him by registered post ; and

(b) in the case of an organisation or, as the case may be, trade union, referred to in sub-rule (2), by being delivered or sent by registered post to the Secretary or other principal officer of the organisation or trade union, as the case may be.

6. Expenses of witnesses.—Every person who is summoned and appears before the Tribunal shall be paid by the Tribunal such sum of money as appears to the Tribunal to be sufficient to defray the travelling and other expenses incurred by the person so summoned in passing to and from the place where he is required to attend.

[No. V-24032/2/79-WB]

ASHOK NARAYAN, Dy. Secy.

New Delhi, the 4th April, 1979

**S.O. 1295.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bhubaneswar in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Paradip Port Trust and their workmen which was received by the Central Government on the 3rd April, 1979.

INDUSTRIAL TRIBUNAL, BHUBANESWAR

Industrial Dispute Case No. 7 (Central) of 1976

Dated, Bhubaneswar, the 30th March, 1979

BETWEEN

The employers in relation to the management of Paradip Port Trust. . . First-party

AND

Their workmen. . . Second-party.

APPEARANCES :

Shri H. K. Mohanty, Legal Officer, Paradip Port Trust. . . For the first-party.

Shri N. Khuntia, Shri A. K. Patnaik. . . For the second-party.

AWARD

In exercise of the powers conferred by section 7-A, and Clause (d) of Sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Government of India in the Ministry of Labour referred the following dispute to this Tribunal for adjudication of which Dr. B. N. Misra was the Presiding Officer vide their Order No. L-38012(4)/75-D. IV(A) dated 18-10-1976 :

"Whether the action of the management of Paradip Port Trust, Post Office Paradip in charging the bus fare of Rs. 8 per head per month from the employees who use the port bus from their residence to the place of duty and back, is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled and from what date?"

Subsequently, in exercise of the powers conferred by Section 7-A and Sub-section (1) of Section 33-D of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government have transferred the aforesaid proceeding to me for disposal according to law vide their Order No. S-11025(1)/78-D-IV(B), dated 6-5-1978.

2. The workmen had filed a written statement through Shri Harihar Das, General Secretary of the Paradip Port Workers' Union. Shri N. Khuntia also filed another written statement claiming to be the representative of the workmen. Shri N. Khuntia and Shri A. K. Patnaik were allowed to represent the workmen. Their case is almost similar. It is as follows :—

That the employees of the Paradip Port Trust were travelling in the Port buses free of charges to and from to attend the Port duty since 1962. The Port

Trust Board enhanced the bus fare in its meeting held on 29-8-1973 and the Board decided that the employees would travel free of charges while on duty subject to four trips a day, for those who were not drawing cycle allowance.

3. But the management of the Paradip Port Trust decided to do away with this facility offered to the employees and imposed monthly rate of bus fare of Rs. 12.50 paise to Rs. 20 on the employees, which was subsequently reduced to Rs. 8. So the Union submitted a charter of demands to the Chairman, Paradip Port Trust, claiming that the employees should be allowed free transportation. The privilege which was given to the Port Trust employees for the last three years has not only been taken away, but they are also asked to pay an additional bus fare of Rs. 8 per month. So they demand that the employees should be given the facility of free transportation for attending their duties. It is also pleaded that without proper notice, the service conditions have been changed.

4. The management had filed a written-statement denying the withdrawal of the facility as alleged by the workers. It is their case that the Chairman, Paradip Port Trust, ordered that the Port employees desiring to avail the benefit of purchasing monthly tickets had to pay Rs. 5 per month per employee and since the date of the said order, the employees of the Port Trust were availing the Port transport facilities on payment of Rs. 5 per month. Subsequently there was a settlement between the management of the Paradip Port Trust and the Workers' Union on 12-5-1972 regarding the conveyance. As per the settlement, it was agreed that such of the employees, who did not take cycle allowance and had given in writing that they did not want to take the cycle allowance, would be allowed to travel in the Port bus on payment of usual charges which would be reimbursed to them to the extent of journey performed for official purposes.

5. But due to the increase of the prices of petrol, oil, lubricants and spares of the motor vehicles, the Port Trust found it difficult to continue that practice and so, there was a proposal to revise the rates of the bus fare. It was agreed that for the Port employees there would be free bus service subject to four trips per day while on duty for those who did not draw cycle allowance and a pass had to be obtained from the Executive Engineer, Workshop Division, on application, and for the outsiders the rate of bus fare was revised. But this decision of the Port was never given effect to. Those who used cycles to attend to their duties were being granted cycle allowance of Rs. 6 per month, and if they were using the Port Trust bus, they were paying the bus fare at the usual rates. Those who did not have cycles were neither allowed free bus journey to the place of work nor they were given any allowance as was given to the cycle owners. It means that they were paying the usual bus fare for going in the bus of the Port. The management did not reimburse the charges they paid towards the bus fare.

6. As the prices of the petroleum products increased, it was decided that the employees had to pay Rs. 14 per head for going in the Port bus which was subsequently reduced to Rs. 8 per employee on the demand of the Union. There was never any customary right as claimed by the employees for free travel. So it was prayed that the present reference should be rejected.

7. On these pleadings the following issues can be framed —

- (1) Whether the employees were being allowed to go by the Port buses free of charges, or whether they were to pay the charges?
- (2) Whether the action of the management of Paradip Port Trust, Post Office Paradip, in charging the bus fare of Rs. 8 per head per month from the employees who use the Port bus from their residence to the place of duty and back, is justified?
- (3) To what relief the workmen are entitled?

8. Issue No. 1—Whether the employees were being allowed to go by the Port buses free of charges, or whether they were to pay the charges?

On behalf of the workmen, one witness was examined and on behalf of the management, one witness was examined. The M.W. 1 had stated in his deposition that an order was passed on 30-7-1968 that a person who was given pass should pay Rs. 5, which is Ext. A and there was no record to show

that the money paid by the employees was reimbursed. It is definitely an admission on the part of the management that the charges paid by the workers to avail the bus of the Port should be reimbursed as per the averment in para-6 of their written-statement. But it is claimed by the Port Trust that the decision of the Board was never given effect to. There is nothing on record to show that the decision of the Board was never given effect to. On the contrary, the memorandum of settlement dated 12-5-1972, Ext. 1, clearly states that the charges paid by the employees to avail the bus should be reimbursed for travelling for official purposes. The monthly pass was increased to Rs. 14 as per the decision of the Board dated 31-3-1975 due to the increase in the rates of the petroleum products but on demand by the Union, the rate was decreased to Rs. 8 on 10-6-1975, and those who were having cycles were given cycle allowance of Rs. 6 and they had to pay only Rs. 8 for the bus pass. In his cross-examination he had stated that without checking the official records, he was not in a position to tell if free passes were being issued till 1975. On behalf of the workmen, a free pass was filed which has been marked as Ext. 6. In his cross-examination by Shri A. K. Patnaik, he had stated that he could produce documents to show that Rs. 5 were being paid and he also said that he could produce the documents showing that they paid the pass allowance. It means that the management was paying the allowance for issuing the passes, that is if a workman had paid money to get a pass, the amount was to be reimbursed. It shows that the employees were being definitely allowed to travel free in the Port bus or the charges which they paid for travelling in the bus were being reimbursed.

9. The W.W. 1 had spoken about the case of the workers. He also says that as it was found difficult to make reimbursements, the management decided to allow four free trips and it was the practice introduced by the management which was reduced to writing which is Ext. 2. There is another order dated 1-8-1972, which is marked as Ext. 3, regarding allowing of four free trips. By a subsequent resolution of the Port Trust Board dated 31-3-1975, Ext. 4, it was decided that each employee should pay Rs. 14 as bus fare which was free prior to that, to which the Union protested. In the cross-examination, he had stated that in the beginning there was one bus and at that time the employees were taken free. After one year, the system of paying Rs. 5 by each employee was introduced and no reimbursement was made and no passes were issued, but he again said that some of the Electrical Division workers obtained passes.

10. The Ext. 2, which is the Agenda Item No. 44 of the meeting of 29-8-1973, shows that the Port employees were allowed to travel free while on duty subject to four trips a day for those who were not drawing cycle allowance. Ext. 3 shows that those who were owning cycles were being given Rs. 6 as cycle allowance. As per Ext. 4, passes were granted to the employees. These documents coupled with the admission of the management in their written-statement clearly show that the employees were given free passes for travelling in the buses of the Port Trust to the place of their duty, and the claim of the management that the settlement between the management and the Workers' Union regarding free trips was not implemented cannot be believed. So this issue is answered in favour of the Workers' Union.

11. Issue No. 2—Whether the action of the management of Paradip Port Trust, Post Office Paradip, in charging the bus fare of Rs. 8 per head per month from the employees who use the Port bus from their residence to the place of duty and back, is justified?

In view of my decision above, it follows that the decision of the management of the Paradip Port Trust, Post Office Paradip, in charging the bus fare off Rs. 8 per head per month from the employees who use the Port bus from their residence to the place of duty and back, is not justified. The issue is answered accordingly.

12. Issue No. 3—To what relief the workmen are entitled?

The concerned employees are entitled to free bus transportation and if the charges are paid by them, they are entitled for refund of the same with effect from 31-3-1975. The issue is answered accordingly.

13. The Award is passed accordingly.  
Dictated and corrected by me.

M. V. GANGARAJAN Presiding Officer  
[No. L 38012(4)/75-D. IV(A)]

**S.O. 1296.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Calcutta Port Trust, Calcutta and their workmen which was received by the Central Government on the 3rd April, 1979.

# CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL.

## CALCUTTA

### Reference No. 27 of 1976

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of Calcutta Port Trust, Calcutta,

#### AND

Their Workmen.

#### APPEARANCES:

On behalf of Employers—Shri D. K. Mukherjee, Labour Officer.

On behalf of Workmen—Shri D. L. Sen Gupta, Executive Committee Member of the Union, with Shri R. K. Chanda, Asstt. General Secretary of the Union.

STATE: West Bengal.

INDUSTRY: Port & Dock.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by their Order No. L-32012(4)/76-DIV (A), dated 14th September, 1976, referred the following matter for adjudication to this Tribunal:

"Whether the management in relation to the Calcutta Port Trust, Calcutta are justified in dismissing Shri Sukumar Ghosh, Vigilance Watcher from service with effect from the 15th October, 1974? If not, to what relief is the said workman entitled?"

2. The concerned workman was a Security Guard in the employment of the management. His case as pleaded by the Union may be briefly stated. On November 6, 1973 on his way home after duty hours, he received information from a source that one Raj Mohammed, vigilance watcher and one Thakur Singh Vigilance Watcher-in-charge were on duty in Kantapukur area. They had allowed pilferers to remove goods and were waiting to receive money from them. On receipt of this information he reached the spot and saw Raj Mohammed and Thakur Singh at a distance. The pilferers appeared on the scene and on being confronted by him he was told that they had come to pay money to the aforesaid persons. The concerned workman took the money from the pilferers to deposit the same in the office and report against the aforesaid persons. Thereafter Raj Mohammed and Thakur Singh requested him not to report the matter to the office or to deposit the money as the same might result in their dismissal. On humanitarian grounds and with an honest intention of not becoming an instrument of loss of jobs of the aforesaid persons the concerned workman took a sympathetic view, administered verbal caution to them not to repeat what they had done and directed them to call back the pilferers. The pilferers were called back and the concerned workman returned the money. They were also cautioned not to enter the Port area again.

3. The workman felt it his duty to communicate the incident to his higher officer and accordingly in course of the day, he reported the incident to Sri N. G. Dutta Gupta, the Vigilance Officer.

4. A charge sheet was served on the workman. The charge was as follows:

"Sri Sukumar Ghose is charged with misconduct inasmuch as while employed as a Vigilance watcher under the Vigilance and Security Adviser, Port Security Organisation, he received Rs. 80 (Eighty only) on the morning of 6-11-73 from two women miscreants who passed out some tea illegally from the Kantapukur area on the night of 5/6-11-73."

5. Thereafter an enquiry was held by an officer of the Port Trust on the basis of the said charge sheet. The Enquiry Officer found that the charges brought against the concerned workman had been proved in the enquiry. On the basis of the Enquiry Report he was removed from the Commissioners' service with effect from 15th October, 1974.

6. The concerned workman preferred an appeal to the Chairman of the Port Trust. The appeal was dismissed. Ultimately the dispute was referred to this Tribunal under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

7. At the hearing, the parties invited the Tribunal to pronounce on a preliminary point, namely the question of validity and propriety of the Enquiry proceedings and the Report of the Enquiry Officer. By an order dated January 29, 1979, I held against the propriety and the validity of the said proceedings and of the Enquiry Report and decided the preliminary point in favour of the concerned workman. By the said order I granted leave to the parties to adduce evidence before the Tribunal at the further hearing of the case. A copy of the said order dated January 29, 1979 is annexed hereto as a part of this Award and marked with the letter 'A'.

8. At the renewed hearing of the case, Sukumar Ghose the concerned workman alone gave evidence. The management did not adduce any. Ghose substantially repeated what he had stated in the letter dated 18th February, 1974 addressed to the Vigilance and Security Adviser, Calcutta Port Commissioners (Ext. W-1) and in his letter dated February 25, 1974 addressed to the Secretary, Commissioners for the Port of Calcutta (Ext. W-2). As stated earlier in paragraphs 2 and 3 of this Award, he deposed that he had taken the money from the pilferers with the object of depositing the same with the Vigilance Officer as he had done on earlier occasions. In the letter dated February 25, 1974 he stated that on the date of occurrence of the incident he had reported to the Vigilance Officer that he had returned the money to pilferers at the request of Thakur Singh, Vigilance Watcher-in-charge. He admitted in the said letter as he did in his oral evidence before the Tribunal, that it was wrong of him to have returned the money to the pilferers instead of depositing the same at the office. He deposed to the correctness of a letter he had addressed to the Vigilance and Security Officer on August 17, 1974 which has been made Ext. M-12. In that letter he pointed out that during the long period of 17 years of his service there had not been any adverse report against him. He had discharged his duties to the entire satisfaction of his superiors and in recognition of his meritorious service he had been awarded a number of money rewards. He admitted that according to established practice he had received money on some occasions from offenders and deposited the same with the office. It has been consistently his case in the representation he made before the Commissioners of the Port of Calcutta, and also in his evidence before the Tribunal, that it was never his intention to appropriate the money. He frankly stated that in accordance with the usual practice he should have deposited the money and not returned it to the pilferers. He admitted that to have returned the money was a dereliction of duty on his part but insisted that he had done so in good faith and only to spare Raj Mohammed and Thakur Singh possible loss of employment. He pointed out that it was he himself who reported the entire incident faithfully to the Vigilance Officer.

9. It has to be borne in mind that no evidence was adduced on behalf of the management to supplement or contradict the oral evidence of the concerned workman. The concerned workman not only deposed in Court but also exhibited a fair quantity of documentary evidence which has been of assistance in deciding this case. Raj Mohammed and Thakur Singh were not summoned to depose either before the Enquiry Officer or before the Tribunal. Sri N. G. Dutta Gupta, the Security Officer did not depose either. Those were material witnesses, who could have, by relevant evidence, supported the charge. The concerned workman has conclusively proved by a series of exhibits which have been marked Ext. W-14 that on some occasions, vigilance-watchers including the concerned workman had brought before the Chief Security Officer offenders in possession of stolen goods or money. Ext. W-14/2 shows that the concerned workman deposited with the Security Officer a sum of Rs. 200 and thirty pieces of nickel plating on 9th November, 1971. Exts. W-14/3, W-15 and W. 16 prove that on a number of occasions he received from the Vigilance Officer different sums of money for source payment as per order of the Chief Security Officer. It is, therefore, clear that the practice of depositing monies received from or

found in the possession of offenders was not unknown. It is also a fact that monies were paid to Vigilance Watchers or at least to the concerned workman for "source payment". These exhibits support the concerned workman in his contention that there was a practice under which vigilance watcher-made contacts with sources and paid them for service. There was therefore nothing unusual in the concerned workman visiting Kantapukur area on the basis of information he had received from his source.

10. The charge was that he had received Rs. 80 from the pilferers. Taken literally the charge was admitted by the concerned workman. His case, however, is that although he took the money, he did something more. He returned the money to the pilferers and reported the incident to the Vigilance Officer. He also admitted that instead of returning the money he should have deposited it at the office of the Vigilance Officer. It may be said at once that apart from the admissions made by the concerned workman in writing, there is nothing on record on the basis of which any charge could have been brought, far less proved, against the concerned workman. His admission however has to be taken as a whole. He has not been found guilty of any moral turpitude or dishonest conduct. In returning the money to the pilferers instead of depositing it with the Vigilance Officer he committed an act of indiscretion and breach of established practice. He has frankly admitted, right from the beginning, that this was a dereliction of duty on his part. It was he himself who reported the incident in detail to the Vigilance Officer. There was no attempt on his part to conceal the fact that he had returned the money to the pilferers. On the basis of the evidence on record, his conduct has been fair and not unworthy of a loyal though erring employee. He has an unblemished record of service over the years and a number of rewards has been awarded to him in recognition of his meritorious service. Taking all these facts into consideration, I am of opinion that he deserves a penalty far lighter than the one which was imposed on him on the basis of the Enquiry Report. If the Enquiry proceedings and Enquiry Report are invalid the penalties imposed on the basis of the Enquiry Report are equally invalid.

11. On a careful consideration of the entire conspectus of events and the evidence on record, I am of opinion that the concerned workman should be reinstated. The penalty I propose to impose on him for dereliction of duty in returning the money to the pilferers instead of depositing the same with the Vigilance Officer is withholding of one yearly increment which he would have earned next had his service not been terminated in accordance with clause (ii) of Rule 9 of the Calcutta Port Commissioners Employees (Discipline and Appeal) Rules, 1964.

12. It is necessary to decide whether he is entitled to back wages. In *Hindustan Tin Works Pvt. Ltd. v. Their Employees*, Indian Factories and Labour Reports (1978), Volume 371, 240, D. A. Desai, J. speaking for the Court observed:

"In the very nature of things there cannot be a strait-jacket formula for awarding relief of back wages. All relevant considerations will enter the verdict. More or less, it would be a motion addressed to the discretion of the Tribunal. Full back wages would be the normal rule and the party objecting to it must establish the circumstances necessitating departure. At that stage the Tribunal will exercise its discretion keeping in view all the relevant circumstances. But the discretion must be exercised in a judicial and judicious manner. The reason for exercising discretion must be cogent and convincing that must appear in the face of the record."

It appears from the evidence that the concerned workman made no serious effort to obtain employment after termination of his service. He did not even care to register himself with any Employment Exchange. On one solitary occasion, he made an application for a job. Having regard to all the facts and circumstances of the case and in particular to his almost total lack of diligence in trying to secure alternative employment, I am of the view that he should be paid 3/4th of his back wages. Before I conclude it is necessary to point out a technical error in the Order of Reference. The concerned workman was removed from service. He was not dismissed from service as stated in the Schedule to the Order of reference. For the purpose of my award, I have read 'dismissing from service' as 'removing from service'.

13. In the view I have taken, I answer the Reference in the following terms:

The management in relation to the Calcutta Port Trust, Calcutta are not justified in removing (dismissing-sic), Sri Sukumar Ghose, Vigilance-Watcher from service with effect from the 15th October, 1974. He is reinstated with effect from the date of termination of service with 3/4th of back wages. By way of penalty, one yearly increment which he would have earned next had his service not been terminated, will be withheld.

This is my award.

Dated, Calcutta,

The 27th March, 1979.

S. K. MUKHERJEE, Presiding Officer

ANNEXURE 'A'

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
CALCUTTA

Reference No. 27 of 1976

PARTIES:

Employers in relation to the management of Calcutta Port Trust, Calcutta,

AND

Their Workmen.

APPEARANCES:

On behalf of Employers—Sri D. K. Mukherjee, Labour Officer.

On behalf of Workmen—Sri D. L. Sen Gupta, Executive Committee Member of the Union, with Sri R. K. Chanda, Asstt. General Secretary of the Union.

ORDER

Dated, 29th January, 1979

The Government of India, Ministry of Labour, by their Order No. L. 32012(4)/76-DIV(A), dated 14th September, 1976, referred the following matter for adjudication to this Tribunal:

"Whether the management in relation to the Calcutta Port Trust, Calcutta are justified in dismissing Shri Sukumar Ghosh, Vigilance Watcher from service with effect from the 15th October, 1974? If not, to what relief is the said workman entitled?"

2. The concerned workman was a Security Guard in the employment of the Opposite Party. His case as pleaded by the Union may be briefly stated. On November 6, 1973 on his way home after duty hours, he received information from a source that one Raj Mohammed, Vigilance Watcher and one Thakur Singh Vigilance Watcher-in-charge were on duty in Kantapukur area. They had allowed pilferers to remove goods and were waiting to receive money from them. On receipt of this information he reached the spot and saw Raj Mohammed and Thakur Singh at a distance. The pilferers appeared on the scene and on being confronted by him they said that they had come to pay money to the aforesaid persons. The concerned workman took the money from the pilferers to deposit the same in the office and report against the aforesaid persons. Thereafter Raj Mohammed and Thakur Singh requested him not to report the matter to the office or to deposit the money as the same might result in their dismissal. On humanitarian grounds and with an honest intention of not becoming an instrument of loss of jobs of the aforesaid persons the concerned workman took a sympathetic view, administered verbal caution to them not to repeat what they had done and directed them to call back the pilferers to return the money. The pilferers were called back and the concerned workman returned the money to them. They were also cautioned not to enter the Port area again.



3. The workman felt it his duty to communicate the incident to his higher officer and accordingly in course of the day, he reported the incident to Sri N. G. Dutta Gupta, the Vigilance Officer.

4. On November 19, 1973 the workman concerned was called along with one Sakaldeo Prasad for a preliminary enquiry. The investigation was conducted by an officer who obtained written statements from both of them. On February 7, 1974 the workman received a charge sheet on the allegation of receiving Rs. 80 from miscreants for allowing them to pass out some tea illegally. Thereafter an enquiry was held by Sri T. P. Gupta on the basis of the charge sheet. The Enquiry Officer found that the charges brought against him had been proved in the enquiry and the workman was directed to show cause why the proposed punishment of removal from service should not be awarded. He showed cause by a statement. Thereafter the workman was served with a notice intimating that he had been removed from the Commissioner's service with effect from 15th October, 1974.

5. The concerned workman preferred an appeal to the Chairman. The appeal was dismissed. Thereafter the Union referred the dispute to the Regional Labour Commissioner. After certain joint conferences were held it was found that no settlement could possibly be reached. Thereafter the dispute was referred to this Tribunal under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 in terms stated hereinbefore.

6. The parties have invited the Tribunal to pronounce on the question of validity and propriety of the enquiry proceedings and the report of the Enquiry Officer as a preliminary point. I therefore propose to decide the point at this stage.

7. Mr. Sen Gupta appearing on behalf of the concerned workman has raised a host of objections to the validity of the enquiry made by Sri T. P. Gupta, the Enquiry Officer. Among other objections he contends that the Enquiry Officer played the dual role of a prosecutor and a judge; that he was biased and prejudiced; that he examined the concerned workman before examining the prosecution witnesses; that he misunderstood the import of the admissions made by the workman; that his conclusions were not supported by evidence and that he failed to consider the materials on record and did not apply his mind to the matters relevant for determination of the case before him. He has particularly assailed the procedure adopted by the Enquiry Officer and his Report on the ground that the Enquiry Officer examined one Sri Dutta Gupta, Security Officer (Vigilance) behind the back of the concerned workman de hors the enquiry and relied on the deposition of the said officer as a basis for his conclusions. The last objection is of vital importance.

8. The concluding portion of the Enquiry Report reads :

"Again delinquent S/G 348 Ghose is found to have clearly stated that Security Officer (Vigilance) was aware of the fact that he used to maintain a source of his own paid by him and that on 6-11-73 night before taking up night duty he went to the quarters of the Security Officer (Vigilance) and appraised him about the incident in details. But having verbally examined the Security Officer (Vigilance) on the said two points it has come to light that S/G 348 Ghose did not any time bring to his knowledge that he (S/G 348) used to maintain a source of his own who used to be paid by him and that during office hours on 7-11-73 S/G 348 Ghose came to him at his office and informed him about the incident in question.

Hence, the actions taken by delinquent S/G 348 Sukumar Ghose in the context of the facts of the incident as given out by him in his own written statement dated 19-11-73 as well as in his deposition during departmental enquiry reasonably appear to be fishy and covered with ingenious motive."

It is clear from the above that the Enquiry Officer based his conclusion largely on the oral testimony of the Security Officer Sri Dutta Gupta.

9. The Enquiry Officer gave evidence before me. In cross-examination he stated : "I did not examine Dutta Gupta, the Vigilance Officer at the Enquiry but on the basis of the fact revealed by the deposition of Sukumar Ghose recorded at the enquiry, namely that Security (Vigilance) had the knowledge

that Sukumar Ghose had his own source whom he used to pay from his own pocket. Only on this particular point I asked questions verbally and received answers verbally from Dutta Gupta, Security Officer, (Vigilance). I went to his office i.e. Mr. Dutta Gupta to ask this question and got his answer. In my Report there is a reference to the question put by me to Mr. Dutta Gupta." In answer to the question put to the Enquiry Officer by me, he said, "I admit that by not putting the questions I put to the Vigilance Officer at the Enquiry, the delinquent workman did not have any opportunity of cross-examining him."

10. The Enquiry Officer has given his evidence truthfully. The effect of the evidence is, however, disconcerting in the highest degree. After having heard the evidence of the concerned workman, if he wanted to examine Mr. Dutta Gupta, Security Officer (Vigilance) he could have asked the management to produce him as a witness. He could have examined him at the Enquiry and offer the concerned workman a chance to cross-examine him and if necessary, to explain his own conduct in the light of the evidence given by Mr. Dutta Gupta. That he did not do. He saw Mr. Dutta Gupta privately at his office and examined him. The concerned workman had no knowledge of the fact that Dutta Gupta had been examined, far less of what he had stated in his examination. He had no chance of cross-examining him or of explaining his conduct in the light of the statement made by Dutta Gupta. It is clear from the Enquiry Report itself that the statement made by Dutta Gupta influenced the findings of the Enquiry Officer and was largely responsible for the conclusions he came to. It is hardly necessary to cite any precedent for the proposition that the course adopted by the Enquiry Officer vitiated the enquiry. Reference may however be made to the judgment of the Supreme Court in *Union of India v. Varma (T.R.) 1958 LLJ II 259*. At page 264 of the Report Venkatarama Ayyar, J. stated, "Stating it broadly and without intending to be exhaustive, it may be observed that rules of natural justice require that a party should have the opportunity of adducing all relevant evidence on which he relies, that the evidence of the opponent should be taken in his presence, and that he should be given the opportunity of cross-examining the witnesses examined by that party, and that no materials should be relied on against him without his being given an opportunity of explaining them". In *Phulbari Tea Estate and Its Workmen, 1959 LLJ II 663*, the judgment of Venkatarama Ayyar, J. in the *Union of India v. Varma (T. R.)* was quoted with approval. In *Bharat Sugar Mills Ltd. and Jai Singh, and Others, 1961 LLJ II, 644*, at page 647, Das Gupta, J. delivering the judgment of the Supreme Court said :

"It appears that no witness was examined by the enquiring officer and the only person examined was the Workman against whom the enquiry was being held. Reports by some officers of the company were taken into consideration but it does not appear that the contents of these reports were read out and explained to the workman. The persons whose reports were thus considered were present at the enquiry, but even so it does not appear that the workman was given an opportunity to examine them. Indeed as none of these persons were actually examined in the presence of the workman, the question of their cross-examination by or on behalf of the workmen did not arise. The workman thus had not only no proper chance of knowing what was being alleged against him and by whom but also no chance of testing the correctness of the allegations that were in fact made in the written report."

His Lordship upheld the decision of the Industrial Tribunal and refused to place any reliance on the findings of the domestic tribunal in the circumstances of the case.

11. Having regard to the fact that the Enquiry Officer examined the Security Officer in the absence of the concerned workman and the concerned workman had no opportunity not only of cross-examining the Vigilance Officer but had also no knowledge of what he had stated in his examination and also having regard to the reliance placed upon the evidence of Dutta Gupta by the Enquiry Officer in his Report, I am of opinion that there has been a failure of natural justice in the proceedings which terminated in the Enquiry Report and therefore the Enquiry and the Report of the Enquiry Officer are invalid and of no effect in law. I therefore hold against the propriety and the validity of the said Enquiry and



of the Report of the Enquiry Officer and decide the preliminary point in favour of the concerned workman. In these circumstances, it is not necessary for me to deal with other objections raised by Mr. Sen Gupta.

12. Mr. D. K. Mukherjee presented an application on the 6th November, 1978 praying that an opportunity be given to the management to adduce evidence before the Tribunal in case it is held that the said Enquiry proceedings were defective. I reserved my orders on that application. Having regard to my findings that the Enquiry proceedings are invalid, I grant leave to the parties to adduce evidence before this Tribunal at the hearing of the case.

The case will be heard on 28th February, 1979.

Dated, 29-1-1979.

S. K. MUKHERJEE, Presiding Officer

[No. L-32012(4)/76-D. IV (A)]

NAND LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1979

कां०आ० 1297.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० कां०आ० 1476, तारीख 8 मई, 1978 के अनुक्रम में कर्मचारी राज्य बीमा निगम से परामर्श के तत्वात् इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (रिफाइनरीज और पाईपलाइन प्रभाग), गोहाटी, को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली जुलाई, 1978 से 30 जून, 1979 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित हैं एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती हैं।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात्:—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अवधि' कहा गया है), ऐसी विवरणियाँ, ऐसे प्ररूप में और ऐसी विधिष्ठियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी ;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी—

- (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विधिष्ठियों को मत्यापित करने के प्रयोजनार्थ, या
- (ii) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख का, उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं ; या
- (iii) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिकलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं ; या
- (iv) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के सम्बन्ध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं ;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा:—

- (क) प्रधान या अध्यक्षित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिससे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है ; या

(ख) ऐसे प्रधान या अध्यक्षित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के सन्दर्भ से संबंधित ऐसे लेखा, बहियाँ और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझने हैं ; या

(ग) प्रधान या अध्यक्षित नियोजक को, उसके अधिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना ; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे प्रचरण लेना।

#### व्याख्यात्मक भाषण

इस मामले में पूर्वोक्त प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि जिन परिस्थितियों में कारखाने को प्रारम्भ में छूट दी गई थी वे अभी भी विद्यमान हैं और कारखाना छूट का पात्र है। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वोक्त प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस-38014/5/79-एच०आई०]

ईसरज छाबड़ा, उप सचिव

New Delhi, the 6th April, 1979

S.O. 1297.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1476 dated the 8th May, 1978, the Central Government after consultation with the Employees' State Insurance Corporation, hereby exempts the Indian Oil Corporation Limited (Refineries and Pipelines Division) Gauhati from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st July, 1978 upto and inclusive of the 30th June, 1979.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

- (1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulation, 1950 ;
- (2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
  - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or
  - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any persons found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment or persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person who the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

#### EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in the case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the conditions under which the factory was initially granted exemption still persist and the factory is eligible for exemption. It is also certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/5/79-HI]

HANS RAJ CHHABRA, Dy. Secy.

आवेश

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1979

का० भा० 1298.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड, रामगुण्डम डिवीजन नं० 1, डाकघर गोदावरी खानी, जिला करीम नगर, के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री सी०एल० नरसिंह राव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड, डाकघर गोदावरी खानी, जिला करीम नगर (आंध्र प्रदेश) की रामगुण्डम डिवीजन-1 के डिवीजनल सुपरिटेन्डेंट की क्षेत्रीय वर्कशाप के मूलपूर्व फिटर, श्री पी० कृष्णा को

11 जून, 1978 से इक्की पय न आने देने का कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[नं० एल-21012/(19)/78-डी० IV (बी)]

शशि भूषण, डेस्क अधिकारी

#### ORDER

New Delhi, the 16th March, 1979

S.O. 1298.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division No. 1, Post Office Godavari Khani, District Karimnagar and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri C. L. Narasimha Rao shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

#### SCHEDULE

Whether the action of the Divisional Superintendent, Ramagundam Division No. 1 of Singareni Collieries Company Limited, Post Office Godavari Khani, Karimnagar District (Andhra Pradesh), in not allowing Shri P. Krishna, Ex-Fitter, Area Workshop, to join his duties with effect from 11 June, 1978 is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?

[F. No. L-21012(19)/78-D-IV(B)]

SHASHI BHUSHAN, Desk Officer

आवेश

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1979

का० भा० 1299.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया, हैदराबाद, के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम० गोपाक्षाराम होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

“क्या सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया, डिवीजनल कार्यालय, हैदराबाद के प्रबन्धतंत्र की, सर्वथो वार्ड० नरेन्द्र और नीचे दी गई सूची में अन्य 14 की सेवाओं को, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 25 के उपबन्धों के अधीन नोटिफाई किए बिना या नोटिफाई वेतन और छंदनी प्रतिकार का संदाय किए बिना समाप्त करने की कार्यवाही वैध और न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?”

सर्वेधी

1. वार्ड० नरेन्द्र
2. ए० रामचन्द्र राव
3. ए० नागराज
4. मुहम्मद ताहिर
5. ए० जयाराम

5. सर्व श्री
6. के० रामाप्रतंजली
7. ए० रजैया
8. मुहम्मद खान
9. बी० पद्मानाभा राव
10. धार० सत्यनारायण मूर्ति
11. एम० बी० बी० प्रसाद
12. टी० टाटा राव
13. जी० रूप कुमार
14. एन० नागराज
15. कुमारी क० शशि रानी

[गं० नं०-12011/109/78-डी 2(ग)]

## ORDER

New Delhi, the 20th March, 1979

**S.O. 1299.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Central Bank of India, Hyderabad and their workmen in respect of the matter specified in the schedule, hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M. Gopalachari shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

## SCHEDULE

"Whether the action of the management of the Central Bank of India, Divisional Office, Hyderabad in terminating the services of S/Shri Y. Narendar and 14 others listed below without notice or the payment of notice pay and retrenchment compensation as required under the provisions of section 25 of the Industrial Disputes Act, 1947 is legal and justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?"

- 1 S/Shri Y. Narendar
- 2 .. A. Ramachandra Rao
3. .. A. Nagaraja
4. .. Mohd. Taher
5. .. A. Jayaram
- 6 .. K. Ramapratnaji
7. .. A. Rachaiiah
8. .. Mohd. Khan
9. .. B. Padmanabha Rao
10. .. R. Satyanarayana Murthy
11. .. M. V. V. Prasad
12. .. T. Tata Rao
13. .. G. Roop Kumar
14. .. N. Nagraj
15. .. Miss K. Sashi Rani

[No. L-12011/109/78-D. II.A.]

New Delhi, the 9th April, 1979

**S.O. 1300.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Allahabad Bank, Jaipur and their workman over termination

of services of Shri Hanuman Sahai Sharma, Sub-staff with effect from 31-7-76, which was received by the Central Government on 29-3-79.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-cum-LABOUR COURT, NEW DELHI

I. D. No. 194 of 1977

In re :

The General Secretary, Rajasthan Bank

Employees Union, C/o. Punjab National Bank

Bikaner.

... Petitioner

Versus

The Manager, Allahabad Bank, S. M. S.

Highway, Jaipur.

... Respondent

PRESENT :

Shri R. L. Khandelwal.—for the workman.

Shri P. C. Parikh.—for the Management.

## AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its Order No. L-12012/183/76-D.II.A dated the 9th September, 1977 made a reference to this Tribunal u/s 10 of the I.D. Act, 1947 :

"Whether the action of the management of Allahabad Bank, Jaipur in terminating the services of Shri Hanuman Sahai Sharma, Sub Staff Jaipur Branch of the Bank w.e.f. 31-7-76 is legal and justified If not, to what relief is the workman entitled?"

2. On receipt of the reference usual notice" were sent to the parties and a statement of claim was filed on behalf of the workman. Thereafter a written statement was also filed. Finally a replication was filed. In the meanwhile talks for compromise started between the parties and finally a compromise was arrived at between the parties. It was ordered to be recorded in so far as it was beneficial for the workman. The statement of Shri R. L. Khandelwal and Shri P. C. Parikh, the representative of the Union and the Management respectively was recorded in which it is stated by them that 'the parties have arrived at a settlement. The workman has been reinstated. The court may kindly made a no dispute award in this reference and parties be left to bear their costs.'

3. In view of the statement recorded above, a no dispute award is hereby made in the reference and parties are left to bear their own costs.

## FURTHER AWARDED

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

Dated : the 16th March, 1979

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

[No. L-12012/183/76-D.II.A.]

**S.O. 1301.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner and Jaipur and their workman over termination of services of Shri Lal Singh of Vallabh Nagar Branch with effect from 28-3-76, which was received by the Central Government on 29-3-79.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-cum-LABOUR COURT, NEW DELHI

**I.D. No. 204 of 1977**

In re :

The General Secretary, Rajasthan Bank  
Employees' Union Jaipur Hotel Building, SMS

Highday, Jaipur.

... Petitioner

Versus

The Managing Director, State Bank of Bikaner &  
Jaipur, SMS Highway, Jaipur.

**PRESENT :**

Shri R. L. Khandelwal.—for the workman.

Shri P. S. Surya Narayan.—for the Management.

**AWARD**

The Central Government as appropriate Government vide its Order No. L-12012/194/76-D.II.A dated the 5th December, 1977 made a reference to this Tribunal u/s 10 of the I.D. Act, 1977 :

"Whether the action of the management of State Bank of Bikaner and Jaipur, Head Office at Jaipur in terminating the services of Shri Lal Singh of Vallabh-nagar Branch of State Bank of Bikaner & Jaipur w.e.f. 28-3-76 was justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. On receipt of the reference usual notices were sent to the parties and a statement of claim was filed on behalf of the workman. In the meanwhile talks for compromise started between the parties and finally a compromise was arrived at between the parties. It was ordered to be recorded in so far as it was beneficial for the workman. The statement of Shri R. L. Khandelwal and Shri P. Surya Narayan, the representative of the union and the management respectively was recorded in which it is stated by them that parties have arrived at a settlement. A no dispute award be made in this reference. Parties be left to bear costs.

3. In view of the statement recorded above, a no dispute award is hereby made in the reference and parties are left to bear their own costs.

**FURTHER AWARDED**

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

**MAHESH CHANDRA**, Presiding Officer  
[No. L-12012/194/76-D.II.A]

**S. K. MUKHERJEE**, Under Secy.

Dated : the 16th March, 1979.

**S.O. 1302.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Eastern Coalfields Limited, Area No. VIII, Post Office Mahgama, District Dhanbad and their workman, which was received by the Central Government on the 6th April, 1979.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference Under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

**Reference No. 81 of 1977**

**PARTIES :**

Employers in relation to the management of Eastern Coalfields Limited, Area No. VIII, P.O. Mahgama, District Dhanbad.

**AND**

Their Workmen.

**APPEARANCES :**

For the Employers : Shri T. P. Choudhury, Advocate.

For the Workmen : Shri G. Prasad, Advocate.

**STATE :** Bihar.

**INDUSTRY :** Coal.

**AWARD**

Jabalpur, dated the 31st March, 1979

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Order No. L-20012/42/77-D.II.A, dated, the 10th August, 1977, for the adjudication of the following industrial dispute :

"Whether the action of the management of Eastern Coalfields Limited, Area No. VIII, Post Office Mahgama, District Dhanbad in refusing employment to Shri Sudhansu Kumar Mishra, Register Keeper, Hurra Block IA, Fulwaria Colliery, Post Office Mahgama, District Santhal Parganas with effect from 17-6-74 is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"

2. The case of the workmen is that he was appointed as a Register Keeper and was continuously in employment since 17-1-1972 till 28-4-1974 when he fell ill and proceeded on sanctioned medical leave. He remained on leave till 15-6-74. Meanwhile the administration of the coal mine was taken over by the Government on 31-5-1974. When he reported for duty on 15-6-1974 alongwith fitness certificate, he was not taken back on duty. He made one representation after the other but all in vain.

3. The management has denied that he was an employee of the erstwhile owner on the date on which the colliery was taken over and as such he did not acquire the statutory right of continuation of service.

4. The main question for the decision in the present case is whether Sri Sudhansu Kumar Mishra was an employee of the erstwhile owner in the mine on the date it was taken over by the Government. Sri Sudhansu Kumar Mishra workman examined himself as W.W. 1 and stated on oath that he was employed in the mine as Register Keeper since 17-1-1972. For working as a Register Keeper, competent person's authorisation certificate Ext. W-1 was issued by the then Manager in his favour, under his seal and signature. The same signatures appear on the Register Ext. W-30 which goes to show that in April 1973 Sri Sudhansu Kumar Mishra Register Keeper was paid the total salary of Rs. 236. Sri Mishra affixed the revenue stamp and signed the acquittance in the last column. The revenue stamp bearing the signature of Uday Shankar Chakraborty, Attendance Clerk, partly overlaps on the revenue stamp of Sri Mishra in the last column as acquittance for the receipt of wages. This means that Sri Uday Shankar Chakraborty's revenue stamp was affixed subsequent to the signing of acquittance by Sri Misra. Again partly overlapping on the revenue stamp on which Uday Sankar Chakraborty has signed, affixed the signed revenue stamp of Sri Jagat Taran Dutta, Part time Surveyor. Thus Sri Jagat Taran Dutta was subsequent to sign and affix his revenue stamp. It is therefore impossible to subsequently interpolate the name and acquittance of Sri Misra in the middle of the list of the workmen in this register.

5. This situation speaks of the genuineness of the register Ext. W-30 and the payments which were made to Sri Misra prove that he was the Register Keeper of the colliery. This register remained in possession of the owner and was not handed over by him at the time of take over hence Sri Misra had to dig it out and obtain from him for being produced before the authorities of the Government Company when his very existence as an employee was doubted by them. Under the circumstances mere late production of the register by Sri Misra is not sufficient to rule it out as a spurious document.

6. In May 1973 there are similarly overlapped affixation of revenue stamps in the last column where acquittance is taken Sri Misra's revenue stamp overlaps the stamp of Sri Dutta and in its turn it is overlapped by the stamp of Sri Mahesh Prasad Agarwal. This overlapping rules out subsequent manipulation. On other pages attempt has been made to avoid such overlapping affixation of acquittance stamps.

The entries of each month are signed by the same Manager who has signed the competency certificate upto August 1973, after which the signatures of the Manager are absent. However the entry of attendance and payment of wages on a revenue stamp continued upto April 1974 so far as Sri Misra is concerned. It appears that since November 1973 only two persons remained in mine namely Sri Gobind Prasad, who was the owner and took the salary as Superintendent, and Sri Mishra who was the Register Keeper.

7. Ext. W-2 is the leave application which appears to be endorsed, signed and sealed by Sri Gobind Prasad, Superintendent. This document was also obtained by the workman from Shri Govind Parshad and produced in support of his contention that he was an old employee of the mine. There is no rebuttal to the statement of Sri Misra on this point and mere late production of the document by Sri Misra, which late production is sufficiently explained by him, is not sufficient to throw it out as a spurious piece of evidence.

8. There is yet another document Ext. W-6 with its enclosures Ext. W-5. The letter Ext. W-6 sent by Sri R. K. Verma, Asstt. Commissioner of Coal Mines Provident Fund on 22-4-74 i.e. a few days before take over of the mine. He returned the enclosed form 'H' Ext. W-5 after one year. The management had submitted it on 28-4-73 for opening the provident fund account in the name of Sri Gobind Prasad and Sri Sudhansu Kumar Misra as employees of the mine. Though it was signed by the then manager yet it appears that he had omitted to put his seal under his signature. Hence the Asstt. Commissioner returned the Form 'H' Ext. W-5 with the covering letter Ext. W-6 seeking its resubmission, after putting official seal on it. Ext. W-5 clearly mentions that the service of Sri Misra commenced on 17-1-72. This again indicates that in April 1973 the management made an attempt to open C.M.P.F. account in the name of Sri Sudhansu Kumar Misra as an employee of the mine whose service was continuing since 17-1-72. It appears that it could not be returned back as soon after the colliery was taken over and Sri Misra was on leave when it was received. These documents cannot be disbelieved simply because they were produced by Sri Misra in 1975. The cumulative effect of all this evidence lead to the only inference that Sri Misra was a genuine old employee of the mine since 17-1-72 and he continued to remain an employee on medical leave when the colliery was taken over.

9. The management examined Sri Mahendra Narain Singh, M.W. 1 and Sri V K. Srivastava, M.W. 2. They have not been able to rebut this evidence. Simply saying that Sri Misra was not entitled to be taken back on duty because his name did not figure in the list of the employees prepared behind his back when he was on leave is not of much of consequence. Sri Hasim who was the Manager of the colliery when it was taken over has not been examined. In any case there is preponderance of evidence in favour of the workmen.

10. It is therefore held that the management was not justified in refusing to take back Sri Sudhansu Kumar Misra on duty when he returned back on 17-6-1974 alongwith medical certificate vide application Ext. W-3. The management is therefore directed to take him back in employment and if he proves to the satisfaction of the management that he had not been in employment elsewhere since 17-6-1974, then full back wages shall be paid to him with all consequential benefits till he is taken back on duty.

S. N. JOHRI, Presiding Officer

[No. L-20012/42/77-D.III(A)]

NAND LAL, Desk Officer

New Delhi, the 9th April, 1979

**S.O. 1303.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Udaipur Cement Works, Udaipur and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th March, 1979.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I. D. No. 56 of 1977

in re.

The General Secretary,  
Cement Mines Mazdoor Sangh,  
Residency Road,  
Udaipur.

VERSUS

The Chief Executive,  
Udaipur Cement Works,  
Udaipur.

PRESENT :

Shri Mohan Singh, Representative of the workmen.

Shri R. S. Sharma, Representative of the management.

AWARD

"The Central Government as appropriate Government vide its Order No. L-29011/41/76-D. III(B), dated the 19th May, 1977 made a reference to this Tribunal u/s 10 of the I.D. Act, 1947 :

Whether the management of Udaipur Cement Works, Udaipur are justified :

- In retransferring Shri Pooran Lal, Compressor Attendant to his original post of Driller.
- non-payment of wages to the said Shri Pooran Lal for the period 22-7-76 to 2-8-76 when he did not resume duty in his original post of Driller in accordance with the instructions of the management.
- non-payment of 4 hours wages on 3-8-76 to the workmen who stopped work during this period abruptly, without giving any prior notice.
- non-payment of wages for the strike period from 7-8-1976 to those workmen who resorted to strike without giving the notice.

If not, to what relief the affected workmen are entitled ?

2. On receipt of the reference usual notices were sent to the parties and before any statement of claim was filed by the workman talks for compromise started between the parties. It was ordered to be recorded in so far as it was beneficial for the workman. The statement of Shri Mohan Singh, General Secretary of Union and Shri R. S. Sharma, Asstt. Personnel Officer of the Management was recorded in which it is stated by them that 'I the parties have settled their entire dispute vide Ex. S/1 settled which has been acted upon in part. A no dispute award be made.

3. In view of the statement recorded above, a no dispute award is hereby made in the reference and parties are left to bear their own costs.

FURTHER AWARDED

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

[No. L-29011/41/76-D.III.B.]

Dated : the 16th March, 1979.

**S.O. 1304.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Industrial Tribunal Jaipur in respect of complaint under section 33A of the said Act filed by Shri Ram Chandra Arya, which was received by the Central Government on the 24th March, 1979.

**CENTRAL INDUSTRIAL TRIBUNAL, JAIPUR**  
**Complaint No. CIT—1 of 1978**

Shri Ram Chandra Arya s/o Shri Nathuram, Harijan  
 resident of Quarter No. R-64-II 'B' Khetri Nagar,  
 through Shri Prem Kishan Sharma, Advocate, Station  
 Road, Jaipur Applicant

Vs.

- (1) The Hindustan Copper Limited, (Khetri Copper  
 Complex), Khetri Nagar, District Jhunjhunu  
 (2) Kolihan Copper Mines, through the Agent, P. O.  
 Khetri, District Jhunjhunu Opposite Parties

**APPEARANCES**

For the applicant: Shri P. K. Sharma and Shri Ashok  
 Parihar

For the opposite party: Shri S. B. L. Agrawal

Date of Award: 8-3-1979.

**AWARD**

The petitioner Shri Ram Chandra has filed this complaint under section 33-A of the Industrial Disputes Act. (hereinafter referred to as the Act). before this Tribunal on 23-3-1978, alleging that he was working as a Mechanic 'A' in the Kolihan Copper Mines, under the Hindustan Copper Limited, Khetri Nagar, for the last eight and a half years, and he was dismissed from service on 28-9-1977, as a result of enquiry held against him, by the non-applicant, but his dismissal is illegal and unfair. It has been further alleged by the petitioner that he is a concerned workman in reference case pending before this Tribunal as case No. CIT-12 of 1975. That Reference in an industrial dispute between Reshtriya Khetri Tamba Mazdoor Sangh and the Management of Hindustan Copper Limited for four employees, who were dismissed and victimised by the Management and the petitioner is interested in the outcome of that Reference, and common points are involved in this case as well as in that Reference. It has been further alleged that in the circumstances it was mandatory for the opposite to apply for approval of dismissal, which has not been done and, therefore, the order of dismissal is illegal and deserves to be set aside.

2. On notice to the opposite party, a reply was filed in which it was specifically alleged that the applicant is not a concerned workman in reference case CIT-12/75. It has been further alleged that in that reference, the dispute relates to dismissal of particular four individuals on account of their gross misconduct, whence by they openly led procession and dragged the officer and assaulted him and damaged company's property and in these circumstances, they were removed from the service of the company, while the present petitioner has been dismissed for having committed theft and so there is no common question about the non-dismissal of the petitioner and the dismissal of the employees whose dispute has been referred to this Tribunal. It has been specifically asserted that as the petitioner is not in any way interested in the Reference, the present application is not maintainable, and deserves to be dismissed.

3. Since the question of non-maintainability of the application was purely legal question, I heard both the parties at length, on this point. The learned counsel for the petitioner referred to the Judgment of His Lordship Kasliwal, J. in S. B. Civil Writ Petition No. 388 of 1978 decided on 30-8-78 between Hindustan Copper Limited Vs. Central Industrial Tribunal, in support of his arguments while the petitioner contended that he may be allowed to lead evidence and prove that he is interested in the outcome of the Reference, and as such he is a "workman" concerned.

4. Before dealing with the respective contentions of both the parties, I would like to point out that the facts in the case cited by the counsel for the non-petitioner are more or less similar with the facts of the present case. From the copies of the Charge-sheets filed in the present case, by the Management, it becomes clear that there was an allegation of theft of Gun Metal Round of about 30 K.G. weight on 9-4-77 against the petitioner, and after a Domestic enquiry, the charge was held proved and he was dismissed. This fact

is not disputed by the petitioner. Then the Reference Case CIT-12/75 relate to an incident dated 29-5-75 concerning the four workmen, and the order of dismissal, passed on 31-5-75 by the employer. The incident was about the illegal procession and assaulting of an officer by the four workmen for which they were charge-sheeted and ultimately dismissed after a domestic enquiry. The petitioner, in the present case, has nowhere alleged that he was present at the time of that incident or that he had appeared in evidence in the case concerning the four workmen, or he is in any way concerned with that incident for which the four workmen were dismissed and the reference about which is pending before this Tribunal. Thus there are no common points involved in this case and the case under reference and the petitioner cannot be said to be interested in the outcome of result of Case No. CIT-12/75. There is only a bald allegation that the four employees concerned in that industrial dispute were also victimised by the opposite party and the applicant has also been victimised, and so, he is interested in the outcome of that dispute. I think, this bald allegation is not enough to hold that there is any common point involved in both the cases. Since there is no allegation of any semblance of question about in the petition, I think, no useful purpose can be served to allow the petitioner to lead evidence to show that he is a "workman" concerned in that dispute, as there cannot be any proof on a plea, which has not been put forth in the petition since the plea put forth in the petition is not at all sufficient to show any semblance of interest in both the cases, it would not be proper to give any opportunity to the petitioner to lead evidence to show his interest in the reference case, when prima facie, there does not appear to be any interest whatsoever from the allegations in the petition itself.

5. In the case referred to by the learned counsel for the non-petitioner, it was specifically laid down by His Lordship Kasliwal, J., after elaborately discussing various citations referred to by both the parties, that raising or sponsoring a dispute by the Union will not mean that it will be sine-qua-non for holding that every member of such Union will be "workman" concerned for any matter whatsoever, even if it had no semblance of any action or interest in the dispute raised by the Union. His Lordship has further observed as under:—

"It would be necessary for the workman to show as to how he is concerned with the earlier dispute raised by the Union and pending before the Labour Court or Tribunal for determination. If the contention raised by the learned counsel for the respondent is to be accepted, the result would be that in any and every kind of dispute raised by the Union of any worker, every member of such union will become a workman concerned in the dispute and the employer will not be able to take any action without the prior permission or approval of the court or tribunal concerned. It is necessary for the workman who wants to come within the category of workman concerned in such dispute to prove that he is interested or has connection with the dispute already pending for determination. If the dispute raised or sponsored by the union may be of the kind like a demand of bonus, or salary which might be affecting the members of the union as a whole, it can be said that every member of the union is a workman concerned in a dispute but where the dispute raised or sponsored by the union on behalf of the individual workman relating to an incident concerning the act of that workman individually it cannot be said that every member of such union will be a workman concerned in the dispute."

6. From the above referred proposition of law, which is binding upon me, and considering the facts of the present case, it can definitely be said that the petitioner is not a "workman" concerned, in Reference Case pending before this Tribunal as Case No. CIT-12/75 and, therefore, it was not necessary for the Management to apply for approval of its action of dismissal of the petitioner and so it cannot be said that the order of the Management is illegal on this ground. No further ground of illegality was alleged or argued before me and nor could it be pressed before me on any other ground.

7. I, therefore, hold that the present petition is not maintainable and deserves to be dismissed.

8. The petition of the petitioner is, therefore, rejected. The Award be published in accordance with law

S. R. KOTHARI, Presiding Officer.

[No. L-43014/2/79-D.III.B]

New Delhi, the 11th April, 1979

**S.O. 1305.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Daroli Limestone Mine of M/s. Udaipur Cement Works and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th March, 1979.

**BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI**

**I.D. No. 47 of 1977**

In re :

The General Secretary,  
Udaipur Cement Mines Mazdoor Sangh,  
24, Residency Road,  
Udaipur.

..... Petitioner.

Versus

The Managing Director,  
Daroli Lime Stone Mine of  
M/s. Udaipur Cement Works, P.O. Bajaj Nagar  
(Near Dabok), Udaipur.

.. Respondent.

**PRESENT :**

Shri Mohan Lal Representative of the Workman.  
Shri R. S. Sharma Representative of the Management.

**AWARD**

The Central Government as appropriate Government vide its Order No. L-29011/4/77-D.III.B, dated the 16th April, 1977 made a reference to this Tribunal u/s. 10 of the I.D. Act, 1957 :

"Whether the action of the management of M/s. Udaipur Cement Works in not paying bonus to their workmen employed in Daroli Limestone Mine for the year 1972-73 and 1973-74 is justified? If not, to what relief these workmen are entitled?"

2. On receipt of the reference usual notices were sent to the parties and before any statement of claim was filed by the workmen talks for compromise started between the parties. It was ordered to be recorded in so far as it was beneficial for the workmen. The statement of Shri Mohan Lal, General Secretary of Union and Shri R. S. Sharma, Asstt. Personnel Officer of the Management was recorded in which it is stated by them that 'parties have arrived at a settlement Ex. S/1. It has been acted upon the parties. A no dispute award be made in this reference'.

3. In view of the statement recorded above, a no dispute award is hereby made in the reference and parties are left to bear their own costs.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

Dated : the 16th March, 1979.

[No. L-29011/14/77-D.III.B]

New Delhi, the 12th April, 1979

**S.O. 1306.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Barua Mica Mine of M/s. Chatturam Horilram Pvt. Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on the 28th March, 1979.

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2), DHANBAD**

**PRESENT :**

Shri J. P. Singh, Presiding Officer.

**Reference No. 1 of 1978**

In the matter of an industrial dispute under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

**PARTIES :**

Employers in relation to the management of Barua Mica Mine of M/s. Chatturam Horilram Pvt. Ltd.

**AND**

Their Workmen.

**APPEARANCES :**

On behalf of the employers : Shri A. Qasim, Labour Officer.

On behalf of the workmen : Shri S. N. Sahay, General Secretary, Metalliferous Mines Workers' Association, Kodarma.

**AWARD**

**STATE :** Bihar.

**INDUSTRY :** Mica mine.

The Government of India, Ministry of Labour is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Barua Mica Mine of M/s. Chatturam Horilram Pvt. Ltd. and their workmen. Accordingly they, by order No. L-28012/3/77-D.III. B, dated 14th February, 1978 referred the said dispute to this Tribunal u/s 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication with the following issue framed :

**SCHEDULE**

"Whether the action of the management of Barua Mica Mine of M/s. Chatturam Horilram Pvt. Ltd., P.O. Jhumritalaiya, Dist. Hazaribagh in terminating the services of 30 workmen as detailed in the scheduled w.e.f. 29-9-76 is justified? If not, to what relief the workmen are entitled?"

After receipt of the reference the parties were asked to file the written statement. On 29-1-79 the parties jointly prayed for time for filing settlement. Ultimately, on 12-3-79 a memorandum of mutual settlement was filed by the parties incorporating therein the terms of settlement arrived at between them in respect of the industrial dispute pending for adjudication in this Tribunal. The contents of the memorandum of settlement were verified as correct from the side of the workmen by Shri S. N. Sahay, General Secretary, Metalliferous Mines Workers' Association, Kodarma and Shri A. Qasim, Labour Officer for the employers. I heard the parties on the joint petition and it is prayed before me that an award may be passed in terms of the settlement as filed. It appears that the settlement in its turn has been signed both by the authorised representatives of the employers and the workmen. The terms of the settlement, beneficial as they are to the parties, are accepted. Nothing therefore stands in the way of an award being passed on the basis of the memorandum of settlement. Accordingly, I pass the Award in terms of the memorandum of settlement which do form a part of the Award as an Annexure.

J. P. SINGH, Presiding Officer.

## ANNEXURE

## BEFORE:

The Presiding Officer,  
Central Government Industrial Tribunal No. 2,  
Dhanbad.

Ref. No. 1 of 1978

Employers in relation to the Management of Barua Mica Mine of M/s. Chatturam Horilram (P) Ltd., Jhumritelaiya.

## AND

Their Workmen represented through Metalliferous Mines Workers' Association, Kodarma.

The humble Joint petition on behalf of the aforesaid parties.

Most respectfully shewith:—

That the aforesaid parties to the dispute have filed a joint petition on 27-1-79 praying therein that the parties are negotiating for an amicable settlement.

That your honour has been pleased to pass orders accordingly and adjourned to 12-3-79.

That the parties to the dispute have already entered into a mutual settlement on 26-2-79.

That the said settlement in six copies are annexed herewith for your honour's perusal.

That the petitioner, therefore, pray that the award may kindly be given in terms of the said settlement.

It is, therefore, prayed that your honour would be very much pleased to accept the said settlement annexed herewith and would be further pleased to give award in terms of the settlement.

And for this, both the parties shall ever pray.

Representing the Workmen.

Representing the Management.

(S.N. SAHAY),

General Secretary,

M. M. W. A. Kodarma.

Dated: Jhumritelaiya

The 12-3-1979.

For and on behalf of

Chatturam Horilram Private Ltd.

Sd/-

Memorandum of mutual settlement arrived at between the employer in relation to the Management of Barua Mica Mine and their workmen represented through their Association namely Metalliferous Mines Workers' Association at and P.O. Kodarma Distt. Hazaribagh.

## SHORT RECITAL OF THE CASE

The General Secretary, Metalliferous Mines Workers' Association, Kodarma under letter No. MMWA/33/76, dated 6th November, 1976 raised a dispute alleging therein that Barua Mica Mine of M/s. C. H. (P) Ltd. has been illegally closed from 29-9-76 thereby terminated the services of 30 Workmen without payment of retrenchment compensation and one month notice pay in lieu of notice, whereas the management paid Ex-gratia to these workmen. Accordingly the General Secretary asked for re-instatement with back wages and continuity of Service.

The Management's case was that Barua Mica Mine has not been closed as alleged. The workmen on 28-9-76 asked for full and final settlement as they deserted voluntarily of their own wishes, as they did not wish to continue in employment any more at this mine for the reasons best known to them. Accordingly, the question of retrenchment compensation and notice pay does not arise.

After protracted discussions in the matter which ended in failure. Thereupon the Government of India has been pleased to refer the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad. On receipt of notice from the Industrial Tribunal No. 2, the parties to the dispute have thought it proper to negotiate over the matter of reference as considerable time has already passed on and accordingly the parties have agreed on the following terms:—

## Terms of Settlement

1. Agreed that the Management of Barua Mica Mine was justified in giving full and final payment at the request of the workmen employed therein in mass, as the workmen themselves declined to work any more at this mine. Hence mine. Hence the termination of 30 Workmen are bonafide.

2. Agreed that the Management has already paid the entire dues such as Salary, House Rent, leave wages and besides this, ex-gratia for their services and Bonus have also been paid. Hence the Workmen are not entitled to any more benefit.

3. Agreed that the Management has already paid wages equivalent to one month's Wages to these workmen in presence of the General Secretary of this Association on 20-2-79 over and above what have been paid to them.

4. Agreed that there is no scope for the Workmen to agitate with the matter any further as they have every reasons to believe that the actions of the Management is in no way motivated and malafide.

5. Agreed that the copy of this settlement be filed before the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad.

Representing Workmen

Representing the Management of Barua Mica Mine.

(S. N. SAHAY),

Hony. General Secretary,

Metalliferous Mines Workers' Chatturam Horilram Private Ltd. Association.

Witnesses:—

Sd/-

(Illegible).

Sd/-

2. (Illegible)

Sd/-

(Illegible)

[No. L-28012/3/77-D.IILB]

A. K. ROY, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1979

का० आ० 1307—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोक-हित में ऐसा अपेक्षित है कि सीमेन्ट उद्योग की सेवाओं को, जिन्हें उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में प्रविष्टि 3 द्वारा शामिल किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाना चाहिए।

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उप खंड (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार सीमेन्ट उद्योग की सेवाओं को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः मास की कालावधि के लिये लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस-11017/7/79/डी।ए।]

New Delhi, the 11th April, 1979

S.O. 1307.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that services in the cement industry which are covered by entry 3 in the First Schedule to the said Act, should be declared to be public utility services for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial



Disputes Act, 1947 (Act 14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said services in cement industry to be public utility services for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S. 11017/7/79/DI(A)]

नई दिल्ली 12 अप्रैल, 1979

का० प्रा० 1308—केन्द्रीय सरकार के यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ड) के उपखण्ड (6) के उप-बन्धों के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० प्रा० 3120 तारीख 16 अक्टूबर, 1978 द्वारा युरेनियम उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ के लिए 20 अक्टूबर 1978 से छः मास की कालावधि के लिए लोक हित उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिये बढ़ाया जाना अपेक्षित है।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ड) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 20 अप्रैल 1979 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस० 11017/6/1979/बी 1(ए)]

एल० के० नारायणन्, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th April, 1979

**S.O. 1308.**—Whereas, the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 3120 dated the 16th October, 1978, the service in the Uranium Industry, to be a Public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months from the 20th October, 1978;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a further period of six months from 20th April, 1979

[No. S. 11017/6/79/DI(A)]

L. K. NARAYANAN, Desk Officer

New Delhi, the 11th April, 1979

**S.O. 1309.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal (Central), Chandigarh in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the Beas Dam Project and their workman, which was received by the Central Government on the 9th April, 1979.

BEFORE MUNI LAL VERMA, PRESIDING OFFICER,  
INDUSTRIAL TRIBUNAL, (CENTRAL), CHANDIGARH

Reference No. 1-C of 1979

Raj Kumar Handa v. Beas Dam Project, Talwara,

APPEARANCE :

Mr. Raj Kumar, workmen.

Mr. A. S. Talbghar for the respondent.

AWARD

The Central Government referred the following point for adjudication to this Tribunal, vide Notification No. 1-42012 (6)/76-D II (B), dated 5-6-1976 :—

10 GI/79—6

Whether the action of the management of the Beas Dam Project, Talwara, in terminating the services of Shri Raj Kumar Handa with effect from 11-9-1969, is legal and justified? If not, to what relief is the said workman entitled

The parties have come to settlement. According to the said settlement as disclosed in the statements made by Mr. Raj Kumar workman and Mr. A. S. Talbghar, the authorized representative of the respondent on March 17, 1979 and today, the 2nd April, 1979, the respondent has converted the order of termination of services of Mr. Raj Kumar for misconduct of theft, which is subject of this reference into the one for retrenchment under section 25-FFF of the Industrial Disputes Act, 1947. The respondent has paid and Mr. Raj Kumar has accepted today, Rs. 1,000/- in full and final satisfaction of all of his (Raj Kumar's) claims pertaining to back wages, continuity of service, retrenchment compensation and re-employment etc. Mr. Raj Kumar has further been provided discharge certificate by the respondent, and he states that his claim has been fully satisfied, and the reference may be disposed of as satisfied.

Hence, in view of the aforesaid settlement evidence by the statements of the workman and the representative of the respondent referred to above, this reference has become infructuous on account of the claim of the workman in dispute having been satisfied in full and I dismiss the same accordingly, with no order as to costs.

2-4-1979

Sd/-  
(Illegible)

Presiding Officer,

Industrial Tribunal (Central),  
Chandigarh, (Camp Pathankot)

[No. I-42012(6)/76-D II(B)]

**S.O. 1310.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Martin's Light Railways, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th April, 1979.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL : CALCUTTA

Reference No. 13 of 1967

PARTIES :

Employers in relation to the Martin's Light  
Railways, Lalbazar Street, Calcutta.

AND

Their Workmen

(Represented by the Martin's Railways Staff Association)

APPEARANCES :

On behalf of Sri R.K. Chakravarti, Chief Personnel Officer.  
Employers

On behalf of Sri Manmatha Ranjan Das, General Secretary,  
Workmen

Martin's Railways Head Office Staff Union.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Railways

AWARD

By an Order No. 2/34/66-LR. IV dated 10th February, 1967 the then Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), Government of India, referred an industrial dispute existing between the Martin's Light Railways, Lalbazar Street, Calcutta and their workmen, to the Industrial Tribunal No. 2, Calcutta (which is the existing tribunal at present), for adjudication. The material part of the order of Reference reads :

"Whether the scales of pay of the following posts at the  
Railway Headquarters Office of Martin's Light

Railways need revision ? If so, to what extent and from what date ?

Categories of Staff	Existing Grade	Proposed scale of pay
1. Head Clerk (Special)	200-15-350	280-20-400-25-500
2. Head Clerk	190-10-260	260-15-350-20-450
3. Section Head	130-6-190	160-10-280
4. Comp. O. (Special)	130-6-190	160-10-280
5. Comp. Op.	70-4-124-6-160	80-5-130-7-200
6. Head Typist	110-5-150	160-10-260
7. Typist	70-4-130	80-5-130-7-200
8. Publicity Assistant	150-10-250	200-15-350.
9. Railway Cashier	200-10-300	290-15-400
10. General Assistant	120-5-160	160-6-240
11. Pay clerk (Jr.)	96-4-140	120-6-180-8-260 (Combined)
12. Pay clerk (Sr.)	145-5-190	
13. P.A. to G.M.	200-10-300	260-15-350-20-450"

2. The reference has a chequered history. The dispute was initially, sponsored by the Martin's Railway Staff Association. Before any written statement was filed, an application was made by the Martin's Railway Head Office Staff Union praying that the said Union be added as a party to the Reference. The prayer was rejected by the Tribunal. Thereafter the said Union obtained from the High Court at Calcutta a Rule and an ad-interim order restraining the Tribunal from proceeding further with the hearing of the case.

3. While the hearing of the Rule was pending, an application dated November 20, 1969 was made before the Tribunal by all the parties stating that the dispute had been settled and a consolidated agreement covering the said settlement as well as a settlement on several items not covered by the Order of Reference had been entered into. A copy of the relevant Memorandum of Settlement was annexed to the said application. By the said application the parties jointly prayed that the agreement contained in the Memorandum of Settlement be recorded and the Tribunal be pleased to make an award on the basis of the said Memorandum of Settlement. The Memorandum of settlement appears to have been signed by the parties on November 19, 1969 and filed before the Tribunal on November 21, 1969. On the same date, the learned Presiding Officer made an order directing the application to be placed in the records and await orders from the High Court.

4. The original records from the High Court at Calcutta without a copy of the judgment were received back on July 28, 1978. The case has been posted today, for recording the settlement arrived at between the parties.

5. The Tribunal has been told that the Rule has been disposed of and the order restraining the Tribunal from proceeding with the hearing of the Reference is no longer in force. In that view of the matter, the appearing parties have submitted that an Award be made on the basis of the said Memorandum of Settlement. The Memorandum has been signed by all the parties.

6. I have gone through the terms of the said Memorandum of Settlement and I am of opinion that they are fair and reasonable. I therefore make an Award in terms of the Memorandum of Settlement, a copy whereof is annexed hereto and marked with the letter 'A'.

Dated : Calcutta,

The 28<sup>th</sup> March, 1979.

S. K. MUKHERJEA, Presiding Officer

## MEMORANDUM OF SETTLEMENT

### 1. Names of the parties :

The Howrah-Amra Light Railway Co. Ltd.,  
The Howrah-Sheakhala Light Rly. Co. Ltd.,  
The Arrah-Sasaram Light Rly. Co. Ltd.,  
The Futwah-Islampur Lt. Rly. Co. Ltd.,  
The Shahdara (Delhi)-Saharanpur Lt. Rly. Co. Ltd.

### Represented by:

1. Mr. C. S. Mehta, General Manager.
2. Mr. L. H. Das, Chief Accounts Officer.
3. Mr. A. Chakravarti, Dy. Chief Personnel Officer.

### Workmen of the Companies represented

By Martin's Railway Head

Office Staff Union through—

1. Shri Manmatha Ranjan Das,  
Vice President
2. Shri Kalipada Chatterjee,  
General Secretary,
3. Shri Mohit Kumar Chakravarty  
Asstt. General Secy.
4. Shri Netai Patra, Treasurer.

By Martin's Railway Staff

Association through—

1. Shri Suprakash Mitra, President.
2. Shri Surya Kumar Mukherjee,  
Vice President.
3. Shri Staya Banerjee,  
General Secretary.
4. Shri K. D. Das, Member.

### Short recital of the case

Martin's Railways Staff Association submitted a charter of demands on 18-10-65 containing 7 items of which 4 items were referred to the A.L.C. (C), Calcutta for negotiation and settlement on 19-9-66. The Association and the Management of Martin's Light Railways attended the office of the Asstt. Labour Commissioner (C), Calcutta on 17-10-66. The matter had been discussed, and keeping in view the fact that a reference was then pending before a Tribunal at Calcutta in respect of the same establishment represented by Martin's Railways Head Office Staff Union it was agreed to by the parties that demand No. 4 (Revision of grades and scales for certain categories of workmen) in the Association's charter of demands dated 19-9-66 would be referred to the Government with a joint application under Section 10(2) of the Industrial Disputes Act, 1947 except the case of Ward Keeper. In view of this, the Association did not press for demand Nos. 1 to 3. In accordance with the said Joint Application made to the Ministry of Labour & Employment, Govt. of India, a reference was made to the Central Govt. Industrial Tribunal, Calcutta for adjudication of the dispute as mentioned in the Schedule of order of Govt. of India, Ministry of Labour & Employment dated 10-3-1967. The said reference I.D. No. 13 of 1967 is still pending before the Tribunal. Subsequently Martin's Railways Head Office Staff Union was made a party to the said dispute. The Staff Association submitted a further Charter of Demands with its letter dated 18-4-69, some of the demands were settled by mutual negotiation.

2. Martin's Railways Head Offices Staff Union submitted on 30-4-1969 a Charter of Demands containing 15 items under its letter No. MRHU/149/69 dt. 30-4-1969 to the General Manager of the Railway Companies generally known as Martin's Light Railways for his acceptance. The Union held three meetings with the General Manager on 9-5-69, 20-6-69 and 11-7-69 in connection with the aforesaid charter of demands. In course of first two meetings held on 9-5-69 and 20-6-69 the demands under items 3, 5, 8, 9, 10, 11, 12 and 13 of the charter had been settled. In view of the fact that the General Manager agreed to consider the major issues under items 1 and 2 affecting general staff, the Union did not press for demands Nos. 4, 6, 7, 14 and 15. Since the agreement dated 22-9-65 for Puja Bonus had expired it was necessary to have a fresh agreement in respect of Puja Bonus.

3. Negotiations went on with regard to the common demands of both the Unions and a final settlement was arrived at as mentioned below :—

#### Terms of Settlement

1. Re : Scales of Pay.—The scales of pay of the categories of staff will be revised as per annexure 'A' to this Agreement.

2. Re : Dearness Allowance.—Dearness Allowance will be paid to the members of the clerical staff at the Railway Headquarters Office as hitherto on the Middle Class Cost of Living Index 651 as published by the Bengal Chamber of Commerce at the following rates :—

Pay Group	Rate of Dearness Allowance
On the 1st Rs. 100	... Rs. 225 per cent
On the 2nd Rs. 100	... Rs. 105 per cent
On the 3rd Rs. 100 & above	... Rs. 45 per cent

For every rise or fall of 10 points over or below 651 points, the Dearness Allowance will rise or fall by 5 per cent for the hundred rupees, 2.5 per cent for the second hundred rupees and 1.25 per cent for the third hundred rupees of basic pay and above.

Dearness Allowance for the non-clerical staff at the Railway Headquarters Office will continue to be paid as per Guha Roy Award published in the Gazette of India dated 14th July, 1962.

3. A portion of the Dearness Allowance as indicated below will be treated as a part of basic pay for the purpose of Bonus, Provident Fund, Gratuity, Compensatory Allowance, T. A. and Passes & P.T.Os for the staff at the Railway Headquarters Office :—

Pay Group	D. A. to be treated as a Part of basic pay.
-----------	---

(a) Clerical Staff :

Staff drawing below Rs. 100	Rs. 40
Staff drawing Rs. 100 to Rs. 199	Rs. 45
Staff drawing Rs. 200 and over	Rs. 50

(b) Non-clerical Staff Rs. 30

4. Commensatory Allowance.—7.5 per cent of the Compensatory Allowance which is being paid in lieu of Bonus since January, 1960 being withdrawn, the Compensatory Allowance of 22.5 per cent to be paid to the members of the staff of Railway headquarters office will be reduced to 15 per cent of the basic salary.

5. Ad-hoc Increment.—Every member of the permanent staff will be granted an Ad-hoc increment after fixation in the respective revised scale of pay with effect from the 1st September, 1969.

6. Bonus.—In respect of each of the four accounting years commencing from 1st April 1969, a bonus equivalent to one and one-third months basic salary will be paid to all permanent members of the staff who will be in employment of the Companies on the last day of the month immediately preceding the month in which the bonus in respect of each year is paid and will have completed one year's service on that day.

(a) Permanent staff having less than one year's service on the said day will be paid on the following basis :—

Clerical Staff	... Rs. 55 lumpsum
Motor Car Drivers	... Rs. 40 lumpsum
Other than the Clerical Staff.	Rs. 30 lumpsum

(b) Temporary staff who will complete one year's continuous service on the said day will be treated for this purpose as permanent staff.

(c) Basic salary will mean the basic salary for the month immediately preceding the month in which the bonus is paid.

(d) It is agreed that the Companies shall not be liable to pay any bonus other than the bonus mentioned herein and any payment made under this agreement shall be in full and final settlement of any bonus payable under the terms of any award, agreement, settlement, contract of service or the Payment of Bonus Act, 1965 or any Act governing the payment of bonus that may come into force in respect of the four accounting years mentioned hereinbefore.

7. This Agreement will come into force from 1st September, 1969, and will remain binding on parties for a period of four years commencing from 1st April, 1969 during which the Unions will not raise any demands which are likely to impose substantial financial commitments on the Companies.

## Signature of the Parties

Witness : 1. Sd/- A. Chakravarti, Representing Employer  
Dy. Chief Personnel Officer, S.J.- C.S. Mehta  
General Manager 19/11/69

## Representing Workmen

Martin's Railways Head Office Staff Union  
1. Sd/-Suprakash Mitra, President  
2. Sd/-Kalipada Chattopadhyay 19-11-69  
3. Sd/-Mohit Kumar Chakrabarty  
4. Sd/- Netai Chandra Patra  
Martin's Railways Staff Association  
1. Sd/-Surya Kumar Mukherjee.  
3. Sd/- Satya Banerjee, General Secretary.  
4. Sd/-Krishna Dulal Das

Witness :—

1. Sd/- Himadri Kumar Samaddai  
2. Sd/- Jayanta Prasad Banerjee  
Witness :—  
1. Sd/- Dhirendranath Sarkar  
2. Sd/- Satendra Lal Sen Gupta.

## ANNEXURE 'A'

Category	Existing Grade	Revised Grade
1. Cashier and P.A. to G.M.	200-10-300	210-10-270-12-330-15-360
2. Head Clerk	190-10-260	200-10-260-12-320
3. Publicity Assistant	150-10-250	160-10-260-12-308
4. Stenographer	110-5-160-EB-10-200	115-5-160-EB-10-240
5. Section Head	130-6-190	142-6-172-7-228
6. Draftsman	110-5-170	115-5-160-6-190-8-206
7. Cash Assistant	70-3-94-4-134	70-4-90-5-135-6-195
8. Typist	70-4-130	
9. Clerk	70-3-94-4-134-150-5-160	
10. Pay Clerk Gr. I	145-5-190	150-6-186-7-228
11. Pay Clerk Gr. II	96-4-140	100-5-170
12. Comp. Operator	70-4-124-EB-6-160	70-4-90-5-135-6-195
13. Tracer	70-3-100	75-3-105-4-125
1. Car Driver	60-3-90-2-100	60-2-80-3-110
2. Ticket Counter	55-1-60-2-80	55-1-60-2-90
3. Lit. Sorter Duffry & Head Orderly	40-1-45-2-65	40-1-45-2-75
4. Ticket Binder	40-1-50	40-1-50-2-60
5. Armed Guard	45-1-50-2-60	45-1-50-2-70
6. Durwan & Chowkidar	37-1-47	37-1-47-2-57
7. Peon Khansama	35-1-40-2-50	35-1-40-2-60
8. Waterman & Sweeper	35-1-45	35-1-45-2-55

Sd/- C.S. Mehta 19-11-69

Sd/- Satya Banerjee

Sd/- Kalipada Chattopadhyay

[No. L-41011(6)/79-D. II(B)]

HARBANS BAHADUR, Desk Officer

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1979

का०अ० 1311.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स महाराष्ट्र स्टेट पावरलूम कार्पोरेशन लिमिटेड, बसानी चैम्बरस, पहला फ्लोर न्यू मैरिन पाइल्स, मुम्बई-20, जिसके प्रमुख (1) मोहम्मद अली रोड, मोमिनपुरा, जामा मस्जिद के सामने, नागपुर-2, (2) श्री निवास बिल्डिंग निचली मंजिल, प्रभु अली, सेक्टर बैंक आफ इण्डिया के सामने, भिवन्डी, जिला ठाणे, (3) अर्बन कोऑपरेटिव बैंक बिल्डिंग, प्रोद्योगिक एस्टेट,

इथलकरतजी और (4) केधर आफ नासिक डिस्ट्रिक्ट पावरलूम कोऑपरेटिव सोसाइटीज कोऑपरेटिव फेडरेशन, 18/2, भागला रोड, मांलेगांव, जिला नासिक, स्थित उसकी शाखाएं भी हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापना को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापना को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अगस्त, 1972 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(1)/79 पी० एफ० II]

New Delhi, the 11th April, 1974

S.O. 1311.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Maharashtra State Powerlooms Corporation Limited, Vasani Chambers, 1st Floor, New Marine Lines, Bombay-20 including its branches at (1) Mohammed Ali Road, Mominpura, Opposite Jamma Masjid, Nagpur-2, (2) Shrinivas Building, Ground Floor, Prabhu Ali, Opposite Central Bank of India, Bhiwandi, District Thane, (3) Urban Co-operative Bank Building, Industrial Estate, Ichalkaranji and (4) Care Off Nasik District Powerloom Co-operative Societies Co-operative Federation, 18/2, Agra Road, Malegaon, District Nasik, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of August, 1972.

[No. S. 35018(1)/79-PF.II]

का०अ० 1312.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स माइक्रो इंजीनियरिंग वर्क्स, मेहेदीबागान, जी० टी० रोड, बर्दवान पश्चिमी बंगाल, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017(7)/78-पी० एफ० II]

S.O. 1312.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Micro Engineering Works, Mehediabagan, G. T. Road Burdwan, West Bengal, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May 1978.

[No. S. 35017(7)/79-PF.II]

**कां० 1313.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जगदल एण्ड सन्स, 38, सामपंगी टैंक रोड, बंगलौर -27, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 दिसम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(7)/78-पी०एफ० II(i)]

**S.O. 1313.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jagdale and Sons, 38, Sampangi Tank Road, Bangalore-21, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1978.

[No. S. 35019/7/79-PF,II(i)]

**कां० 1314.**—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 दिसम्बर, 1978 से मैसर्स जगदल एण्ड सन्स, 38, सामपंगी टैंक रोड, बंगलौर-27, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(7)/79-पी०एफ० II(ii)]

**S.O. 1314.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of December, 1978 the establishment known as Messrs. Jagdale and Sons, 38, Sampangi Tank Road, Bangalore-27, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/7/79-PF,II(ii)]

**कां० 1315.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सुरेश कुमार रमेश कुमार, 4/4/1- पंचानतला टोला रोड, हावड़ा-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017(8)/78 पी०एफ०-II]

**S.O. 1315.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Suresh Kumar

Ramesh Kumar, 4/4/1, Panchanantola Road, Howrah-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1978.

[No. S. 35017(8)/79-PF,II]

**कां० 1316.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एडप्रिंट सर्विसेज (प्राइवेट) लिमिटेड, (मेडिकल प्रोडक्ट्स डिविजन) 30/1/10, कुरमय्या स्ट्रीट, अरुण्डेल्पेट पोस्ट आफिस बॉक्स 346 विजयवाड़ा-2, जिसके अन्तर्गत (1) 47/163-ए, नेशनल हाई रोड, कलूर जंक्शन, कोचीन-17, (2) प्लॉट नं० 22/2/ए और बी, भोलकपुर, सिकन्दराबाद-3 और (3) 10 मॉन्टिएथ लेन, इगमोर, मद्रास-8, स्थित उसकी शाखाएं भी हैं, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना, 1 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई सामझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(8)/78-पी० एफ० II (i)]

**S.O. 1316.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s Adprint Services (Private) Limited, (Medical Products Division) 30/1/10, Kurmayya Street, Arundelpet Post Office Box 346, Vijayawada-2 including its branches at (1) 47/163-A, National High Road Kaloor Junction, Cochin-17, (2) Plot No. 22/2/A&B, Bholakpur, Secunderabad-3 and (3) 10 Montith Lane, Egmore, Madras-60008, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1976.

[No. S-35019(8)/78-PF,II (i)]

**कां० 1317.**—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 दिसम्बर, 1976 से मैसर्स एडप्रिंट सर्विसेज (प्राइवेट) लिमिटेड, (मेडिकल प्रोडक्ट्स डिविजन) 30/1/10, कुरमय्या स्ट्रीट, अरुण्डेल्पेट, पोस्ट आफिस बॉक्स 346, विजयवाड़ा-2, जिसके अन्तर्गत (1) 47/162-ए, नेशनल हाई रोड, कलूर जंक्शन, कोचीन-17, (2) प्लॉट नं० 22/2/ए और बी, भोलपुर, सिकन्दराबाद-3 और (3) 10, मॉन्टिएथ-लेन, इगमोर, मद्रास-8 स्थित उसकी शाखाएं भी हैं नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करता है।

[सं० एस-35019(8) 78-पी० एफ० II(ii)]

**S.O. 1317.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the

Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of December, 1976 the establishment known as Messrs. Adprint Services (Private) Limited, (Medical Products Division) 30-1-10, Kurmayya Street, Arundelpet Post Office Box 346, Vijawada-2 including its branches at (1) 47/163-A, National High Road, Kaloor Junction, Cochin-17. (2) Plot No. 22/2/A&B, Bholakpur, Secunderabad-3 and (3) 10 Montieth Lane, Egmore, Madras-8 for the purposes of the said provision.

[No. S-35019(8)/78-PF.II (ii)]

का० आ० 1318.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स फ़िनोटैक्स, 46-ए, न्यू एम्पायर इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, कोडीविटा रोड, अंधेरी (पूर्व) मुम्बई-59, जिसके अन्तर्गत 27, जयप्रकाश नगर, गोरेगांव (पूर्व), मुम्बई-53, स्थित उसका कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017(9)/79पी०एफ० (2)]

S.O. 1318.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Opto Electronic Industries 8/4/1, Alipur Road, (National Lib Avenue), Calcutta-27, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1978.

[No. S. 35017(9)/79-PF.II]

का० आ० 1319.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वेस्ट बंगाल शुगर इण्डस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, 13, लिनडेय स्ट्रीट, कलकत्ता-16, जिसके अन्तर्गत अहमदपुर शुगर मिल, डाकघर गोबिन्दपुर, जिला बिरभूम, पश्चिम बंगाल, स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017(10)/79पी०एफ० 2]

S.O. 1319.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs West Bengal Sugar Industries Development Corporation Limited, 13, Lindsay Street, Calcutta-16 including its branch at Ahmedpur Sugar Mill, Post Office Ahmedpur, District Birbhum, West Bengal, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day January, 1977.

[No. S. 35017(10)/PF.II]

का० आ० 1320.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स फ़िनोटैक्स, 46-ए, न्यू एम्पायर इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, कोडीविटा रोड, अंधेरी (पूर्व) मुम्बई-59, जिसके अन्तर्गत 27, जयप्रकाश नगर, गोरेगांव (पूर्व), मुम्बई-53, स्थित उसका कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(10)/78 पी०एफ० II]

S.O. 1320.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Finotex, 46-A New Empire Industrial Estate, Kondivita Road, Andheri (East), Bombay-400059 including its office at 27, Jaiprakash Nagar, Goregaon (East), Bombay-400053 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1976.

[No. S-35018(10)/79-PF.II]

का० आ० 1321.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पवन हार्ड कोक इण्डस्ट्रीज रतनपुरा, डाकघर गोबिन्दपुर, जिला धनबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(10)/78पी०एफ० II(i)]

S.O. 1321.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pawan Hard Coke Industries, Ratanpura, Post Office Gobindpur, District Dhanbad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1978.

[No. S. 35019(10)/79-PF.II(i)]

का० आ० 1322.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संवद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अक्टूबर, 1978 से मैसर्स पवन हाई कोक इण्डस्ट्रिज, रतनपुरा, डाकघर गोविन्दपुर, जिला धनबाद, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एम० 35019(10)/79-पी० एफ० II (ii)]

S.O. 1322.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of October, 1978 the establishment known as Messrs. Pawan Hard Coke Industries, Ratanpura, Post Office Gobindpur, District Dhanbad, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(10)/79-PF.II(ii)]

का०आ० 1323.—केन्द्रीय सरकार, ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3(ii) तारीख 11 नवम्बर, 1978 में प्रकाशित रूप में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 3266 तारीख 24 अक्टूबर, 1978 द्वारा, मैसर्स महाराष्ट्र कामोडिटी ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई को, उक्त अधिसूचना की धनुषी में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट दे दी थी।

और पूर्वोक्त मैसर्स महाराष्ट्र कामोडिटी ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई ने 1 मई, 1978 से अपने स्थापन का नाम "बिरला इन्टरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई" परिवर्तित कर दिया है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 3266 तारीख 24 अक्टूबर, 1978 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना की उद्देशिका के पैरा 1 में, "महाराष्ट्र कामोडिटी ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड" पद के स्थान पर "बिरला इन्टरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड" पद रखा जाएगा।

[सं० एम० 35014/11/79-पी० एफ० II]

S.O. 1323.—Whereas in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government had, by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour bearing number S.O. 3266 dated the 24th Oct. 1978, published in Part II, Section 3(ii) of Gazette of India dated the 11th November, 1978, exempted subject to the conditions specified in the Schedule to the said notification, Messrs. Maharashtra Commodity Trading Company Private Limited, Bombay from the operation of all the provisions of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952. And whereas the aforesaid Messrs Maharashtra Commodity Trading Company Private Limited, Bombay, have changed the name of their establishment to "Birla International Private Limited, Bombay" with effect from 1st May, 1978.

Now, therefore, in exercise of the provisions of sub-section (1) of section 17 of the said Act, The Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour number S.O. 3266 dated the 24th October, 1978 ;

In the said notification in paragraph 1 of the preamble, for the expression "Maharashtra Commodity Trading Company Private Limited" the expression "Birla International Private Limited" shall be substituted.

[No. S. 35014/11/79-PF II]

का०आ० 1324.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री गणेशका इन्वेस्टमेंट्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 9-वाटरलू स्ट्रीट कलकत्ता-69 नामक स्थापन ने सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35017(11)/79-पी० एफ०-2 (i)]

S.O. 1324.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Ganeshka Investments (Private) Limited, 9, Waterloo Street, Calcutta-69, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1977.

[No. S. 35017(11)/79-PF.II(i)]

का०आ० 1325.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संवद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जनवरी, 1977 से मैसर्स श्री गणेशका इन्वेस्टमेंट्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 9 वाटरलू स्ट्रीट, कलकत्ता-69, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एम० 35017(11)/79 पी० एफ० II(ii)]

S.O. 1325.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January 1977 the establishment known as Messrs Sri Ganeshka Investments (Private) Limited, 9, Waterloo Street, Calcutta-69, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(11)/79-PF.II(ii)]

का०आ० 1326.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हरेशकुमार एण्ड ब्रदर्स, 395/97 नर्सी नाथा स्ट्रीट, नाथा बाजार, मुम्बई-9, नामक स्थापन ने सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35018(11)/78-पी० एफ० II]

**S.O. 1326.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hareshkumar and Brothers, 395/97 Narshi Natha Street, Natha Bazar, Bombay-9, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1977.

[No. S. 35018(11)/79-PF.II]

**का० जा० 1327.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस उमा मेटल इण्डस्ट्रीज, 28-जे० एम० मुखर्जी रोड, सलकिया, हावड़ा-6, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहु-संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35017(12)/79 पी एफ०-2 (i)]

**S.O. 1327.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Uma Metal Industries, 28, J. N. Mukherjee Road, Salkia, Howrah-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1978.

[No. S. 35017(12)/79-PF.II(i)]

**का० जा० 1328.**—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषयों में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 नितम्बर, 1978 से मैसेस उमा मेटल इण्डस्ट्रीज, 28, जे० एम० मुखर्जी रोड, सलकिया, हावड़ा-6, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एहू० 35017(2) 79-पी० एफ० II (ii)]

**S.O. 1328.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of September, 1978 the establishment known as Messrs. Uma Metal Industries, 28, J. N. Mukherjee Road, Salkia, Howrah-6, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(12)/79-PF.II(ii)]

**का० जा० 1329.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस जे० पी० मुखर्जी एण्ड एसोसिएट्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 519 अरुण चैम्बर्स, तारदेव रोड, मुम्बई-34 जिसके अन्तर्गत उसका तकनीकी

प्रभाग, 569/बी-3, शिवाजी नगर, कांग्रेस भवन रोड, पुना-5, भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35018 (12)/78-पी० एफ० II]

**S.O. 1329.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs J. P. Mukherjee and Associates (Private) Limited, 519 Arun Chambers, Tardeo Road, Bombay-400034 including its Technical Division 569/B-3, Shivaji Nagar, Congress Bhavan Road, Poona-5 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1978.

[S. 35018(12)/79-PF.II]

**का० जा० 1330.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस इण्डियन कॉटेज इण्डस्ट्रीज, मोगल लेन, माटुंगा, मुम्बई-16 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35018 (14)/78-पी० एफ० II]

**S.O. 1330.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Indian Cottage Industries, Mogul Lane, Matunga, Bombay-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976.

[No. S. 35018(14)/79-PF. II]



का० आ० 1331.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कूवरजी देवशी फायर प्रोटेक्शन सर्विसेज (प्राइवेट) लिमिटेड, 112, अरुण चैम्बर्स, तारदेव रोड, मुम्बई-34, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35018(15)/79-पी० एफ०-I]

**S.O. 1331.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Koooverji Devshi Fire Protection Services (Private) Limited, 112, Arun Chambers, Tardeo Road, Bombay-34, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1978.

[No. S. 35018(15)/79-PF.II]

का०आ० 1332.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भारत प्लास्टिक इण्डस्ट्रीज, 24-ए, मोगल लेन, मातुंगा, मुम्बई-16, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35018(16)/79-पी० एफ०-II]

**S.O. 1332.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bharat Plastic Industries, 24-A Mogul Lane, Matunga, Bombay-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1978.

[No. S. 35018(16)/79-P.F.II]

का०आ० 1333.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री प्लास्टिक कार्पोरेशन, 47, सरकारी औद्योगिक एस्टेट, कांजीवली (पश्चिम) मुम्बई-67, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

10 GI/79-7

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35018 (17)/78-पी० एफ० II(i)]

**S.O. 1333.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shree Plastic Corporation, 47, Government Industrial Estate, Kandivli (West), Bombay-67, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1976.

[No. S. 35018(17)/79-PF. II (i)]

का० आ० 1334.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करते के पश्चात् श्री प्लास्टिक कार्पोरेशन, 47, सरकारी औद्योगिक एस्टेट, कांजीवली (पश्चिम), मुम्बई-67, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एम० 35018(17)/79-पी० एफ० -II (ii)]

**S.O. 1334.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of August, 1976 the establishment known as Messrs, Shree Plastic Corporation, 47, Government Industrial Estate, Kandivli (West), Bombay-67, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(17)/79-PF.II(ii)]

का० आ० 1335.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सह्याद्री डायस्टस एण्ड केमिकल्स, डिवाइजन आफ माफतल इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, अग्रा-मुम्बई रोड, देवास (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019 (17)/ 78-पी० एफ० II]

**S.O. 1335.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sahyadri Dyes-tuffs and Chemicals, Division of Mafatlal Industries Limited, Agra Bombay Road, Dewas (Madhya Pradesh) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and

Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1978.

[No. S. 35019(17)/79-PF. II]

का० जा० 1336.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जयश्री इन्वेस्टमेंट एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, बागकार हाउस, ससून डाक, कोलाबा, मुम्बई-5, जिसके अन्तर्गत (1) एन० एस० पटकार मार्ग, मुम्बई-7 और (2) निम्बलकर कालोनी, पूना-बंगलौर रोड, कोल्हापुर-3, स्थित उसकी शाखाएं भी हैं नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35018(18)/78-पी०एफ० II(i)]

S.O. 1336.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jayshri Investment and Trading Company (Private) Limited, Bagkar House, Sassoon Dock, Colaba, Bombay-5 including its branches at (1) N. S. Patkar Marg, Bombay-7 and (2) Nimbalkar Colony, Poona-Bangalore Road, Kolhapur-3 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1977.

[No. S. 35018(18)/79-P.F.II(i)]

का० जा० 1337.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् जयश्री इन्वेस्टमेंट एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, बागकार हाउस, ससून डाक कोलाबा, मुम्बई-5, जिसके अन्तर्गत (1) एन० एस० पटकार मार्ग, मुम्बई-7 और (2) निम्बलकर कालोनी पूना-बंगलौर रोड, कोल्हापुर-3, स्थित उसकी शाखाएं भी हैं, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एस० 35018(18)/79-पी०एफ० II(ii)]

S.O. 1337.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry, into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of March, 1977 the establishment known as Messrs. Jayshri Investment and Trading Company (Private) Limited, Bagkar House, Sassoon Dock, Colaba, Bombay-5 including its branches at (1) N. S. Patkar Marg, Bombay-7 and (2) Nimbalkar Colony, Poona-Bangalore Road, Kolhapur-3, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(18)/79-PF.II(ii)]

का० जा० 1338.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रिफेब हाउसिंग फैक्टरी, छोटी खाजरांनी, मुम्बई आगरा रोड, इंदौर (म०प्र०) जिसके अन्तर्गत 50, शास्त्री मार्केट, इंदौर (म०प्र०) स्थित उसका कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० ए० 35019(18)/78-पी०एफ० II]

S.O. 1338.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Prefab Housing Factory, Chhoti Khajrani, Bombay Agra Road, Indore (Madhya Pradesh) including its Office at 50, Shastri Market, Indore (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1978.

[No. S. 35019(18)/79-PF.II]

का० जा० 1339.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वेस्टर्न इण्डिया ग्लास वर्क्स लिमिटेड, तालोजा औद्योगिक क्षेत्र, जिला कोलाबा, जिनके अन्तर्गत 20, अल्टामाउण्ट रोड, मुम्बई-26, स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 अक्टूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35018(19)/79-पी०एफ० 2 (i)]

S.O. 1339.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Western India Glass Works Limited, Talaja Industrial Area, Talaja, District Kolaba including its branch at 20, Altamount Road, Bombay-26, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of October, 1976.

[No. S. 35018(19)/79-PF.II(i)]

क्रा० आ० 1340.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 31 अक्टूबर, 1976 से मैसर्स वेस्टर्न इंडिया ग्लास वर्क्स लिमिटेड, तालोजा औद्योगिक क्षेत्र तालोजा, जिला कोलाबा, जिसके अन्तर्गत 20, अल्टामाउंट रोड, मुम्बई-26, स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35018(19)/79-पी०एफ०-2 (ii)]

S.O. 1340.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of October, 1976 the establishment known as Messrs. Western India Glass Works Limited, Talaja Industrial Area, Talaja, District Kofaba including its branch at 20, Altamount Road, Bombay-26, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(19)/79-PF.II(ii)]

क्रा० आ० 1341.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नेशनल होटल, ओमलूर रोड, सालेम-9, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(21)/78-पी०एफ० II]

S.O. 1341.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs National Hotel, Omalur Road, Salem-9, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1978.

[No. S. 35019(21)/79-PF.II]

क्रा० आ० 1342.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सरस्वती मिल्स, 148, सुरामंगलम मेन रोड, सालेम-9, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(22)/78-पी०एफ० II]

S.O. 1042.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Saraswathi Mills, 148, Suramangalam Main Road, Salem-9, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1978.

[No. S. 35019(22)/79-PF. II]

क्रा० आ० 1343.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लक्ष्मी कैफे, बस स्टैंड, श्रीकाकुलम, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(23)/78-पी०एफ० II]

S.O. 1343.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Lakshmi Cafe, Bus-stand, Srikakulam, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1978.

[No. S. 35019(23)/79-PF.II]

क्रा० आ० 1344.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स होटल एस०वी०एस० मेन रोड, श्री काकुलम, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 विगम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(24)/78-पी०एफ० II]

S.O. 1344.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hotel S. V. S., Main Road, Srikakulam, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1976.

[No. S. 35019(24)/79-PF. II]

**का० जा० 1345.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सरस्वती नर्सिंग होम, 3A, रामकृष्ण रोड, सालेम-7, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(25)/79-पी०एफ० II]

**S.O. 1345.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Saraswathi Nursing Home, 3A, Ramkrishna Road, Salem-7 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1978.

[No. S. 35019(25)/79-PF. II]

**का० जा० 1346.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री रामा कैफ, श्री कलाहस्ती, चित्तूर जिला, आन्ध्र प्रदेश, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(26)/79-पी०एफ० II]

**S.O. 1346.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Rama's Cafe, Sri Kalahasti, Chittoor District, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1977.

[No. S. 35019(26)/79-PF. II]

**का० जा० 1347.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विनोद कोक इण्डस्ट्रीज, ग्राम कपासरा, डाकघर मुगमा, जिला धनबाद, जिसके अन्तर्गत नया बाजार, डाकघर धनबाद जिला धनबाद स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और

कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(28)/79-पी०एफ० II(i)]

**S.O. 1347.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vinod Coke Industries, Village Kapasara, Post Office Muguma, District Dhanbad including its branch at Naya Bazar, Post Office, Dhanbad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1979.

[No. S. 35019(28)/79-PF. II(i)]

**का० जा० 1348.**—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध क्षेत्र में आवश्यक जाँच करने के पश्चात् विनोद कोक इण्डस्ट्रीज, ग्राम कपासरा, डाकघर मुगमा, जिला धनबाद, जिसके अन्तर्गत नया बाजार, डाकघर धनबाद, जिला धनबाद स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(28)/79-पी०एफ०-II(ii)]

**S.O. 1348.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to Section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1979 the establishment known as Messrs. Vinod Coke Industries, Village Kapasara, Post Office Muguma, District Dhanbad including its branch at Naya Bazar, Post Office, Dhanbad District for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(28)/79-PF. II(ii)]

**का० जा० 1349.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रीचेम (प्राइवेट) लिमिटेड, गंगनपहाड़, महाबूबनगर, जिला आन्ध्र प्रदेश नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1972 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(29)/79-पी०एफ० II]

**S.O. 1349.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Reechem (Private) Limited Ganganpahad, Mahaboobnager District, Andhra Pradesh have agreed that the provisions of the Em-

employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1972.

[No. S. 35019(29)/79-PF. II]

**का० आ० 1350**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दरगाहवाला एण्ड कम्पनी, प्रायतः (मिल, निकान रोड, उज्जैन, (मध्य प्रदेश), नागरिक स्थापन से सम्बद्ध नियोक्ता और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019(30)/79-पी०एफ० II]

**S.O. 1350.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dargahwala and Company, Oil Mill, Nikas Road, Ujjain (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1977.

[No. S. 35019(30)/79-PF. II]

**का० आ० 1351**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एम० पी० एग्रो पेस्टीसाइड्स लिमिटेड, 29, भद्रभद्रा रोड, न्यू मार्केट, टी० टी० नगर, भोपाल-3, जिसके अन्तर्गत इण्डस्ट्रियल एस्टेट, बीना, स्थित उसका कारखाना भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोक्ता और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019(31)/79-पी०एफ० II(i)]

**S.O. 1351.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs M. P. Agro Pesticides Limited, 29, Bhad Bhada Road, New Market, T. T. Nagar, Bhopal-3 including its factory at Industrial Estate, Bina have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1977.

[No. S. 35019/31/79-PF. II(ii)]

**का० आ० 1352**—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जाच करने के पश्चात् 1 फरवरी, 1977 से मैसर्स एम० पी० एग्रो पेस्टीसाइड्स लिमिटेड 29, भद्रभद्रा रोड, न्यू मार्केट, टी० टी० नगर, भोपाल-3, जिसके अन्तर्गत इण्डस्ट्रियल एस्टेट, बीना, स्थित उसका कारखाना भी है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एम० 35019(31)/79-पी०एफ० II (ii)]

**S.O. 1352.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to Section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of February 1977 the establishment known as Messrs M. P. Agro Pesticides Limited, 29, Bhad Bhada Road, New Market, T. T. Nagar, Bhopal-3 including its factory at Industrial Estate, Bina, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/31/79-PF. II(ii)]

**का० आ० 1353**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि खम्माम कोऑपरेटिव लैंड मारगेज बैंक लिमिटेड, खम्माम, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोक्ता और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1972 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(32)/79-पी०एफ० II]

**S. O. 1353.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Khammam Cooperative Land Mortgage Bank Limited, Khammam, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1972.

[No. S. 35019(32)/79-PF. II]

**का० आ० 1354**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मोताराम टेक्सटाइल्स लिमिटेड, गृनकुत्रम, त्रिचूर जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोक्ता और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(33)/79-पी०एफ० II]

**S.O. 1354.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sitaram Textiles Limited, Poonkunnam, Trichur District, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1978.

[No. S. 39019(33)/79-PF. II]

का०आ० 1355.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शिमला बेकरी एण्ड रेस्टोरेंट, नेल्लोर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(34)/79-पी० एफ०-2]

**S.O. 1355.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Simla Bakery and Restaurant, Nellore, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1973.

[No. S. 35019(34)/79-PF. II]

का०आ० 1356.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आन्ध्र प्रदेश, रिक्रेक्टरीज लिमिटेड, 4 और 5 ग्राउण्ड फ्लोर, परिश्रम भवन, बशीरबाग, हैदराबाद-29, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(36)/79-पी० एफ०-2]

**S.O. 1356.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Andhra Pradesh Refractories Limited 4 & 5 Ground Floor, Parishrama Bhavan, Bashirbagh, Hyderabad-29, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1978.

[No. S. 35019(36)/79-PF. II]

का० आ० 1357.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एथीकेयर, फ्रेजर रोड, पटना-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(37)/79-पी० एफ०-2]

**S.O. 1357.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ethicare, Fraser Road, Patna-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1978.

[No. S. 35019(37)/79-PF. II]

का० आ० 1358.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जिला सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड, सिउनी (मध्य प्रदेश), जिसके अंतर्गत (1) लखनाघन सिउनी (मध्य प्रदेश) और (2) कोलारी, सिउनी (मध्य प्रदेश), स्थित उसकी शाखाएं भी हैं, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019 (38)/79-पी० एफ०-2]

**S.O. 1358.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jila Sahakari Bhoomi Vikas Bank Limited, Seoni (Madhya Pradesh), including its branches at (1) Lakhnadhan, Seoni (Madhya Pradesh) and (2) Keolari, Seoni (Madhya Pradesh) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019(38)/79-PF. II]

क्रा० आ० 1359.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स केरल स्टेट फिल्म डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, वाजुहाकोड, त्रिवेन्द्रम-14, जिसके अंतर्गत तिरुवल्लेग्राम, त्रिवेन्द्रम जिला स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(40)/79-पी० एफ०-2]

S.O. 1359.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kerala State Film Development Corporation Limited, Vazhuthacaud, Trivandrum-14 including its branch at Thiruvallucom, Trivandrum District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1979.

[No. S-35019(40)/79-PF. II]

क्रा० आ० 1360.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गुजरात स्टेट फॉरेस्ट डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, पांचवा फ्लोर, दर्पण, धार० सी० बस रोड, बड़ौदा, जिसके अंतर्गत (1) हिमतनगर, (2) बरिया, (3) गोधरा, (4) चूटा उदयपुर, (5) राजपिपला और (6) बंसदा स्थित उसकी शाखाएँ भी हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 जनवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/43/79-पी० एफ०-2]

S.O. 1360.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gujarat State Forest Development Corporation Limited, 5th Floor, Darpan, R. C. Dutt Road, Baroda including its branches at (1) Himatnagar, (2) Baria, (3) Godhra (4) Choota Udaipur, (5) Rajpiple and (6) Bansda, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of January, 1979.

[No. S-35019(43)/79-PF. II]

क्रा० आ० 1361.—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ऑटो ग्राइन्डर्स कारपोरेशन, बैंक रोड, न्यू काटन मार्केट हुबली, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/47/79-पी० एफ०-2]

S.O. 1361.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Auto Grinders Corporation, Bank Road, New Cotton Market, Hubli, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1978.

[No. S-35019(47)/79-PF. II]

क्रा० आ० 1362.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स टेक्नोफील्ड सेल्स कारपोरेशन, 19, पारसी पंचायत रोड, अंधेरी (पूर्व), मुम्बई, 69, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(75)/78-पी० एफ०-II(i)]

S.O. 1362.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Technofield Sales Corporation, 19, Parsi Panchayat Road, Andheri (East), Bombay-69, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1977.

[No. S. 35018(75)/78-PF. II(i)]

क्रा० आ० 1363.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परलुपक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 मार्च, 1977 से मैसर्स

टेक्नोफील्ड सेल्स कारपोरेशन, 19, पार्सि पंचायत रोड, अंधेरी (पूर्व) मुम्बई-69, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिविष्ट करती है ।

[सं० एस० 35018(75)/78-पी० एफ०-II(ii)]

**S.O. 1363.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to Section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of March, 1977 (the establishment known as Messrs. Technofield Sales Corporation, 19, Parsi Panchayat Road, Andheri (East), Bombay-69, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35018(75)/78-PF. II(ii)]

क्र० आ० 1364.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रिमों एस्टेट (नेल्लानूर) मेप्पडी, ओपईनाड ग्राम दक्षिण वाइनाड तालुक, कोझीकोड जिला, जिसके अंतर्गत कम्बलाक्कोड डाकघर कोट्टाथारा, ग्राम दक्षिण वाइनाड तालुक, कोझीकोड जिला स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहियें ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(276)/78-पी० एफ०-II]

**S.O. 1364.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Relon Estate (Nellannur) Meppadi, Mropanad Village, South Wynaad Taluk, Kozhikode District including its branch at Kamblakkod Post Office, Kottathara Village, South Wynaad Taluk, Kozhikode District have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1978.

[No. S. 35019(276)/78-PF.II]

क्र० आ० 1365.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स चूजवली एस्टेट, कालपट्टा डाकघर कोट्टापाडी ग्राम, दक्षिण वाईनाड तालुक, कोझीकोड जिला, जिसके अंतर्गत (1) नाल्लानूर एस्टेट, मेप्पडी, मूपईनाड ग्राम, दक्षिण वाईनाड तालुक, कोझीकोड और (2) उदयम स्टेट, कालपट्टा डाकघर कोट्टापाडी ग्राम दक्षिण वाईनाड तालुक, कोझीकोड जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहियें ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० 35019(277)/78-पी० एफ० II]

**S.O. 1365.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chuzhali Estate, Kalpatta Post Office Kottapadi Village, South Wynaad Taluk, Kozhikode District including its branches at (1) Nallavur Estate, Mappadi, Moopainad, Village, South Wynaad Taluk, Kozhikode and (2) Udayam Estate, Kalpatta Post Office Kottappadi Village, South Wynaad Taluk, Kozhikode District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1978.

[No. S. 35019(277)/78-PF. II]

जई विल्ली, 12 अप्रैल, 1979

क्र० आ० 1366.—मैसर्स सनैम स्टील विमिटेड, सनैम-636005 तमिलनाडु (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन छूट देने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार की राय में अधिदाय की दरों की बाबत उक्त स्थापन के भविष्य निधि नियम, उनके कर्मचारियों के लिए उन नियमों से कम अनुकूल नहीं है जो उक्त अधिनियम की धारा 6 में विनिविष्ट हैं । कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि को अन्य प्रमुखिधियों का भी उपयोग कर रहे हैं जो उन प्रमुखिधियों से कम अनुकूल नहीं है, जो उसी प्रकार के किसी अन्य स्थापन के कर्मचारियों के संबंध में, उक्त अधिनियम के अधीन और कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम 1952 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उपबन्धित है ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और हमारे उपाय अनुसूची में विनिविष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त स्थापन को उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अन सूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा और ऐसे निरीक्षण-प्रभावों का प्रत्येक मास के समापन होने से 15 दिन के भीतर, संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (3) के खंड (क) के अधीन निविष्ट करे ।

2. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक—

(i) उक्त स्थापन के भविष्य निधि में (जिसे इसमें आगे भविष्य निधि कहा गया है) अधिदायों के विनिधान की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों का पालन करेगा ;

(ii) यह ध्यान रखने के लिए सम्यक सावधानी बरतेगा कि उक्त स्थापन की बाबत गठित न्यासी बोर्ड, भविष्य निधि अधिदायों को केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों के अनुसार विनिधान करें और उक्त न्यासी बोर्ड द्वारा भविष्य निधि अधिदायों के विनिधान के लिए जिम्मेदार होगा ;

3. नियोजक प्राथमिक भविष्य निधि प्रायक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर, निविष्ट करे ।



## SCHEDULE

4. नियोजक प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण या पान बूक देगा।

5. भविष्य निधि के प्रशासन पर, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, लेखाओं और विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, संज्ञा का अंतरण, निरीक्षण प्रसारों आदि का संशय भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक करेगा।

6. नियोजक प्रति वर्ष हर एक सदस्य के खाने में ऐसी दर पर, जो न्यायी बोर्ड अवधारित करे तथा जो उस दर से कम नहीं होगी जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार अवधारित करे, व्यय जमा करेगा।

7. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित रूप में भविष्य निधि नियमों को और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तो ऐसे संशोधन को एक प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उस की मुख्य बातों का अनुवाद भी स्थापन के सूचना पट्ट पर, प्रदर्शित करेगा।

8. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी निधि) या छूट प्राप्त किसी अन्य स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही से सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित होता है तो नियोजक स्थापन की निधि के सदस्य के रूप में उसका नाम गुरन्त दर्ज कर लेगा और ऐसे कर्मचारी की बाबत उसके पिछले संचयों को स्वीकार करके उन्हें उसके खाते में जमा कर देगा।

9. यदि उस वर्ग के स्थापनों के लिए, जिसमें नियोजक का स्थापन आता है, भविष्य निधि के अधिनियमों की दर कर्मचारी भविष्य निधि और प्रवर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के अधीन बढ़ा दी जाती है तो नियोजक भविष्य निधि के अधिनियमों को दर समुचित रूप से बढ़ा देगा जिससे कि स्थापन की भविष्य निधि स्कीम के अधीन की प्रसुविधाएं उन प्रसुविधाओं से कम अनुकूल न हो जाएं जिनको व्यवस्था उक्त अधिनियम के अधीन की गई है।

10. स्थापन अपने भविष्य निधि का लेखापरीक्षित पुस्तक हर वर्ष प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तमिलनाडु को वर्ष समाप्त होने से तीन मास के भीतर भेजेगा।

11. स्थापन के भविष्य निधि नियमों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तमिलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना संभाव्य हो वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तमिलनाडु उसे अनुमोदित करने से पूर्व, कर्मचारियों का अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त आसर देगा।

[सं० एस० 35014/5/79-पी० एफ० II]

हंस राज छहब्रा, उप सचिव

New Delhi, the 12th April, 1979

**S.O. 1366.**—Whereas Messrs Salem Steel Limited Salem 636005 Tamil Nadu (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952);

And whereas in the opinion of the Central Government, the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable than those specified in section 6 of the said Act, and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the said Scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the said Act, and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

10 GI/79—8

(1) The employer in relation to the said establishment shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may; from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), within 15 days from the close of every month.

(2) The employer in relation to the said establishment :—

(i) shall comply with the directions issued by the Central Government, from time to time, under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the said Act in regard to the investment of contributions to the provident fund of the said establishment (hereinafter referred to as provident fund).

(ii) shall take due care to see that the Board of Trustees constituted in respect of that establishment invest the provident fund contributions in accordance with the directions issued by the Central Government, from time to time, and shall be responsible for such investment of the provident fund contributions by the said Board of Trustees.

3. The employee shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government may, from time to time, direct.

4. The employer shall furnish to each employee an annual statement of account of Pass Book.

5. All expenses involved in the administration of the provident fund including the maintenance of accounts, submission of accounts and returns, transfer of accumulations, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.

6. The employer shall credit, every year to the account of each member interest at such rates as may be determined by the Board of Trustees and such rate shall not be less than the one determined by the Central Government from time to time.

7. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the provident fund as approved by the Central Government and, as and when amended the amendments thereto, along with a translation of the salient points thereof in the language of the majority of the employees.

8. Where an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund (Statutory Fund) or the Provident fund of another exempted establishment is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the fund of the establishment, and accept the past accumulations in respect of such employee and credit the same to his account.

9. The employer shall enhance the rate of provident fund contribution appropriately if the rate of provident fund contributions for the class of establishments in which his establishment falls is enhanced under the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), so that the benefits under the provident fund scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefit provided under the said Act.

10. The establishment shall submit an audited balance sheet of the provident fund every year to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu within three months of the close of the year.

11. No amendment of the rules of the provident fund of the establishment shall be made without the previous approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to effect adversely the interests of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu shall, before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

[No. S. 35014(5)/79-PF. II]

HANS RAJ CHHABRA, Dy. Secy.

